भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने वाली शक्ति : सीतारमण-14

भारत का डेयरी क्षेत्र पिछले ग्यारह साल में सत्तर प्रतिशत बढ़ा : अमित शाह-14

संदिग्ध ड्रोन मंडराने के बाद म्यूनिख हवाई अड्डा अस्थाई रूप से बंद-15

लॉस एंजिल्स के पास शेवरॉन रिफाइनरी में लगी भीषण आग-15

आज का मौसम

33.0° अधिकतम तापमान

25.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.06

सूर्यास्त 05.57

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष द्वादशी 05:09 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 4 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 315, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

एअर इंडिया 60 घरेलू उड़ानों को टी2 पर स्थानांतरित करेगी

नई दिल्ली। एअर इंडिया 26 अक्टूबर से 60 दैनिक घरेलू उड़ानों को दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 (टी2) पर स्थानांतरित करेगी और एअर इंडिया एक्सप्रेस अपनी सभी घरेलू सेवाओं को टी1 पर स्थानांतरित करेगी। एअर इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि अंतर्राष्ट्रीय यात्री क्षमता बढ़ाने के लिए चल रही गतिविधियों के कारण यह समायोजन आवश्यक हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप टी3 पर घरेलू उड़ानों की क्षमता कम हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा है और इसमें तीन टर्मिनल- टी1, टी2 और टी3 हैं। पुनर्निर्मित टी2 26 अक्टूबर को फिर से खुलने वाला है। एअर इंडिया दिल्ली से प्रतिदिन प्रस्थान करने वाली अपनी 180 घरेलू उड़ानों में से 60 को उन्नत टर्मिनल 2 पर स्थानांतरित करेगी।

दृष्टि आईएएस पर पांच लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई)-2022 के नतीजों के संबंध में भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए दृष्टि आईएएस (वीडीके एडुवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। दृष्टि आईएएस ने अपने विज्ञापन में सफल अभ्यर्थियों के नाम और तस्वीरों के साथ यूपीएससी की सीएसई-2022 में 216 से अधिक विद्यार्थियों के चयन का प्रमुखता से दावा किया था।

वंदे भारत की चपेट में आने से चार की मौत

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया जिले में शुक्रवार तड़के पटरी पार करते समय वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पूर्णिया जंक्शन के स्टेशन प्रबंधक मुन्ना कुमार ने कहा कि यह हादसा सुबह करीब चार बजे कटिहार-जोगबनी रेलखंड पर हुआ। मुन्ना कुमार ने कहा, लोगों का एक समूह पटरियां पार करने की कोशिश कर रहा था। अंधेरा और आसमान में बादल छाए होने के कारण वे समय रहते तेज गति से आ रही ट्रेन के प्रति सतर्क नहीं हो सके। उन्होंने बताया कि एक मात्र जीवित बचे व्यक्ति को इलाज के लिए पूर्णिया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

देश हित में सीमा पार कर जाएगा भारत

रक्षा मंत्री राजनाथ ने पाकिस्तान को चेताया, कहा- भारत की एकता एवं अखंडता सर्वोपरि

हैदराबाद, एजेंसी

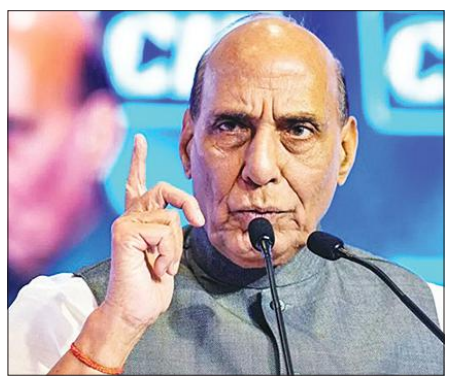

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 के बालाकोट हवाई हमले और हाल में किए गए ऑपरेशन सिंदूर के जरिए यह दिखा दिया है कि देश अपने नागरिकों की रक्षा और भारत की एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए आवश्यकता पड़ने पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है।

सिंह ने जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन (जीतो) द्वारा यहां आयोजित जीतो कनेक्ट में कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले में निर्दोष लोगों को उनके धर्म के आधार पर मार दिया गया लेकिन भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ हमले करते समय किसी को धर्म के आधार पर निशाना नहीं बनाया। उन्होंने कहा, सरकार ने पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा देने के मकसद से आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। हमने वहां किसी भी सैन्य या असैन्य प्रतिष्ठान पर हमला नहीं किया। अगर हम चाहते तो हम ऐसा पहले भी कर सकते थे लेकिन हमने ऐसा नहीं किया। सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार सैन्य और आर्थिक शक्ति बढ़ाने पर जोर प्रभुत्व हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि धर्म, आस्था एवं मानवीय मूल्यों में निहित उन आदर्शों की रक्षा के लिए दे रही है जो भगवान महावीर की शिक्षाओं में प्रतिबिम्बित होते हैं। उन्होंने कहा, जब भारत के गौरव और सम्मान की बात आती है तो हमने कभी समझौता नहीं किया। मंत्री ने रक्षा निर्यात को लेकर कहा कि जब 11 साल पहले राजग सरकार ने सत्ता संभाली थी तब देश का निर्यात लगभग 600 करोड़ रुपये था जो अब बढ़कर 24,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने अनुमान लगाया कि 2029 तक यह आंकड़ा 50,000 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा। सिंह ने आत्मनिर्भरता की दिशा में देश के बढ़ते कदमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विदेशों पर निर्भरता लगातार कम हो रही है।

- 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 में बालाकोट, अब ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दिया मुंहतोड़ जवाब
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन द्वारा आयोजित जीतो कनेक्ट को रक्षा मंत्री ने किया संबोधित

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने 12 विमान खोए

नई दिल्ली। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हमलों में एफ-16 जेट सहित कम से कम एक दर्जन पाकिस्तानी सैन्य विमान नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हुए। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान द्वारा भारत को नुकसान पहुंचाने के दावे को मनोहर कहानियां बताया। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय कार्रवाई में पाकिस्तान में कई सैन्य ढांचों को भी नुकसान पहुंचा, जिनमें तीन स्थानों पर हैंगर, कम से कम चार स्थानों पर रडार, दो स्थानों पर कमान और नियंत्रण केंद्र और दो स्थानों पर रनवे शामिल हैं। वह वार्षिक वायुसेना दिवस से कुछ दिन पहले एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न आतंकवादी समूहों द्वारा अपने ठिकानों को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थानांतरित करने की खबरों के बारे में उन्होंने कहा कि यह अपेक्षित था और भारतीय वायु सेना उनके ठिकानों पर सटीक निशाना लगाने के लिए अंदर तक जाकर हमला कर सकती है।

सेना प्रमुख बोले- अगली बार संयम नहीं दिखाएगा भारत

अनूपगढ़/जयपुर। थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर पड़ोसी देश विश्व के मानचित्र पर अपना स्थान बनाए रखना चाहता है तो उसे अपनी धरती से आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद कर देना चाहिए। साथ ही कहा कि नई दिल्ली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो संयम दिखाया था, वह भविष्य में कोई सैन्य संघर्ष होने की स्थिति में दोहराया नहीं जाएगा और उन्होंने भारतीय सैनिकों से कार्रवाई के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। उन्होंने राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में सैनिकों को संबोधित करते हुए कड़े शब्दों में कहा, भारत एक देश के तौर पर इस बार पूरी तरह तैयार है और वह ऑपरेशन सिंदूर 1.0 के दौरान दिखाए गए संयम का परिचय इस बार नहीं देगा। इस बार हम एक कदम आगे बढ़ेंगे और इस तरह से काम करेंगे कि पाकिस्तान यह सोचने पर मजबूर हो जाएगा कि वह दुनिया के नक्शे पर बना रहना चाहता है या नहीं। थलसेना प्रमुख ने सैनिकों से कहा कि अभी से पूरी तरह तैयार रहो, अगर ईश्वर ने चाहा तो जल्द ही मौका आएगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया को पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों की मौजूदगी के सबूत दिए।

- उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को दी चेतावनी

तनाव के बीच जुमे की नमाज सकुशल संपन्न

अलर्ट पर रहे अफसर

बरेली में गश्त करते पुलिस प्रशासन के अधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : हाल ही में हुए तनावपूर्ण हालात के बाद शहर में जुमे की नमाज पूरी तरह से शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गई। प्रशासन की ओर से एहतियातन सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे। मस्जिदों के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती रही, वहीं नमाज अदा होने के दौरान अधिकारियों ने खुद मौके पर मौजूद रहकर स्थिति का जायजा लिया। ड्रोन टीमें भी लगातार नमाजियों पर नजर रखे हुए थीं।

नमाज के बाद मस्जिदों के इमामों ने शहर में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ की, जिसे नमाजियों ने बड़े सुकून के साथ सुना। शांतिपूर्ण ढंग से नमाज अदा होने के बाद अफसरों ने राहत की सांस ली। जुमे की नमाज को लेकर पुलिस और प्रशासनिक गुरुवार से ही बेहद सतर्क रहा। इंटरनेट की सेवाएं 48 घंटे के लिए निलंबित कराने के साथ ही संवेदनशील इलाकों कोहाड़ापीर, किला, सुभाषनगर, श्यामगंज, इज्जतनगर समेत अन्य स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। जुमे की नमाज सकुशल संपन्न कराने के लिए 9000 पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। सोशल मीडिया पर निगरानी को साइबर टीम को अलर्ट पर रखा गया था।

- इमामों ने शांति के लिए की खास दुआ, मस्जिदों के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल रहा तैनात

दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप नहीं देने की सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक परामर्श जारी कर निर्देश दिया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी व सर्दी की दवाइयां नहीं दी जाएं। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) द्वारा जारी यह परामर्श मध्यप्रदेश में दूषित कफ सिरप के कारण बच्चों की मौतों की खबरों के बीच आई है।

इस बीच, स्वास्थ्य मंत्रालय ने पाया कि मध्यप्रदेश में परीक्षण किए गए किसी भी सिरप के नमूने में डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) या एथिलीन ग्लाइकॉल (ईजी) नहीं था। इन दोनों तत्वों से किडनी को गंभीर नुकसान हो सकता है। डीजीएचएस ने परामर्श में कहा कि आमतौर पर पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कफ सिरप की सिफारिश नहीं की जाती है। वृद्ध लोगों के लिए, इनका उपयोग सावधानीपूर्वक नैदानिक मूल्यांकन, गहन निगरानी, उचित खुराक का कड़ाई से पालन आदि पर आधारित होना चाहिए। डीजीएचएस की डॉ. सुनीता शर्मा द्वारा परामर्श में कहा गया है कि लोगों को डॉक्टरों के नुस्खों के पालन के प्रति भी संवेदनशील बनाया जा सकता है।

- स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी, किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते

अनिल अंबानी को झटका, कोर्ट ने खारिज की याचिका

मुंबई। मुंबई हाईकोर्ट ने शुक्रवार को एसबीआई के निर्णय को चुनौती देने वाली उद्योगपति अनिल अंबानी की याचिका को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की पीठ ने कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है। एसबीआई ने पिछले साल इन खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया था और आरोप लगाया था कि उसके द्वारा दिए गए ऋण की शर्तों का उल्लंघन करते हुए धन की हेराफेरी की गई है। अंबानी ने उच्च न्यायालय का रुख करते हुए तर्क दिया कि बैंक ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं किया है क्योंकि उसने उन्हें सुनवाई का अवसर नहीं दिया।

प्रदेश में 9 अक्टूबर तक गरज चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

लखनऊ में बारिश से भीगते लोग।

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में आने वाले दिनों में जोरदार बारिश कर ही मॉनसून वापसी करेगा। मौसम विभाग की ओर से 9 अक्टूबर तक गरज चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले शुक्रवार को पश्चिमी उप्र. में कुछ स्थानों पर और पूर्वी उप्र. में अनेक स्थान पर बारिश व गरज चमक के साथ बौछारें पड़ीं।

राज्य में 6 अक्टूबर तक पूर्वी यूपी में भारी बारिश और 6-7 अक्टूबर को पश्चिमी यूपी में भारी बारिश व ओलावृष्टि का अलर्ट है। 9 अक्टूबर से फिर मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। दरअसल, बंगाल की खाड़ी पर बने सिस्टम के प्रभाव से 5 अक्टूबर तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है। पूर्वी उप्र. के कई जिलों को 5 अक्टूबर को ऑरेंज अलर्ट और 4 अक्टूबर को कुछ जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 6 अक्टूबर को पश्चिमी उप्र. में ओलावृष्टि, 6-7 अक्टूबर को कई जगहों पर भारी वर्षा होने का अनुमान है। अक्टूबर के पहले सप्ताह के बाद प्रदेश में बारिश की तीव्रता और क्षेत्रीय वितरण में कमी आ सकती है।

- पूर्वी और पश्चिमी यूपी में पहला सप्ताह भारी बारिश व ओलावृष्टि के बीच गुजरेगा
- पश्चिमी व पूर्वी उप्र. में बिजली चमकने के साथ 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से झोंकेदार हवा चलने की आशंका

पीओके में निर्दोषों पर बर्बरता बंद करे पाकिस्तान : भारत

नई दिल्ली। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शन और पुलिस की कार्रवाई की भारत ने कड़ी आलोचना की है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हो रहे विरोध और अशांति, इस्लामाबाद द्वारा दशकों से किए जा रहे शोषण और दमन का नतीजा है। भारत ने दोहराया कि यह क्षेत्र उसका अभिन्न हिस्सा है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने प्रदर्शनकारियों पर हुई हिंसक कार्रवाई की निंदा की और पाकिस्तान को गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जवाबदेह ठहराने की मांग की।

मोदी बुद्धिमान, अमेरिका के दबाव के आगे नहीं झुकेगा भारत : पुतिन

मॉस्को, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भारत द्वारा भारी मात्रा में रूसी कच्चे तेल का आयात किए जाने के कारण पैदा हुए व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए नई दिल्ली से अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीदने सहित विभिन्न उपाय करने के आदेश दिए हैं। पुतिन ने कहा कि वह दिसंबर की शुरुआत में भारत की अपनी यात्रा और मेरे मित्र एवं हमारे विश्वसनीय साथी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात को लेकर उत्साहित हैं।

पुतिन दिसंबर की शुरुआत में एक वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत की यात्रा करेंगे। उन्होंने भारत की राष्ट्रवादी सरकार की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को एक संतुलित, बुद्धिमान और राष्ट्र हितैषी नेता बताया। पुतिन ने कहा कि वह उनके साथ भरोसेमंद बातचीत में सहज महसूस करते हैं। रूस के प्रमुख साझेदारों पर उच्च शुल्क और प्रतिबंध लगाने की अमेरिकी धमकी के बारे में सवाल किए जाने पर पुतिन ने कहा कि भारतीय लोग यह बर्दाश्त नहीं करेंगे कि उनके देश को उनके राष्ट्रीय हितों एवं प्राथमिकताओं के विपरीत कोई निर्णय लेने के लिए मजबूर किया जाए।

- रूसी राष्ट्रपति ने व्यापार असंतुलन कम करने का दिया आदेश

भारत से अधिक कृषि उत्पाद, दवाइयां लेगा रूस

व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए रूस भारत से अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीद सकता है। पुतिन ने कहा, भारत से अधिक कृषि उत्पाद खरीदे जा सकते हैं। औषधीय उत्पादों और फार्मास्यूटिकल्स के लिए हमारी ओर से कुछ कदम उठाए जा सकते हैं।

WE' VE EXPANDED 2X!

Our showroom is now

BIGGER, BRIGHTER & MORE BEAUTIFUL

Celebrate with us as we mark this milestone with

WEDDING SUTRAA 2.0

The Elite Wedding Jewelery Exhibit

POLKI | DIAMONDS | TEMPLE | GOLD

get #BeSHAADIready

4th - 5th October 2025 | 11 am - 9 pm

RAM KUMAR SARAF

CHAUPLA ROAD

+91-8394079574 | www.ramkumarsarraf.in

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 4 अक्टूबर 2025

शाहजहांपुर

विजयादशमी पर क्षत्रिय महासभा ने किया शस्त्र पूजन

जिलाध्यक्ष पदम सिंह बोले-राम के आदर्शों से समाज में एकता और विकास संभव, जिला कार्यालय में हुआ कार्यक्रम आयोजित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः विजयादसमी के पावन पर्व पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिला अध्यक्ष एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित पदम सिंह के नेतृत्व में जिला कार्यालय, निकट नवीन पुलिस चौकी, आवास विकास, बरेली मोड़ पर शस्त्र पूजन किया गया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पदम सिंह के साथ बरेली मंडल प्रभारी पवन सिंह, ओम सिंह एडवोकेट, मुनीश सिंह परिहार एडवोकेट, विजय प्रताप सिंह एडवोकेट, धर्मेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट, पीतम सिंह पुजारी, राकेश सिंह तोमर, प्रताप सिंह एडवोकेट, दीपू सिंह एडवोकेट, पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, अरुण प्रताप सिंह, रोहित सिंह गौर, अमित प्रताप सिंह समेत तमाम पदाधिकारी व क्षत्रिय बंधु उपस्थित रहे। अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष पदम सिंह ने कहा कि हमें प्रभु श्रीराम से प्रेरणा लेकर उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। समाज की एकता और विकास के लिए आगे बढ़कर कार्य करना ही संगठन का उद्देश्य है। संगठन का वास्तविक अर्थ त्याग और राष्ट्र निर्माण के कार्य में योगदान देना है।

तिलहरः विजयादशमी पर्व नगर में कई जगह धूमधाम के साथ मनाया गया। इसी क्रम में क्षत्रिय समाज के सदस्यों ने सत्येंद्र ग्लोबल एकेडमी में शस्त्र पूजन का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन पंडित नवनीत शर्मा के सानिध्य में किया गया।

क्षत्रिय नेता विजय तोमर और दीपक सिंह चौहान ने कहा कि दशहरा के दिन शस्त्र पूजन करने की परंपरा सदियों पुरानी है। मां दुर्गा शक्ति का प्रतीक हैं और भारत की रियासतों में शस्त्र पूजन धूमधाम से मनाया जाता था। हालांकि अब रियासतें नहीं रहीं लेकिन परंपराएं बरकरार हैं। इसी कारण आत्मरक्षार्थ रखे जाने वाले शस्त्रों की पूजा की जाती है।

तहसील अध्यक्ष इंद्रभान सिंह वीनू ने कहा कि भगवान राम ने रावण का वध करने से पहले शस्त्र पूजन किया था और तभी से यह परंपरा चली आ रही है। जितेंद्र सिंह एडवोकेट ने कहा कि दशहरा पर्व समाज को धर्म की रक्षा और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। पंकज सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से समाज में खुशहाली और सौहार्द का वातावरण बनता है। इस दौरान युवराज सिंह, रिंकू सिंह, अर्पित सिंह, अमन सिंह, रजत ठाकुर, राजन सिंह, अमन चौहान, मोहित सिंह, शिवम गंगवार व अन्य समाजजन उपस्थित रहे।

ब्राह्मण समाज ने किया शास्त्र और शस्त्र पूजन

परशुराम धाम पर विजयदशमी अवसर पर शास्त्र-शस्त्र पूजन करते ब्राह्मण समाज के सदस्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- परशुराम धाम में हुआ भव्य आयोजन, वक्ताओं ने समाज सेवा और संगठन पर दिया जोर

अमृत विचारः विजयदशमी पर्व के उपलक्ष्य में ब्राह्मण समाज द्वारा परशुराम धाम पर शास्त्र-शस्त्र पूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन की अध्यक्षता डॉ. विजय पाठक ने की।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने समाज की एकता, उत्थान और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर केके शुक्ला, डॉ. सत्य प्रकाश मिश्रा, अवधेश दीक्षित, रजनीश मिश्रा, लखीमू अग्निवेश गुप्ता, गोपाल शर्मा, राजकमल बाजपेई एवं संजय मिश्रा ने समाज सेवा और संगठन की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन कवि प्रशांत अग्निहोत्री ने अपनी ओजस्वी वाणी और प्रेरणादायी पंक्तियों से किया। इस आयोजन को सफल बनाने में संयोजक आलोक मिश्रा, सह संयोजक निर्विकल्प द्विवेदी, वरुण शुक्ला और गौरव अग्निहोत्री का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने संकल्प लिया कि वे समाज सेवा, शिक्षा, संस्कार और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में एकजुट होकर निरंतर योगदान देंगे। अंत में रवि मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया।

संगठन की मजबूती ही समाज की शक्ति

शाहजहांपुर, अमृत विचार : खिरनीबाग स्थित कार्यालय पर दशहरे के शुभ अवसर पर अखिल भारत हिंदू महासभा के जिला अध्यक्ष अजय ठाकुर के नेतृत्व में शस्त्र पूजन किया गया। हर वर्ष की भांति इस बार भी विधिवत पूजन के बाद संगठन के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया गया। जिलाध्यक्ष अजय ठाकुर ने कहा कि संगठन की मजबूती ही समाज की शक्ति है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संगठन संबंधी गतिविधियों में सक्रिय रहने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर संगठन को मजबूत बनाने की शपथ भी दिलाई गई। इस मौके पर प्रदेश मंत्री अग्निवेश गुप्ता, देवेश ठाकुर, प्रतीक तिवारी, रामप्रकाश गुप्ता, मुन्ना सिंह, गौरव ठाकुर, स्वदेश ठाकुर, अंकुर सिंह, अनुज सक्सेना, जगदीश साहू, अभय, दिनेश, सोनू गुप्ता और दीप ओमर सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रिलायंस पावर टाउनशिप में हुई दुर्गा पूजा संपन्न

शाहजहांपुर, अमृत विचारः रोजा पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड के टाउनशिप में दुर्गापूजा कार्यक्रम के अंतर्गत दशमी पूजा का आयोजन पूरे विधि विधान से किया गया जिसमें प्रातःकाल रोज़ा पावर के सभी कर्मचारी एवं अधिकारी गण अपने परिवार के साथ मां दुर्गा को पुष्प समर्पित कर बड़े ही श्रद्धाभाव से पूजन आदि कर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

महिलाओं ने सिंदूरोत्सव के साथ साथ एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। दोपहर में सभी ने बड़े ही प्रेम भाव से परिवार मित्रों के साथ मिलकर भोग ग्रहण किया। अपराह्न बेला में रोज़ा टाउनशिप के परिवारों ने हर्षोल्लास के साथ घंटा, शंख, ढोल आदि बजाते हुए मां दुर्गा एवं अन्य प्रतिमाओं का विसर्जन किया। इसके पश्चात बुराइयों के प्रति रावण के पुतले का दहन किया गया जिसे देखकर बच्चों के साथ बड़ों ने भी तालियां बजाकर ख़ुशी का इज़हार किया। सायंकालीन रंगारंग कार्यक्रम में डीजे नाइट का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं एवं पुरुषों के साथ बच्चों ने नृत्य कर आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में रोज़ा पावर के स्टेशन डायरेक्टर हृदय सिंह तोमर ने कार्यक्रम के संचालन में लगे सभी कर्मियों, आंचल लेडीज़ क्लब, ख़ुशी किड्स क्लब के सदस्यों, बच्चों एवं प्रतिभाग करने वाले सभी कलाकारों का आभार व्यक्त किया।

न्यूज ब्रीफ

संदिग्ध परिस्थितियों में छात्र लापता

भावलखेड़ा, अमृत विचार : रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के गांव रौसरकोठी निवासी सुधीर कुमार ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसका 17 वर्षीय पुत्र अक्षय राजकीय इंटर कालेज में कक्षा 12 में पढ़ता है। 29 सितंबर को वह घर से कालेज जाने के लिए निकला था। वह घर वापस नहीं लौटकर आया है। परिवार वालों ने उसकी रिश्तेदारी में तलाश की और पता नहीं चला है। पुलिस ने छात्र की गुमशुदगी दर्ज कर ली है। पुलिस छात्र की तलाश कर रही है।

सांड के हमले से महिला की मौत

शाहजहांपुर/मदनापुर, अमृत विचार : घर के बाहर गाय बांधते समय सांड ने महिला पर हमला कर दिया। घायल महिला की मेडिकल कालेज में मौत हो गयी। मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव ककरौआ निवासी मदनपाल की पत्नी 45 वर्षीय मीरादेवी मंगलवार की शाम पांच बजे घर के बाहर गाय बांध रही थी। अचानक सांड ने महिला पर हमला करके घायल कर दिया। घायल महिला को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। बुधवार की सुबह महिला की इलाज के दौरान मौत हो गयी। मृतका मीरा देवी के दो बेटे और एक बेटी है। मौत की खबर से परिवार में परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सुविधा शुल्क मांगने का लगाया आरोप

भावलखेड़ा : नगर निगम वार्ड संख्या 23 के पार्षद सिद्धार्थ शुक्ला ने डीएम को दिए गए पत्र में बताया कि क्षेत्र के लेखपाल जाति, आय, निवास प्रमाणपत्र एवं आवासों की जांच के नाम पर सुविधा शुल्क की मांग करते है। आरोप है कि सुविधा शुल्क न देने पर अपनी रिपोर्ट नहीं लगाते है। उनकी कई लोगों ने शिकायत की है। पार्षद ने मांग की है कि जांच करके कार्रवाई की जाए।

गांधी-शास्त्री जयंती और दशहरे का धूमधाम से आयोजन

- बच्चों ने प्रतियोगिताओं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जीता सभी का मन

शाहजहांपुर, अमृत विचारः आकांक्षा पब्लिक इंटर कॉलेज में गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के साथ ही दशहरे का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती उर्मिला सक्सेना और प्रधानाचार्य स्मिता सक्सेना ने महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर किया।

प्रधानाचार्य स्मिता सक्सेना ने गांधीजी और शास्त्रीजी के सादगीपूर्ण जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। वहीं प्रबंधक उर्मिला सक्सेना ने दोनों महापुरुषों के अतुलनीय योगदान की जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाषण, कविता और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

बच्चों ने सावित्रीबाई फुले, वीर सावरकर, भारत माता, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री और गांधीजी के तीन बंदरों का रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। इसी क्रम में दशहरे का पर्व भी मनाया गया। प्रबंधक उर्मिला सक्सेना ने बच्चों को बुराई पर अच्छाई की विजय का महत्व बताया। प्रधानाचार्य स्मिता सक्सेना ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों और रावण वध की कथा के माध्यम से बच्चों को सद्गुणों के पालन की सीख दी। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका श्रीमती संगीता तिवारी ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे।

धार्मिक स्थलों पर पुलिस फोर्स रहा तैनात

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- एसपी ने थाना प्रभारियों को अलर्ट रहने के दिए निर्देश

अमृत विचारः बरेली में बबाल को लेकर जुमे की नमाज को लेकर सुरक्षा की दृष्टि से धार्मिक स्थल के बाहर पुलिस फोर्स तैनात रहा। इसके अलावा संवदेनशील क्षेत्रों में पुलिस की गाड़ियां दौड़ती रही।

बरेली में बबाल को लेकर जिले को अलर्ट जारी किया गया है। एसपी राजेश द्विवेदी ने थाना प्रभारियों को अलट रहने के निर्देश के साथ क्षेत्र में बरामद भ्रमण करेंगे। पुलिस प्रशासन लोगों पर पैनी नजर रखे हुए है।

शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर प्रत्येक धार्मिक स्थल के बाहर पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया था। जब तक जुमे की नमाज अता नहीं हो गयी। पुलिस फोर्स धार्मिक स्थल के बाहर तैनात रहा।

शहर में सभी धार्मिंक स्थल पर पुलिस फोर्स तैनात रहा। इसके अलावा पुलिस की गाड़ियां संवेदनशील क्षेत्रों में बराबर राउंड करती रही। रामचंद्र मिशन, चौक कोतवाली, सदर बाजार और रोजा थाना प्रभारी अपने अपने क्षेत्र में बरामद राउंड करते रहे।

झोलाछाप के इलाज से युवक की मौत

संवाददाता, खुटार

- परिजनों ने गांव के ही झोलाछाप पर गलत इंजेक्शन लगाने का लगाया आरोप

अमृत विचारः क्षेत्र के गांव महोलिया वीरान में एक 28 वर्षीय युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई, जबकि परिजनों ने झोलाछाप पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। जिस पर झोलाछाप घर से फरार हो गया।

महोलिया वीरान गांव निवासी सिख फार्मर सुखपाल सिंह ने बताया कि उसका छोटा भाई गुरविंदर सिंह बुधवार को खेतों में काम कर रहा था। हल्का बुखार आने पर वह गांव में झोलाछाप के पास पहुंच और दवा ली जहां झोलाछाप द्वारा गुरविंदर सिंह के इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगने के कुछ मिनट बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी और मुंह से झाग गिरने लगे और बेसुध हो गया। मौके पर पहुचे अन्य परिजनों ने गुरविंदर सिंह को गंगसरा निजी चिकित्सक के यहां लेकर पहुंचे लेकिन उसकी हालत बिगड़ती चली गई। परिजन गंगसरा से शाहजहांपुर व शाहजहांपुर से बरेली लेकर पहुंचे लेकिन गुरविंदर सिंह ने दम तोड़ दिया।

उसके बाद परिजन गुरविंदर सिंह के शव को बरेली से घर ले आए और क्षेत्र के सैकड़ों सिख फार्मर झोलाछाप के घर पहुंचे और दवा के बारे में जानकारी लेनी चाही लेकिन झोलाछाप घर से फरार हो गया। जिस पर पास पड़ोस के सैकड़ों सिख फार्मरों ने गांव में हंगामा किया। सिख फार्मरों का कहना था कि इससे पूर्व भी यह झोलाछाप दो लोगों को गलत इंजेक्शन लगाने से जान ले चुका है। मृतक गुरविंदर सिंह अपने पीछे मां व्यन्त कौर, पत्नी रुपिंदर कौर, बहन लवजीत कौर, भाई सुखपाल सिंह व एक वर्षीय बेटे को रोता बिलखता छोड़ गया। परिजनों ने बताया कि गुरविंदर सिंह ही घर की खेती बाड़ी का काम करता था और बहन लवजीत कौर की शादी दिसंबर में उसे करनी थी। परिजनों का कहना था कि आखिर लवजीत कौर की शादी अब कैसे होगी।

गांधी जयंती पर फुटबॉल मैच का आयोजन

शाहजहांपुर, अमृत विचारः गांधी जयंती के अवसर पर जीएफ कॉलेज ग्राउंड में फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। यह मैच कैंट एकता क्लब और एसएसएमवी स्कूल की टीमों के बीच खेला गया।

मैच का शुभारंभ छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष गजेंद्र गंगवार ने दोनों टीमों से परिचय प्राप्त कर किया। मैच की शुरुआत होते ही एकता क्लब के खिलाड़ी शुभम ने खेल के महज दो मिनट बाद पहला गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। मध्यांतर तक दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर कई बार अटैक किया लेकिन कोई भी गोल करने में सफल नहीं हो सका। मध्यांतर के बाद एसएसएमवी स्कूल के कप्तान अक्षय श्रीवास्तव ने शानदार गोल कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया।

लग रहा था कि मैच ड्रॉ हो जाएगा लेकिन अंतिम क्षणों में एसएसएमवी स्कूल के खिलाड़ी शिवांश ने निर्णायक गोल दागकर टीम को जीत दिला दी। मैच के बाद गजेंद्र गंगवार ने दोनों टीमों को बधाई दी और खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

जेल में पहली बार हुआ रामलीला मंचन

- बंदियों के मनोरंजन व मानसिक तनाव दूर करने की अनूठी पहल
- सीता स्वयंवर व धनुष भंग की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं

शाहजहांपुर, अमृत विचारः शाहजहांपुर जेल के इतिहास में पहली बार जेल के अंदर भव्य रामलीला का मंचन किया गया। वर्ष 1870 में ब्रिटिश काल में स्थापित इस जेल में बंदियों के स्वास्थ्य, मनोरंजन एवं उन्हें तनाव व अवसाद से दूर रखने के उद्देश्य से यह विशेष आयोजन किया गया।

रामलीला में मां सीता स्वयंवर, धनुष भंग और परशुराम-लक्ष्मण संवाद की झांकियों का जीवंत मंचन किया गया। कलाकारों की प्रभावशाली प्रस्तुति देखकर बंदियों के चेहरे खिल उठे और उन्हें धार्मिक व सांस्कृतिक माहौल का अनुभव हुआ। यह कार्यक्रम आदर्श दिव्यांग कल्याण समिति के अध्यक्ष हरि शरण बाजपेई व नीरज बाजपेई के सौजन्य से नव कल चेतना परिषद के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। वरिष्ठ जेल अधीक्षक मिजाजीलाल ने रामलीला के समापन पर सभी कलाकारों एवं व्यवस्थापकों को सम्मानित किया और समिति तथा परिषद का आभार जताया।

बंदियों ने भी इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए वरिष्ठ जेल अधीक्षक का धन्यवाद किया और कहा कि उनके कार्यकाल में जेल का वातावरण सकारात्मक व संस्कारयुक्त हुआ है, विशेष रूप से गरीब व जरूरतमंद बंदियों की देखभाल का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

अचानक पहुंचे प्रेमिका के परिजनों ने युवक को धुना

पुवायां, अमृत विचारः प्रेमी से मिलने पहुंची प्रेमिका के परिजनों ने अचानक घर पर धावा बोलकर युवक को जमकर पीटा। इस बीच युवक गंभीर घायल हो गया। पीड़ित ने शिकायत करते हुए ईंटों से हमलाकर सिर कूचकर जान से मारने के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है।

जनपद पीलीभीत के थाना घुंघचिहाई के गांव कबीरपुर निवासी सुनील ने पुलिस को बताया कि उसका नगर की युवती से प्रेम प्रसंग था। सितंबर में दोनों का कोर्ट मैरिज हो चुका है। शुक्रवार दोपहर प्रेमिका उसके कमरे पर खाना देने के लिए पहुंची थी, इस बीच अचानक उसके परिजन वहां आ गए और युवक पर हमला कर दिया। युवक ने बताया कि लोगों ने ईंटों से उस पर हमला करते हुए उसका सिर कूचकर हत्या का प्रयास किया। एक ने पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। युवक ने तहरीर देते हुए दोषियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है।

झूठी रिपोर्ट पर कटरा में सफाई कर्मचारियों ने नहीं किया कार्य

शाहजहांपुर, अमृत विचारः कटरा में बंच केबिल चोरी के मामले में फंसे नगर पंचायत के ट्रैक्टर चालक को निर्दोष बताते हुए काम बंद हड़ताल की चेतावनी देते हुए बुधवार को सफाई कार्य नहीं किया। नगर पंचायत के सभासद पति विनीत कुमार एवं समाज सेवी गौरव सागर के नेतृत्व में सफाई कर्मचारी कटरा थाना पर पहुंचे और प्रभारी निरीक्षक जुगुल किशोर से मिले। सफाई कर्मचारियों और सभासद पति ने प्रभारी निरीक्षक से कहा कि बंच केबिल के बंडल की दर्ज चोरी की रिपोर्ट निरस्त की जाए। सफाई कर्मचारियों ने कहा कि फर्जी मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा स्पंज नहीं किया गया तो सफाई कर्मचारी काम बंद हड़ताल पर चले जाएंगे, जिसके लिए पुलिस प्रशासन जिम्मेदार होगा। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि काम पर जाए और निर्दोष लोगों को जेल नहीं भेजा जाएगा।

भगवा वस्त्र पहने व्यक्ति दूसरे धर्म का निकला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- शक होने पर लोगों ने पकड़ लिया था, पुलिस कर रही पूछताछ

अमृत विचारः शहर में लोगों ने भगवा वस्त्र पहने दो बाबाओं को पकड़ा है। दोनों बाबाओं को पकड़कर सदर बाजार थाना में ले गयी। एक बाबा ने अपना नाम शराफत बताया है। पुलिस दोनों बाबाओं से पूछताछ कर रही है। दोनों बाबा चिनौर गांव में घूमते हुए पकड़े गए थे।

सदर बाजार थाना क्षेत्र में चिनौर गांव में बुधवार की दोपहर बाद दो बाबा भगवा वस्त्र पहनकर घूम रहे थे। दोनों बाबा लोगों को गुमराह करके गांव में भीख मांग रहे थे। गांव वालों को दोनों बाबाओं पर कुछ शक हुआ। गांव वालों ने दोनों बाबाओं को पकड़ लिया और पूछताछ की। एक बाबा ने अपना नाम शराफत बताया है। उसने कहा कि रोजा थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है। पूछताछ के दौरान ने बताया कि चार महीने से बाबा बन गया है। उसने अपने दूसरे साथी बाबा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि उसने उसके कपड़े फाड़ दिए थे। फिर उसने भगवा वाले कपड़े पहन लिए थे। गांव वालों ने सदर बाजार थाना को सूचना कर दी।

पुलिस दोनों बाबाओं को थाना ले गयी। प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह ने बताया कि दोनों बाबाओं से पूछताछ की जा रही है और पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बजट का इंतजार

विधानसभा और संसदीय क्षेत्र स्तर पर कराई जानी हैं खेल प्रतियोगिताएं

ऐसे तो गांवों के युवा खिलाड़ियों को नहीं मिल पाएगी नई पहचान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर।

- युवा कल्याण विभाग को प्रतियोगिता कराने के लिए बजट ही नहीं मिला
- विधायक खेल स्पर्धा 21 सितंबर से 31 अक्तूबर 2025 के मध्य कराने के निर्देश

निदेशालय स्तर से प्रतियोगिता कराने के लिए कैलेंडर जारी कर दिया गया है, लेकिन अभी बजट प्राप्त नहीं हुआ है। इससे खेत स्पर्धा शुरू कराने में अभी विलंब हो रहा है। -सतेंद्र कुमार, प्रभारी युवा कल्याण अधिकारी

अमृत विचारः गांवों के युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा युवा कल्याण विभाग द्वारा कराई जाने वाली खेल प्रतियोगिताओं के पैटर्न में व्यापक स्तर पर बदलाव किए जा चुके हैं, लेकिन इसका लाभ अभी तक युवा खिलाड़ियों को मिलता नजर नहीं आ रहा है।

विधानसभा स्तर पर कराई जाने वाली विधायक खेल स्पर्धा कराने का समय 21 सितंबर से 31 अक्तूबर 2025 तक निर्धारित किया जा चुका है, लेकिन एक पखवाड़ा बीतने पर भी खेल स्पर्धा कराने के लिए विभागीय स्तर पर सुगबुगाहट तक नहीं हो रही है। इसके कारणों के बारे में विभागीय अधिकारी बताते हैं कि शासन स्तर से जिला युवा कल्याण विभाग को अभी तक बजट जारी नहीं किया गया है, जिससे प्रतियोगिता शुरू कराने में विलंब हो रहा है। इन हालात में तो शासन द्वारा निर्धारित विधायक खेल स्पर्धा कराने की अवधि कम होती जा रही है।

पहले उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग की विकास खंड, जनपद, जोन और राज्य स्तर पर आठ खेल विधाओं में एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, बालीवाल, फुटबाल, भारोत्तोलन, जूड़ो एवं बैडमिंटन में महिला-बालिका और पुरुष-बालक श्रेणी में ग्रामीण खेल प्रतियोगिता कराई जाती थी, लेकिन अब विधानसभा क्षेत्र स्तर और संसदीय क्षेत्र स्तर पर खेल प्रतियोगिता कराई जाएंगी। विधानसभा क्षेत्र स्तर पर विधायक खेल स्पर्धा कराई जाएगी, जबकि संसदीय क्षेत्र स्तर पर सांसद खेल स्पर्धा होगी। इसके साथ खेलों में विधायक और सांसदों की भूमिका जुड़ जाएगी, जिससे खेल स्पर्धा में लोगों का सहज जुड़ाव होने के साथ ही युवाओं को खेल में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिलने के साथ ही उनकी खेल प्रतिभा को निखारने, अनुशासन और खेल भावना का विकास करने में मदद मिलेगी। खेल विभाग और युवा कल्याण विभाग को मिलकर प्रतियोगिता कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला स्तर पर डीएम की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है, जिसमें क्रीड़ाधिकारी सदस्य सचिव, जिला युवा कल्याण अधिकारी, क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक व बीएसए सदस्य रहेंगे। इसी तरह विधायक खेल स्पर्धा के लिए सबसे बड़ी तहसील के एसडीएम की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। विधायक खेल स्पर्धा के विजेता खिलाड़ियों को जनपद स्तर पर सांसद खेल स्पर्धा में प्रतिभाग कराया जाएगा। सांसद खेल स्पर्धा के विजेता खिलाड़ियों को जोन स्तर की स्पर्धा में प्रतिभाग करने का मौका मिलेगा।

जोन स्तर की प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को युवा कल्याण विभाग द्वारा कराई जाने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग कराया जाएगा। इस तरह छोटे से गांव का खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन करके राज्य स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करके अपने सपनो को ऊंची उड़ान दे सकता है। इच्छुक खिलाड़ियों द्वारा युवा साथी पोर्टल पर विधायक खेल स्पर्धा में प्रतिभाग करने के आनलाइन पंजीकरण किया जा रहा है।

खेल प्रतियोगिता के लिए घोषित तिथियां

निदेशालय ने खेल प्रतियोगिता के लिए तिथियां घोषित कर दी हैं, जिसके अनुसार विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन 21 सितंबर से 31 अक्तूबर 2025 के मध्य कराया जाएगा। सांसद खेल स्पर्धा एवं जनपद स्तरीय टीम के लिए ट्रायल एक नवंबर से 25 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा। जोन स्तर पर 27 दिसंबर से 10 जनवरी 2026 तक प्रतियोगिता कराई जाएगी। राज्य स्तर पर 20 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक प्रतियोगिता कराई जाएगी।

नाले में मिला लापता पूर्व प्रधान का शव

संवाददाता, तिलहर/शाहजहांपुर

- चार दिन से थे लापता, परिवार ने जताई हत्या की आशंका
- चीनी मिल के पास नाले में पड़ा मिला शव, फॉरेसिंक टीम ने की जांच

अमृत विचार : तिलहर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब तिलहर चीनी मिल के पास नाले में एक शव पड़ा मिला। मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकलवाकर शिनाख्त करायी, जिसमें मृतक की पहचान चार दिन से लापता पूर्व प्रधान वीरेंद्र सिंह यादव (60) निवासी मोहल्ला बहादुरगंज, तिलहर के रूप में हुई।

मूल रूप से शिवनगरा, जैतीपुर निवासी वीरेंद्र सिंह यादव 29 सितंबर की शाम घर से निकले थे और वापस नहीं लौटे थे। उनके बेटे राजवीर ने पिता की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। शुक्रवार सुबह शव मिलने की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर सीओ ज्योति यादव, प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस लाइन से फोरेसिंक टीम भी बुलाई गई, जिसने मौके से नमूने एकत्र किए। मृतक के बेटे राजवीर ने मौके पर शव की शिनाख्त की और हत्या की आशंका जताई।

परिवार के सदस्य राजवीर, सत्यवीर, कृष्णा और रामा का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अभी तक परिवार की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रावण के पुलता दहन के दौरान हादसा टला

पीलीभीत, अमृत विचार: शहर के रामलीला मैदान पर चल रहे श्रीरामलीला महोत्सव में रावण वध लीला के बाद गुरुवार रात हादसा टल गया। बड़ी संख्या में भीड़ जुटी हुई थी। रावण वध लीला के बाद परिसर में ही रावण के विशाल पुतले का दहन किया गया था।

इस दौरान हनुमान के स्वरुप में कलाकार पुतले के पास था। उस पर आतिशबाजी गिर गई। जिससे उसके पहने हुए कपड़े ने आग पकड़ ली। इसी बीच परिसर में मौजूद दमकमलकर्मी/लीड फायरमैन आविद अली दौड़े और अपने हाथ से कपड़ों में लगी आग को न सिर्फ बुझाया बल्कि कलाकार को भी सुरक्षित दूर लेकर पहुंचे। बताते हैं कि इस दौरान दमकलकर्मी का हाथ भी झुलस गया है। मामले का कुछ दर्शकों ने वीडियो बना लिया, जोकि शुक्रवार को वायरल होता रहा।

उधर, बीसलपुर में चल रहे रामलीला मेले में भी हादसा हुआ। मिक्की माउस झूले में अचानक आग लग गई। परिसर में मौजूद लोग भागने लगे। दमकल टीम ने आग पर काबू किया। बताते हैं कि मोहल्ला दुर्गाप्रसाद निवासी युवक ने मेले में मिक्की माउस झूला लगाया है। रोज की तरह शुक्रवार सुबह उसमें हवा भरकर चालू किया और अचानक आग लग गई। इसमें करीब डेढ़ लाख का नुकसान बताया है। हालांकि हादसे के वक्त झूले पर बच्चे नहीं थे।

सड़क दुर्घटनाओं में मां-बेटी समेत तीन की मौत, तीन लोग घायल

बरेली मोड़ पर डंपर से दबकर मां-बेटी और अल्हागंज में कार पुलिया से टकराने से एक की गई जान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जिले में अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटनाओं में मां-बेटी समेत तीन लोगों की मौत हो गयी। जबकि दो युवक घायल हो गया। बरेली मोड़ पर डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी और मां-बेटी की दबकर मौत हो गयी। उसके पति का दोस्त घायल हो गया। अल्हागंज थाना क्षेत्र कार पुलिया से टकरा गयी और कार में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गयी और बेटा घायल हो गया। पुलिस ने डंपर को पकड़ लिया और चालक भाग गया।

रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के मोहल्ला दलेलगंज निवासी 40 वर्षीय स्वाति गुप्ता पत्नी हिमांशु गुप्ता अपनी 5 वर्षीय बेटी आमना गुप्ता को लेकर अपने पति के दोस्त प्रमोद कश्यप निवासी रोशनगंज चौक कोतवाली की बाइक पर बैठकर शुक्रवार की दोपहर बाद कांट रोड पर खाटू श्याम मंदिर जा रही थी। बरेली मोड़ से कुछ दूरी पर मंदिर के सामने कांट की ओर जा रहे डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार स्वाति गुप्ता और उसकी बेटी आमना गुप्ता की डंपर से दबकर मौत हो गयी। जबकि प्रमोद कश्यप घायल हो गया। बाइक क्षतिग्रस्त हो गयी। इस दौरान लोगों ने डंपर का पीछा किया तो चालक डंपर खड़ा करके मौका पाकर भाग गया। इस दौरान लोगों की भीड़ लग गयी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घायल को मेडिकल कालेज भेज दिया और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शोकाकुल परिजन। ● अमृत विचार

मृतका स्वाति गुप्ता मृतका आमना गुप्ता

अल्हागंज में हुई घटना में क्षतिग्रस्त कार।

अल्हागंज: फर्रुखाबाद-कटरा हाईवे पर शुक्रवार की सुबह कोयला गांव के सामने कार अचानक पुलिया से टकरा गयी। कार में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और उसका बेटा घायल हो गया। हमीरपुर जिले के गांव अतरौली निवासी 70 वर्षीय आशाराम अपने बेटे भगवानदास और पौत्र राजेंद्र के साथ शुक्रवार की रात डेढ़ बजे हमीरपुर से बरेली की ओर जा रहे थे। उसका बेटा भगवान दास कार चला रहा था।

कटरा-फर्रुखाबाद मार्ग पर असंतुलित होकर कार पुलिया से टकरा गई, जिससे आशाराम, उसका बेटा भगवानदास व पोता राजेंद्र घायल हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को सीएचसी पर भेज दिया। जहां डॉक्टर ने आशाराम को मृत घोषित कर दिया। उसके बेटे और पोता को मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि कार पुलिया से टकरा गयी थी।

रुपये निकालने आया बुजुर्ग बेसुध मिला, नकदी गायब

बरखेड़ा, अमृत विचार: घर से रुपये निकालने के लिए बैंक आया बुजुर्ग बेसुध हालत में पड़ा मिला। बैंक से निकाले गए युवक भी गायब थे। ऐसे में नशा देकर नकदी लूटने का मामला प्रतीत हो रहा है। बुजुर्ग को अस्पताल में भर्ती कराकर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम परेवा अनूप के रहने वाले उमेश कुमार ने बताया कि उनके पिता 90 वर्षीय ज्वाहरलाल शुक्रवार को कस्बा बरखेड़ा बैंक से रुपये निकालने के लिए आए थे। बताते हैं कि उन्होंने बैंक से करीब 38 हजार रुपये निकाले और घर जा रहे थे। काफी देर बाद वह बेसुध हालत में पतरसिया गांव के पास बेसुध हालत में पड़े मिले। जानकारी मिलने पर पुलिस पहुंची और जानकारी की। बुजुर्ग को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नकदी गायब होने से मामला लूट का प्रतीत हो रहा है। ऐसे में पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने बैंक पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज भी चेक की। जिसमें दो व्यक्ति संदिग्ध के तौर पर बुजुर्ग के पीछे लगे हुए दिखाई दिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पूरी तरह स्थिति स्पष्ट करने के लिए बुजुर्ग के होश में आने का इंतजार है।

● एक निजी अस्पताल में कराया भर्ती, चल रही छानबीन

ऊंची कूद में कपिल प्रथम गोविंद दूसरे स्थान पर

ऊंची कूद में प्रतिभाग करता छात्र। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: मरौरी ब्लाक क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय भिलैइया गांवखेड़ा में शुक्रवार को एक दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताएं कराई गई।

प्राथमिक स्तर की बालिका वर्ग की 100 और 200 मीटर दौड़ में दीक्षा प्रथम, संतोषी द्वितीय, स्थान पर रही। चक्का फेंक और गोला फेंक में सारिका प्रथम, वंदना द्वितीय, ऊंची कूद में दीक्षा प्रथम, संतोषी द्वितीय, लंबी कूद में नीतू प्रथम, संतोषी द्वितीय, स्थान पर रहीं। बालक वर्ग की 100 और 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता हुई, जिसमें वंश प्रथम, कपिल द्वितीय, 400 मीटर में नीलेश प्रथम, गोविंद द्वितीय, 600 मीटर दौड़ में गोविंद प्रथम, राहुल द्वितीय स्थान पर रहे। चक्का फेंक और गोला फेंक में वंश प्रथम, नीलेश द्वितीय, ऊंची कूद में कपिल प्रथम, गोविंद द्वितीय स्थान पर रहे। प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग की 50 मीटर दौड़ में दीपिका प्रथम और दिव्यानी द्वितीय, 100 मीटर दौड़ में दीपिका प्रथम ,दृष्टि द्वितीय, स्थान पर रही।

लंबी कूद में दीपिका प्रथम, बालक वर्ग में पर 50 मीटर दौड़ में आदित्य प्रथम, दिनेश द्वितीय, 100 मीटर में आदित्य प्रथम और दिनेश द्वितीय, 400 मीटर आदित्य प्रथम और अनुज द्वितीय, लंबी कूद में आदित्य प्रथम और दिनेश द्वितीय रहे।

मुख्य निर्णायक समिति में लाल करन और सुशील कुमार दिनकर रहे। इस मौके पर प्रधानाध्यापक श्याम लाल, नीतू गंगवार, सुनील भारती, अजय पाल शर्मा, ललित कुमार, सुमन, तारावती, ओमवती, देवकी आदि मौजूद रहे।

धान किसानों को 200 रुपये प्रति क्विंटल मिले बोनस

पूरनपुर एसडीएम को ज्ञापन देते भाकियू अराजनैतिक कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिला अध्यक्ष मंजीत सिंह के नेतृत्व में किसानों की समस्याओं को लेकर कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन शुक्रवार को पूरनपुर एसडीएम अजीत प्रताप सिंह को सौंपा। जिसमें बताया कि धान किसानों को धान की फसल तैयार करने में लागत अत्यधिक आ रही है।

विगत कुछ वर्षो से धान की फसल में विभिन्न प्रकार के कीटों का प्रकोप बढ़ गया है। धान की फसल में फंगस का प्रकोप भी अधिक है। धान की फसल को तैयार करने में खाद, जिंक, जैम, पेस्टीसाइड, हर्बीसाइड्स, श्रमिकों की मजदूरी, डीज़ल, कृषि यंत्रों की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि होने के कारण फसल में नुकसान झेलना पड़ रहा है।

दूसरी तरफ लागत के हिसाब से धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य बहुत कम है।इन सब धान किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य के अलावा धान किसानों को 200 रुपए प्रति कुंतल बोनस घोषित करने की मांग की गई। इस मौके पर कुलवंत सिंह सोनी, सर्वेश कुमार, बलजीत सिंह, रामगोपाल वर्मा,पवन कुमार वर्मा, कपिल यादव,ननकू यादव,हरेराम, जगपाल आदि मौजूद रहे।

युवती को किया अगवा, भाई पर किया हमला

पीलीभीत,अमृत विचार: थाना गजरौला क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी तीन पुत्रियां है। वह अपने परिवार के साथ उत्तराखंड के रूद्रपुर में किराए के मकान में रहकर काम करती हैं। 22 सितंबर को उसकी पुत्री कमरे से सैलरी लेकर घर आ रही थी।

इस दौरान पीलीभीत पहुंचने पर थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम बरी निवासी राधे शर्मा, शांतिस्वरूप शर्मा,अंकित,विकास शर्मा ने उसकी पुत्री को अगवा कर लिया। जब इस घटना की जानकारी उसको हुई तो उसका पुत्र आरोपियों के घर गया।

इस पर आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों का सहयोग रीना शर्मा और जयंती देवी भी शामिल थी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

गन्ना मूल्य 500 रुपये क्विंटल की मांग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन भानू की जिला स्तरीय मासिक पंचायत शुक्रवार को मंडी समिति स्थित कृषक विश्राम गृह में जिलाध्यक्ष भजनलाल क्रोधी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस दौरान डीएम को संबोधित मांग पत्र नायब तहसीलदार सदर परितोष द्विवेदी को सौंपा गया। जिला उपाध्यक्ष बाबूराम वर्मा की पैमाइश संबंधी शिकायत का निस्तारण ना होने पर रोष जताया गया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि पूर्व में दिए गए ज्ञापन पर कार्रवाई न होने से संगठन में रोष है। इसे बर्दाश्त नहीं कयिा जाएगा। जिले का किसान परेशान है। गन्ने का बकाया मूल्य भुगतान तत्काल दिलवाया जाए। लागत के अनुसार गन्ना मूल्य 450 से 500 रुपये प्रति क्विंटल होना चाहिए। जिला उपाध्यक्ष बाबू राम वर्मा ने कहा कि तहसील अमरिया में भ्रष्टाचार चरम पर है। इसे तत्काल प्रभाव से रोका जाए और किसानों को सरकार की लाभकारी योजना का लाभ दिलाया जाए। तहसील अध्यक्ष सदर नंदकिशोर राठौर ने कहा कि पीलीभीत तहसील में किसानों से सुविधा शुल्क लिया जाता है। अंश निर्धारण,घरौंनी, चक रोड मेड़बंदी जैसे कार्यों में बिना शुल्क दिए कोई काम नहीं होता। इस पर अंकुश लगाया जाए। जिला उपाध्यक्ष एवं प्रकाश राजपूत ने गोशालाओं की स्थिति में सुधार कराने की मांग रखी। धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने पात्रों को आवास की सुविधा दिलाने पर जोर दिया। इस मौके पर दीनदयाल शास्त्री, संजय दीक्षित, शेखर दीक्षित, योगेश अवस्थी, सुखलाल गंगवार, रामचंद्र राजपूत, बालमुकुंद प्रजापति, निसार शाह, अरुण अवस्थी, ओम प्रकाश मौर्य, रामबहादुर पाल, प्रवेश पाल, बेणीराम मौर्य, ओमकार गंगवार, कुंज बिहारी गंगवार आदि मौजूद रहे।

भाकियू भानू की पंचायत में मौजूद कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● भाकियू भानू ने पंचायत कर सौंपा मांग पत्र

युवती की वीडियो सोशल मीडिया पर की वायरल

पीलीभीत, अमृत विचार: थाना गजरौला क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका मोबाइल घर पर था। इस पर एक कॉल आई। फोनकर्ता ने उसके मोबाइल नंबर पर वीडियो कॉल करते हुए उसकी बहन से बातचीत की। उसकी बहन से शादी करने का दबाव बनाया। मना करने पर आरोपी ने फोटो एडिट कर पर वायरल करने की धमकी दी। जानकारी पर पता चला कि आरोपी का नाम सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बेनी चौधरी निवासी दानिश है। आरोपी के घर जाकर शिकायत की तो आरोपी के परिजनों ने माफी मांगते हुए दोबारा ऐसी गलती न करने की बात कही। इसके बाद 30 सितंबर को आरोपी ने उसकी बहन के फोटो वायरल कर दिए। एक अक्टूबर को फोन करके दोबारा वीडियो वायरल की धमकी दी। एसओ गजरौला बृजवीर सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

देवस्थान और तालाब की जमीन पर कब्जा

बिलसंडा, अमृत विचार: क्षेत्र के गांव सिंधौरा खरगपुर में तालाब और देवस्थान की भूमि पर कब्जा कर लिया गया। पूर्व में शिकायत के बाद कब्जे को हटवाया गया था, लेकिन पुनः कब्जा होने पर दोबारा एसडीएम से शिकायत की गई है।

एसडीएम से की गई शिकायत में ग्रामीणों ने बताया कि गांव में ही कुछ भूमि तालाब और देवस्थान के नाम दर्ज है। चार वर्ष पूर्व गांव के ही कुछ लोगों ने उक्त भूमि पर कब्जा कर लिया था। जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से कर कब्जा हटाने की मांग की थी।जिसके बाद फरवरी 2021 में तत्कालीन तहसीलदार द्वारा भूमि को कब्जा मुक्त करा दिया गया।आरोप है कि तालाब और देवस्थान की जमीन पर पुनः कब्जा कर लिया गया और उसमें जुताई कर धान की फसल वो दी है। शिकायत करने वालों में ग्राम प्रधान संतोषी देवी, श्याम मोहन, जयदेव, रामानंद मिश्रा, नन्हेलाल, आनंद शुक्ला, कृष्ण कुमार आदि थे। एसडीएम नागेंद्र पांडेय ने कहा जांच कराई जाएगी।

किशोरी को अगवा करने का आरोपी दोषमुक्त, न्यायालय का फैसला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● छह साल पहले पूरनपुर क्षेत्र में हुई थी घटना

● विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट ने सुनाया फैसला

अमृत विचार: किशोरी को अगवा करने के छह साल पुराने मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाया। दोनों पक्षों को सुनने और पत्रावली का परिशीलन करने के बाद विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट त्रिभुवन नाथ पासवान ने आरोपी को दोषमुक्त कर दिया है। कोतवाली पूरनपुर में क्षेत्र के एक व्यक्ति ने तहरीर 20 मई 2019 को रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें बताया कि 19 मई 2019 को ग्राम ढक्का चांट का निवासी रतन मंडल पुत्र शंकर मंडल अपने साथी तपन हलधर और भाई पंकज मंडल के सहयोग से उसकी चौदह वर्षीय बहन को अगवा कर ले गया है। कई जगह तलाश करने के बाद भी बहन का कुछ पता नहीं चल सका।आरोपियों द्वारा ले जाने की बात पता चली। पुलिस ने विवेचना शुरू की। किशोरी को बरामद कर उसके कोर्ट में बयान कराए गए। विवेचना के बाद अभियुक्त रतन मंडल के खिलाफ धारा 363,366 आईपीसी और पॉक्सो एक्ट के तहत आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया। मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट त्रिभुवन नाथ पासवान की अदालत में हुई। दोनों पक्षों को सुनने और पत्रावली का परिशीलन करने के बाद न्यायालय ने आरोपी रतन मंडल को दोषमुक्त कर दिया है।

बीए की छात्रा से दुष्कर्म का आरोपी दोषमुक्त

पीलीभीत : सदर कोतवाली क्षेत्र के बीए की छात्रा से दुष्कर्म करने के आरोपी मोहल्ला गोपाल सिंह निवासी अरशद हुसैन पुत्र मोहम्मद जफर को दोषमुक्त किया गया। बता दें कि क्षेत्र की एक 17 वर्षीय किशोरी ने कोतवाली सदर में नौ नवंबर 2021 को रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें बताया कि करीब चार साल पहले उसकी आरोपी अरशद से मुलाकात हुई। कुछ समय बाद आरोपी ने जबरन शारीरिक संबंध बनाए। वीडियो फोटो आपत्तिजनक बना लिए और उसे लेकर ब्लैकमेल करता रहा। हर माह दस -पांच हजार रुपये ले जाता था। तीन मोबाइल भी पीड़िता के छीन चुका है। जब उसकी बात न मानने को कहा तो तेजाब से हमला करने की धमकी दी। प्रताड़ना से तंग आकर एक बार खुदकुशी करने की कोशिश भी कर चुकी है। आरोप था कि धर्म परिवर्तन का भी उस पर दबाव बनाया जा रहा है। विवेचना के बाद पुलिस ने धारा 376,384,392 आईपीसी और पॉक्सो एक्ट के तहत आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई के बाद विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट त्रिभुवन नाथ पासवान ने अभियुक्त को दोषमुक्त कर दिया है।

सीएमओ बोले

पहले से बीमार चल रहे थे मरीज, कोई ब्लड प्रेशर तो कोई सेप्टीसीमिया से था ग्रसित

डेथ ऑडिट का हवाला, डेंगू से नहीं हुई चार ग्रामीणों की मौत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● जांच में अब तक कोई नहीं मिला डेंगू-मलेरिया और टाइफाइड का मरीज

● गंदगी की वजह से संक्रमण फैलने का अंदेशा, टीमें कर रही कार्य

अमृत विचार : बीसलपुर तहसील क्षेत्र के रसिया खानपुर गांव में बुखार से नवजात समेत चार लोगों की मौत के बाद स्वास्थ्य महकमे में खलबली मची रही। टीम ने गांव पहुंचकर मरने वालों का डेथ ऑडिट किया। साथ ही मृतकों के परिजन और ग्रामीणों की जांचें की। अब स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि मरने वाले चार लोगों की मौत डेंगू से नहीं हुई है, बल्कि वह पहले से बीमारियों से ग्रसित चल रहे थे। जिस वजह से उनकी मौत हुई है। सीएमओ का कहना है कि गांव में गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। जिससे संक्रामक बीमारियां पनप सकती हैं, लेकिन अभी तक कोई पॉजिटिव केस सामने नहीं आया है।

बता दें कि बीसलपुर तहसील क्षेत्र के गांव रसयाखानपुर निवासी रामआसरे की 42 वर्षीय पत्नी सुनीता देवी, गांव के नाजिम हुसैन के चाचा 75 वर्षीय चाचा इजरातुल्ला चिश्ती और शौकत हुसैन की 24 वर्षीय बहन तसरुम और सात दिन पहले जन्मे एक नवजात की मौत हो गई थी। यह मौतें 19 सितंबर से एक अक्टूबर के बीच हुई है, जबकि इसी गांव में करीब 100 से अधिक ग्रामीण बुखार से ग्रसित चल रहे हैं।

> रसिया खानपुर गांव में चार लोगों की मौत का ऑडिट कराया गया था। ऑडिट में किसी की भी मौत डेंगू नहीं हुई है। अन्य ग्रामीण और मृतकों के परिजनों की जांच भी कराई गई। जिसमें अभी तक कोई भी डेंगू, मलेरिया और टायफाइड का मरीज सामने नहीं आया है। गांव में लगातार टीमें काम कर रही है। बुखार पीड़ितों को दवा मुहैया कराई जा रही है।लोगों से अपील है कि वह साफ सफाई का विशेष ख्याल रखें।क्योंकि यह मौसम वायरल का चल रहा है।
>
> **-डॉ. आलोक कुमार,** सीएमओ

फजीहत के बाद दौड़े जिम्मेदार, कराई सफाई

रसिया खानपुर गांव में मौतों के बाद बुखार को शोर मचा और गंदगी को लेकर लापरवाही के आरोप लगाए गए। इसे लेकर खासा फजीहत भी हुई। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की सूचना पर पंचायती राज विभाग भी अलर्ट हो गया। स्वयं डीपीआरओ रोहित भारती गांव पहुंचे। उन्होंने गंदगी को साफ कराने के लिए गांव में 10 से 12 कर्मचारियों की टीम लगाई। इधर, मलेरिया विभाग की ओर से फॉगिंग और एंटी लार्वा दवा का छिड़काव कराया जा रहा है। ताकि संक्रमण को नियंत्रण रखा जा सके। बताते हैं कि इस गांव में तैनात सफाई कर्मी को निलंबित कर दिया गया था। जिसके बाद गांव में तैनाती नहीं हो सकी थी। वैकल्पिक तौर पर कर्मचारियों को संबद्ध कर वहां सफाई कार्य कराया जा रहा है।

इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची। जहां मृतकों के घर जाकर उनकी हिस्ट्री खंगाली तो पता चला कि सभी पहले से बीमारी चल रहे थे। रामआसरे की पत्नी सुनीता देवी जिनकी मृत्यु 19 सितंबर को एक निजी अस्पताल में हुई थी। डेथ ऑडिट में सीएमओ डॉ. आलोक कुमार के अनुसार वह लंबे अरसे से बीमार चल रही थी। उनके परिजनों ने बताया कि वह ब्लड प्रेशर की मरीज थी। जिसकी लगातार दवा खा रही थी। इस दौरान ही उन्हें बुखार आ गया था। जिसके बाद उनकी मौत हो गई। हालांकि मौत से पहले उनकी कोई भी डेंगू की जांच नहीं हुई है। इसी तरह नाजिम हुसैन चिश्ती ने बताया कि उनके चाचा इजरा तुल्ला चिश्ती भी डायबिटीज के मरीज थे। साथ ही उनको खांसी भी थी। किडनी की बीमारी के चलते सेप्टीसीमिया का शिकार हो गए थे। इस बीच उनको बुखार आया और मौत हो गई। शौकत हुसैन की 18 वर्षीय बहन तसरुम का भी लिवर फेल हो चुका था। जिसकी दवा भी चल रही थी। इस बीच बुखार आ गया। ऐसे में परिवार वालों ने जहां से दवा चल रही थी। वहां से इलाज नहीं कराया और गांव के ही एक डॉक्टर से दवा लेकर खा ली थी। जिससे उनकी जान चली गई। वहीं इसी गांव के रहने वाले जानेआलम पुत्र फखरुद्दीन के घर एक प्रसव हुआ था। जिसमें एक नवजात जन्मा था। जन्मे के बाद से वह रोया नहीं। इस पर उसे ऑक्सीजन पर रखा गया था। उसकी भी मौत हुई है। हालांकि इन किसी भी मृतक की कोई भी जांचों की प्रोफाइल नहीं है। स्वास्थ्य विभाग ने भी उनकी पहले की बीमारी की हिस्ट्री के आधार पर यह मूल्यांकन किया है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग डेंगू से कोई भी मौत होने की पुष्टि नहीं कर रहा है। शुक्रवार को भी गांव में कैंप किया गया। जहां करीब 160 से अधिक लोगों की जांच की जाएगी। लेकिन कोई जांच में कोई भी पॉजिटिव नहीं मिला।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 4 अक्टूबर 2025

पीलीभीत

ब्रीफ न्यूज

बाइक सवार के खिलाफ एफआईआर

बिलसंडा, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव रामपुर अमृत निवासी शकुंतला देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका बेटा 20 नवंबर को अपनी बाइक से शाम छह बजे साथी दिनेश कुमार के साथ ईंटगांव जा रहा था। तनाया मोड़ पर सामने से आ रही बाइक के चालक परशुराम ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। हादसे में बेटे अमन के सिर में गंभीर चोटें आईं। बेटे को जिला अस्पताल भर्ती कराया गया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

युवती को फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

बिलसंडा, अमृत विचार : युवती को बहला फुसलाकर ले जाने के मामले में कार्रवाई की गई है। क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पुत्री की हाल ही में शादी तय हुई है। छह अक्टूबर को रोक की रस्म होनी है। इसी बीच गांव का ही रिंकू उनकी पुत्री को बहला फुसलाकर ले गया है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

महिला का सोने का पैंडल उड़ाया

दियोरियाकलां, अमृत विचार : सखिया ब्रह्मदेव मेले में भीड़ के बीच चोर उचक्के भी सक्रिय हैं। शुक्रवार को फिर एक बार घटना हुई। जनपद शाहजहांपुर के रोला थाना क्षेत्र के ग्राम शाहगंज की रहने वाली सीमा देवी मेले में आई थी। इस दौरान उनके सोने का पैंडल किसी ने चोरी कर लिया। इसकी सूचना महिला ने मेले में मौजूद महंत सत्य गिरि को दी। हालांकि पुलिस इस तरह की घटना से अनभिज्ञता जताती रही।

किसानों को बनाया समिति का सदस्य

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला सहकारी बैंक की मुख्य शाखा द्वारा एम पैक्स सदस्यता महाअभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत बिठौराकलां बी पैक्स समिति के अंतर्गत आने वाले गांवों जमुनिया, बनोसा, सराय सुंदरपुर में कई कृषकों को समिति का नया सदस्य बनाया गया। शाखा प्रबंधक सौरभ गंगवार और देवेंद्र जोशी ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम में भाग लिया। समिति सचिव मनोज कांत मिश्रा ने सहयोग किया। रवि और खरीफ फसलों की खरीद में एम पैक्स सदस्यों को वरीयता। 72 घंटे में भुगतान किसानों को त्वरित भुगतान, 107 एम पैक्स पर उत्तम दवाइयों की सुविधा के बारे में बताया। प्रभाकर मिश्रा, प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

मंडी में धान की आवक हुई तेज, क्रय केंद्रों पर पहले दिन नहीं हुई बोहनी

हवा में लहराते नजर आए बैनर, कुर्सियां रहीं खाली, 1820 रुपये तक बिका धान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जनपद में शुक्रवार से सरकारी धान खरीद शुरू हो गई। मंडी समिति में धान की आवक भी तेज देखी गई। हालांकि धान में मानक से अधिक नमी के चलते सरकारी क्रय केंद्रों की पहले दिन कोई बोहनी नहीं हो सकी। डिप्टी आरएमओ ने स्थानीय मंडी समेत पूरनपुर में पहुंचकर क्रय केंद्रों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सभी व्यवस्थाएं कराने के निर्देश दिए। वहीं स्थानीय मंडी समिति में बोली लगाकर धान खरीद की गई। शुक्रवार को 1820 रुपये प्रति क्विंटल तक धान बिका।

शासन के निर्देशानुसार शुक्रवार से धान खरीद शुरू हो गई। जिले में इस बार 132 क्रय केंद्रों के माध्यम से खरीद की जानी है। जिले को 2.45 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य दिया गया है। अधिकांश क्रय केंद्रों में केंद्र प्रभारी बैनर लगाने एवं कांटा समेत अन्य अभिलेख दुरुस्त करने में जुटे देखे गए। वहीं स्थानीय मंडी समिति में धान की आवक में खासी तेजी देखी गई।

मंडी में मंडी सचिव प्रवीन अवस्थी के निर्देशन में खुली बोली लगवाकर धान खरीद की गई। शुक्रवार को धान 1800 रुपये से लेकर 1820 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बिका। जबकि सरकार ने धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। इस मूल्य पर अधिकतम 17 फीसदी नमी तक का ही धान खरीदा जाएगा। बोली के दौरान मंडी निरीक्षक जहीर अहमद एवं अन्य कर्मचारी एवं आढ़ती मौजूद रहे।

मंडी समिति परिसर में सरकारी क्रय केंद्रों के झूलते बैनर। ● अमृत विचार

- डिप्टी आरएमओ ने मंडी समिति परिसर में किया निरीक्षण व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश

ये है क्रय केंद्रों की स्थिति

क्रय एजेंसी	क्रय केंद्र
खाद्य विभाग	32
पीसीएफ	26
पीसीयू	30
यूपीएसएस	35
एफसीआई	04
मंडी समिति	05

अधिक नमी के चलते नहीं हो सकी खरीद

वहीं मंडी में शुक्रवार को जो धान आया, उसमें 27 से 28 फीसदी तक नमी पाई गई। ऐसे में मानक के अनुरूप धान न आने के चलते पहले दिन सरकारी क्रय केंद्रों पर धान खरीद का खाता नहीं खुल सका। डिप्टी आरएमओ विजय कुमार शुक्ला ने स्थानीय मंडी समेत पूरनपुर में पहुंचकर क्रय केंद्रों पर व्यवस्थाएं देखी। इस दौरान उन्होंने धान की नमी भी चेक करवाकर देखी। उन्होंने केंद्र प्रभारियों को मानकों के अनुरूप धान खरीदने के निर्देश दिए। इधर डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला ने बताया कि क्रय केंद्रों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त की जा चुकी है। मानक से अधिक नमी के चलते क्रय केंद्रों पर धान खरीद नहीं हो सकी है। संभवत अगले सप्ताह से धान खरीद में तेजी आएगी।

हाईवे पर टकराई कारें, तीन बच्चों समेत पांच घायल

बीसलपुर, अमृत विचार: बरेली मार्ग पर कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में तीन बच्चे समेत पांच लोग घायल हो गए। उन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया है।

बता दें कि बिलसंडा थाना क्षेत्र के ग्राम पस्तोर कुइयां निवासी बनवारी लाल के पुत्र भरत की शादी बरेली जनपद के थाना नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम खमरिया में गुरुवार रात हुई। शुक्रवार को विदाई हुई। इसके बाद बारात में बैंड बजाने गए तेज बहादुर पुत्र झाझन लाल निवासी नारायनपुर थाना बरखेड़ा और बिलसंडा थाना क्षेत्र के ग्राम रुरिया घुरिया निवासी मनोहर लाल के पुत्र कुंदन लाल घर आने के लिए ईको में सवार हुए। इसी में दूल्हे का भतीजा आयुष पुत्र अशोक , भतीजी काव्या पुत्री अमित, सोनम पुत्री अशोक गांव पस्तौर कुइयां आने के लिए बैठ गए।

कार जैसे ही चुर्रा पुलिस चौकी के पास पहुंची बीसलपुर की ओर से आ रही कार से टक्कर हो गई। हादसे में कुंदन , तेज बहादुर, काव्या, सोनम और आयुष घायल हो गए। इधर दूसरी कार में बैठे दो लोग घायल हुए हैं। घायलों को सीएचसी भर्ती कराया गया है।

सत्य की रक्षा के लिए हुआ था परीक्षित का जन्म

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार: नगर के एक बरात घर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास स्वामी सुरेशानंद सरस्वती ने भक्तों को परीक्षित जन्म की कथा सुनाई। बड़ी संख्या में लोग कथा का श्रवण करने के लिए पहुंचे। भजनों पर थिरके और जयकारे लगाए गए।

कथाव्यास ने बताया कि महाभारत के दौरान गुरु द्रोणाचार्य की मृत्यु से क्रोधित होकर अश्वत्थामा पांडवों पर ब्रह्मास्त्र चलाते हैं।जोकि अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा को लगता है।ब्रह्मास्त्र लगने से परीक्षित का जन्म होता है।उनका जन्म सत्य और धर्म की रक्षा के लिए हुआ था। जब वह बड़े हुए तो उन्होंने सत्य के मार्ग को चुना। सत्य का पालन करते हुए राज करने लगे। राजा परीक्षित का राज्य धन,वैभव, यश से भरा हुआ था। साठ वर्ष की अवस्था में जब वह क्रमिक मुनि से मिलने उनके आश्रम जाते हैं और आवाज लगाते हैं।तपस्या में लीन होने के कारण मुनि कोई उत्तर नहीं देते हैं। राजा परीक्षित स्वयं का अपमान समझकर क्रमिक मुनि के गले में मृत सर्प डाल कर चले जाते हैं। पिता के गले में मृत सर्प को देख मुनि के पुत्र ने श्राप दिया कि जिसने मेरे पिता के गले में मृत सर्प डाला है।उसकी सात दिनों में सांप के डसने से मृत्यु हो जाएगी। यह सुनकर राजा परीक्षित ने विद्वानों को बुलाया।विद्वानों ने श्राप से मुक्ति पाने के लिए महाराज परीक्षित को उपाय बताए। कथा व्यास ने कहा कि हमें भी सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। सत्य की रक्षा करते जीवन जीने का जो आनंद है।वह कहीं नहीं।कथा के दौरान यजमान अक्षय सिंह,भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, भृगुराज सिंह,मंगल सिंह,मनोज सिंह,अनिल शर्मा,मुकेश सिंह,धनंजय सिंह आदि मौजूद रहे।

कथा सुनाते स्वामी सुरेशानंद सरस्वती।

- श्रीमद भागवत कथा के दूसरे दिन उमड़े श्रद्धालु

सक्षम अधिकारी को बनाएं रिसीवर

संवाददाता, बीसलपुर/दियोरियाकलां

अमृत विचार: तीन माह से चल रहे सखिया ढकुलिया बाबा ब्रह्मदेव मेले में संत समिति श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा रामनगरिया पंचाल घाट फतेहगढ़ फर्रुखाबाद के अध्यक्ष महंत सत्य गिरि साधु संतों के साथ मेले में पहुंचे और मेले की कमेटी गठित कर किसी सक्षम अधिकारी को रिसीवर बनाए जाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि मेले में अभी तक कोई कमेटी गठित नहीं की गई है। मेले का सारा चढ़ावा एक पिता-पुत्र हड़प रहे हैं जबकि एक दिन का चढ़ावा 72 हजार रुपए गिना गया था। मेले का चढ़ावा कहां जाता है इस संबंध में ग्राम प्रधान को भी कोई जानकारी नहीं है। सारे रुपये को इसी धार्मिक स्थल पर लगाया जाना चाहिए। जब तक मेले में कोई कमेटी गठित नहीं हो जाती तब तक जूना अखाड़ा यहां मौजूद रहेगा। महंत सत्य गिरि ने बताया कि उक्त पिता-पुत्र यहां पर आने बाले साधु संतों से मार-पीट कर भगा देते हैं। उन्होंने बताया कि ब्रह्मदेव मेले में आने वाले चढ़ावा कोई ग्रहस्थ अपने पास नहीं रख सकता मेले में रजिस्टर्ड कमेटी गठित कर किसी सक्षम अधिकारी को उसका रिसीवर नियुक्त किया जाए। भारी संख्या में जूना अखाड़े के साधु संतों के सखिया मेले में पहुंचने की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया।

कोतवाल दियोरियाकलां दिगंबर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने खुद जूना अखाड़े के महंत सत्य गिरि से वार्ता की। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए साधु संतों के साथ पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

पुलिस से वार्ता करते साधु संत। ● अमृत विचार

- क्षेत्र के ही पिता-पुत्र पर लगाया एकत्र चंदा हड़पने का आरोप
- सखिया मेले में जूना अखाड़े के साधु संतों के साथ पहुंचे महंत सत्य गिरि

आपदा राहत वितरण में लेखपाल पर लगाए आरोप

दियोरियाकलां, अमृत विचार: एक लेखपाल पर आपदा राहत वितरण में खेल करने का आरोप लगा है। इसकी डीएम से शिकायत की गई है। जिसमें ग्राम पंचायत रंभोजा के रामवीर पुत्र मिश्रीलाल, मुकेश पुत्र देवदत्त ने बताया कि में बारिश के दौरान लेखपाल को सूचना दी थी कि दोनों के मकान की दीवार व कच्ची छत गिर गई है। लेखपाल ने मौके पर आकर मुआयना किया लेकिन सर्वे में रामवीर और मुकेश कुमार के नाम की जगह पर दूसरों के नाम शामिल कर दिए। जबकि जिन्हें पीड़ित दर्शाया गया, उनके यहां नुकसान नहीं हुआ था। लेखपाल द्वारा प्राकृतिक आपदा का लाभ दिया गया जबकि पात्र रामवीर और मुकेश को प्राकृतिक आपदा लाभ से वंचित कर दिया गया है। डीएम से मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

ड्राइविंग माय ड्रीम्स का किया आयोजन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पूरनपुर के गन्ना कृषक स्नाकोत्तर महाविद्यालय में मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत ड्राइविंग माय ड्रीम्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें परिवहन विभाग के अधिकारियों ने छात्राओं को आत्मनिर्भरता और सफलता के लिए ड्राइविंग को बेहद महत्वपूर्ण बताया। छात्राओं को महिला कल्याण एवं युवा कल्याण विभाग में संचालित योजनाओं की भी जानकारी दी गई।

महिलाओं एवं बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें यातायात के लिए पुरुषों पर निर्भर न रहना पड़े, इस उद्देश्य को लेकर महिला कल्याण विभाग की ओर से गन्ना कृषक स्नाकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिवहन विभाग की यात्री/मालकर अधिकारी बर्डिस चतुर्वेदी ने छात्राओं को प्रशिक्षण देते हुए बताया कि ड्राइविंग हर महिला को आनी चाहिए। यह आत्मनिर्भरता और सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बताया कि लर्निंग लाइसेंस के लिए बालिकाएं घर बैठे ही ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। इसके लिए sathi.parivahan.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए 200 रुपए फीस देनी होती है। बताया कि लर्निंग लाइसेंस आवेदन के 30 दिन बाद ही परमानेंट लाइसेंस के लिए आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा जिला मिशन कोऑर्डिनेटर सुवर्णा पांडे ने महिला कल्याण विभाग और क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी छवि राम सिंह दने युवा कल्याण विभाग में चल रही योजनाओं के बारे में छात्राओं को बताया। कार्यक्रम में इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह, जेंडर स्पेशलिस्ट जयश्री सिंह, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुधीर शर्मा आदि मौजूद रहे।

गन्ना कृषक महाविद्यालय पूरनपुर में कार्यक्रम में शामिल छात्राएं। ● अमृत विचार

- अधिकारियों ने आत्मनिर्भरता और सफलता के लिए ड्राइविंग बताई जरूरी

राम-भरत मिलाप लीला का मंचन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: श्रीरामलीला महोत्सव के तहत शुक्रवार को राम-भरत मिलाप लीला का मंचन किया गया। राजगद्दी शोभायात्रा भी धूमधाम से निकाली गई। इससे पूर्व गुरुवार रात को रामलीला मैदान में रावण वध लीला का मंचन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार रहे।

भरत मिलाप की लीला स्थानीय गोपाल बाबू की बगिया रामा कॉलेज के सामने संपन्न हुई। इसके पश्चात यहीं से श्री राजगद्दी शोभायात्रा प्रारंभ होकर नई बस्ती चौराहा, काला मंदिर, लेखराज चौराहा, जाटों का चौराहा से वापस घूमकर बजरिया, होली चौराहा, लोहा बाजार, बरेली दरवाजा, बड़ा गुरुद्वारा, जेपी रोड, चौक बाजार, इमली चौराहा, साहूकारा, जमनी चौराहा, चूड़ी वाली गली, मुख्य बाजार, ड्रमंडगंज चौराहा होते हुए परमठ मंदिर पर आकर संपन्न हुई। राजगद्दी शोभायात्रा में प्रभु राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान, भरत, शत्रुघ्न, विभीषण, सुग्रीव, अंगद, जामवंत दिव्य सिंहासन पर शोभायमान थे। आज अनेकों स्थानों पर भक्तों ने राजगद्दी शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर भोग आरती कर प्रसाद वितरण किया। इस मौके पर महंत ओमकार नाथ, सुनील मिश्रा, अमरीश शर्मा अंबू, अंकुर गुप्ता, राकेश लोधी, संजीव मिश्रा, सुधीर पाल सिंह, नरेश शुक्ला, प्रेम सिंह, भीम सिंह चौहान, अमिताभ त्रिपाठी, रमाकांत पांडेय, अंशुमान मिश्र, संजीव शर्मा, अवनीश शर्मा, प्रतीक अग्रवाल, आयुष सक्सेना, ध्रुव गौर, अमित जौहरी, निखिल मिश्रा, आकाश कश्यप, प्रदीप शर्मा, पुनीत शर्मा, विनीत शर्मा, अजय सक्सेना, रमाकांत शर्मा, निरंजन शर्मा, संजीव मोहन अग्रवाल, डॉ. शैलेन्द्र नाथ मिश्रा, संजय सक्सेना, शैली अग्रवाल, विकास पाल सिंह आदि मौजूद रहे।

रामायण के पात्रों के स्वरूपों की आरती करते राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार।

वार्षिक पूजा कर सुख समृद्धि और स्वास्थ्य लाभ की कामना

बरखेड़ा, अमृत विचार: नगर पंचायत स्थित देवी स्थान पर परंपरागत तरीके से वार्षिक पूजा संपन्न कराई गई। मां आदिशक्ति की परंपरागत पूजा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। बताते हैं कि ये पूजा नगर वासियों के सुख समृद्धि एवं शांति स्वास्थ्य लाभ के लिए कराई जाती है। मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष श्याम बिहारी भोजवाल एवं उनकी धर्मपत्नी ममता भोजवाल रही। नवाबगंज के पंडित राकेश मिश्रा ने वैदिक मित्रोंच्चारण के साथ विधि विधान से पूजा संपन्न कराई। इस मौके पर कमलेश कश्यप, दुर्गा प्रसाद कुशवाहा, सूरजपाल कुशवाहा, गुड्डू मिश्रा, ओमप्रकाश कश्यप, प्रमोद भोजवाल, दिनेश कश्यप, महेश कुशवाहा, राजेंद्र कुशवाहा, सभासद प्रवेश जोशी, सभासद श्रीकृष्ण भारती, प्रदीप सक्सेना, विजयपाल भोजवाल, टीकाराम भोजवाल,मोनू कुशवाहा, आदि मौजूद रहे। बता दें कि देवी स्थान का सौंदर्यीकरण नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा कराया गया है।

हवन में मौजूद चेयरमैन श्याम बिहारी भोजवाल। ● अमृत विचार

नौ कुंडीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ का किया समापन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जनपद के गोमती उद्गम तीर्थ स्थल पर चल रहे नौ कुंडीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ का गुरुवार को पूर्णाहुति के साथ समापन हो गया। इस दौरान विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

जनपद के माधोटांडा स्थित गोमती उद्गम तीर्थ स्थल पर शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में बीते 29 सितंबर से चार दिवसीय नौ कुंडीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ किया गया था। पहले दिन मंगल जल कलश यात्रा निकाली गई थी। जिसमें बड़ी संख्या में पीत वस्त्र धारी महिलाओं ने हिस्सा लिया था। बीते मंगलवार और बुधवार को यज्ञ, संस्कार, युवा गोष्ठी, महिला गोष्ठी, प्रवचन आदि कार्यक्रम हुए। बुधवार शाम डीएम ज्ञानेंद्र सिंह भी नौ कुंडीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ में पहुंचे। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार के द्वारा व्यक्ति, प्रकृति, समाज एवं राष्ट्र के कल्याण के लिए कार्यक्रम पूरे देश में ही नहीं विश्व में भी किया जा रहे हैं। यह बड़ा ही अच्छा प्रयास है ऐसे कार्यक्रम से आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। गाय, गीता और गायत्री मंत्र भारतीय संस्कृति की पहचान है। इस दौरान गायत्री परिवार की ओर से डीएम को अंग वस्त्र एवं गायत्री परिवार का साहित्य प्रदान किया गया। इधर गुरुवार को पूर्णाहुति के साथ नौ कुंडीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ का समापन हो गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

गोमती उद्गम स्थल पर महायज्ञ में पूजन करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

पूर्णाहुति देते महिला व पुरुष। ● अमृत विचार

- गायत्री मंत्र व महामृत्युंजय जाप की दी आहुतियां, डीएम भी पहुंचे
- माधोटांडा स्थित गोमती उद्गम तीर्थ स्थल पर चल रहा था आयोजन

महिला और पुरुषों ने यज्ञ में गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय जाप की आहुतियां प्रदान की। इस दौरान भंडारे का भी आयोजन किया गया।

इस मौके पर अशोक खंडेलवाल, अनंत राम पालिया, पीएल गंगवार, मनोज कुमार गुप्ता, हरिशंकर वर्मा, पुरुषोत्तम, निर्भय सिंह ,योगेश्वर सिंह, बृजेंद्र द्विवेदी, कमलेश सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक संपूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

हर्षिल हॉस्पिटल
क्रिटिकल केयर एण्ड पेन सेन्टर
डॉ. हिमांशू वर्मा
MBBS, MD, FICM, FIPM
क्रिटिकल केयर एवं पेन फिजिशियन
Advanced ICU & OT 24x7 Emergency Operation | TPA/कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
पता:- प्लाट नं. 4 राघव पेट्रोल पम्प के सामने, बुखारा, बरेली
Mob : 9458702280, 8937810741

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80773444353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

अमृत विचार एक संपूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मैंने अपने सगे पुत्र जाफर को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण अपने सभी सम्बन्ध विच्छेद कर उसे अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **अशरफ अली पुत्र अल्ला नूर निवासी ग्राम सत्तारनगर, पो. मण्डोरा, थाना अलीगंज, बरेली**

सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड सं. 909336516377 में मेरा नाम विदेश कुमार (Videsh Kumar) दर्ज है। जो सही एवं वास्तविक नाम है, जबकि मेरे डी.एल. संख्या- UP2519910001304 में नाम V.K. Singh S/O Chhadammi Singh दर्ज है, जो कि अशुद्ध है। भविष्य में मैं विदेश कुमार (Videsh Kumar) पुत्र छदम्मी सिंह (Chadammi Singh) के नाम से जाना व पहचाना जाऊंगा। **विदेश कुमार (Videsh Kumar) पुत्र छदम्मी सिंह (Chadammi Singh) निवासी कंजादासपुर नगरिया परीक्षत थाना इज्जतनगर जिला बरेली**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इन्द्रजीत कौर पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह प्रतिनिधि राजेन्द्र सिंह और भूपेन्द्र सिंह, इन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह ने ऊषा किरन पत्नी केशव कुमार सक्सेना को प्लाट रकवा में से 100 वर्ग गज को खसरा सं. 979 ग्राम नेकपुर परगना और तहसील और जिला बरेली उत्तर प्रदेश कि रजिस्टर्ड पिछले मूल बैनामें जिसकी दिनांक 15.12.1990 वही सं. 1 जिल्द सं. 13158 पृष्ठ संख्या 204 से 206 क्रमांक 3138 को बरेली में हुई थी। जो कहीं खो गई है। जिसकी सूचना पुलिस को 29.9.2025 को दे दी गई है। किसी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह बैंक आकर संपर्क करें। **दीपक कुमार, आई.डी.बी.आई बैंक, सिविल लाइंस, बरेली (उ.प्र.)-243001**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

ब्रीफ न्यूज

खेत पर जा रहे ग्रामीण को पीटा, रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बे के वार्ड नंबर दो निवासी कमल बाबू पुत्र वेद प्रकाश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दो अक्टूबर को उसके पिता खेत पर जा रहे थे। उसी दौरान रास्ते में उसके ही मोहल्ले के जयगोपाल, सोहनलाल, हरीश मिले। इन लोगों ने उसके पिता को रोका और हमला कर दिया। जान से मारने की धमकी दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

किशोरी से छेड़छाड़ आरोपी को पकड़ा

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दो अक्टूबर को उसकी 13 वर्षीय पुत्री घर पर अकेली थी। उसी दौरान गांव के विपिन कुमार ने घर में घुसकर पुत्री से छेड़छाड़ की। शोर मचाने पर आसपास के लोग जमा हुए तो आरोपी भागने लगा। गांव वालों ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। उधर, क्षेत्र के एक ग्रामीण ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि गांव का एक व्यक्ति उसके घर आता जाता था। चार सितंबर को उसकी गैर मौजूदगी में आरोपी उसके घर आया और उसकी पत्नी को ले गया। घर में रखे 70 हजार रुपये व जेवरात भी ले गया। रिपोर्ट दर्ज कराने की गुहार लगाई है।

घर से चोरी किए मोबाइल और नकदी

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम ज्योरहा निवासी मोहनस्वरूप ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि छह जुलाई की रात करीब दो बजे गांव का ही धर्मेंद्र, वेदप्रकाश पड़ोस के सियाराम के घर के खुले दरवाजे से चोरी छिपे जीने से चढ़कर उसके घर पर आया। आरोपियों ने घर में रखे दो मोबाइल और संदूक में रखे 1.14 लाख रुपये चोरी कर लिए। आरोपियों ने अपने दो अन्य साथी देवेंद्र और मुरारीलाल के साथ मिलकर चोरी की थी। जब उसने अपना मोबाइल आरोपियों से मांगा तो आरोपियों ने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

आज निकलेगा जुलूस ए गौसिया, बढ़ाई निगरानी

बरेली में हुए बवाल के बाद पुलिस-प्रशासन अलर्ट, पुलिस बल के साथ पीएसी की भी लगाई ड्यूटी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : बीते शुक्रवार को बरेली में हुए विवाद को देखते हुए जिले में हाई अलर्ट है। आगामी त्योहार और जुमे की नमाज को लेकर अलर्ट किए जाने के बाद शुक्रवार को सख्त सुरक्षा इंतजाम किए गए। पुलिस प्रशासनिक अधिकारी खुद सड़कों पर उतरे और हालात परखने में जुटे रहे। मिश्रित आबादी क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती के साथ ही फोर्स फ्लैग मार्च करता रहा। समस्त मस्जिदों में सख्त सुरक्षा बंदोबस्त के बीच जुमे की नमाज सकुशल संपन्न हुई। अब आज निकलने वाले जुलूस ए गौसिया को लेकर निगरानी बढ़ा दी गई है।

इन दिनों त्योहारी सीजन चल रहा है। दशहरा पर्व सकुशल संपन्न कराया जा चुका है। अब दीपावली समेत अन्य पर्व को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। इसी बीच बीते शुक्रवार को बरेली हुए बवाल के बाद सतर्कता और बढ़ा दी गई है। इधर कुछ दिनों से आई लव मोहम्मद पोस्टर को लेकर विवादित पोस्ट करने के साथ ही बिना अनुमति जुलूस पीलीभीत में भी गत दिनों निकाले गए। इसे लेकर तनाव के हालात भी बने और कार्रवाइयां भी की गई। बरेली कांड के बाद अब शासन स्तर से अलर्ट है। जनपद की सीमा नेपाल और उत्तराखंड से सटे हुई है। ऐसे में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। शनिवार को जुलूस ए गौसिया भी निकाला जाएगा। जिसके चलते हाई अलर्ट के बीच शुक्रवार को जुमे की नमाज अदा कराई गई। सुबह से ही भारी पुलिस बल और पीएसी की तैनाती कर दी गई। शाही जामा मस्जिद समेत अन्य मस्जिदों के आसपास, मुख्य चौराहा, बाजार और मिश्रित आबादी क्षेत्रों में पुलिस और पीएसी के साथ अफसर खुद निगरानी करते रहे। शहर के अलावा बीसलपुर, पूरनपुर, जहानाबाद, अमरिया, न्यूरिया, माधोटांडा, बरखेड़ा, दियोरिया कलां आदि क्षेत्रों में चौकी और थाना पुलिस गश्त पर रही। अधिकारियों की मौजूदगी में फ्लैग मार्च निकाले गए। शहर में एसपी अभिषेक यादव, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी, कोतवाल सतेंद्र सिंह फोर्स के साथ भ्रमण पर रहे। अधिकारियों की मौजूदगी में जामा मस्जिद में नमाज अदा हुई। मस्जिद के बाहर और आसपास के मोड़ पर सख्त पहरा रहा।

शुक्रवार को शहर का भ्रमण कर फोर्स को निर्देशित करते एसपी अभिषेक यादव। ● अमृत विचार

पुलिस ने लोगों से की अपील, दिक्कत हो तो बताएं

एसपी की ओर से एक अपील भी की गई है कि अगर किसी को किसी बात को लेकर कोई दिक्कत है। मन में कोई बात है तो अधिकारियों से मिलकर बताएं। उसे अधिकारी सुनकर समाधान कराएंगे। मगर, किसी भी प्रकार के किसी ऐसे परंपरागत कार्यक्रम में ऐसी हरकत न करें, जो आगे चलकर बेवजह मुसीबत खड़ी कर दे। पुलिस प्रशासन का प्रमुख काम है शांति व्यवस्था बनाए रखें। ऐसे में सहयोग करें।

ड्यूटी चार्ट तैयार आयोजकों से चला संवाद

शनिवार को निकाले जाने वाले जुलूस को लेकर विशेष निगरानी बरती जा रही है। इसे लेकर सुरक्षा बंदोबस्त को जोनल-सेक्टर प्रणाली में बांटा गया है। रिक्रूट आरक्षियों और कार्यालय के फोर्स की भी ड्यूटी लगाई गई है। खुफिया विभाग भी इसे लेकर सक्रिय है। अधिकारी भी जुलूस के आयोजकों से संवाद करते रहे। खास बात ये है कि जुलूस के दौरान कोई प्रदर्शन या फिर पोस्टर न लहराए जाएं। इसे लेकर खासा फोकस किया जा रहा है। इस सबंध में भी वार्ता की गई है। क्यूआरटी को भी एक्टिव रखा गया है। ताकि किसी तरह की आपातकालीन स्थिति में उसका इस्तेमाल किया जा सके। थाना स्तर पर पीस कमेटी बैठक भी की गई। जिसमें स्थानीय धर्मगुरुओं, संभ्रांत नागरिकों से संवाद किया गया। लोगों से भाईचारे के साथ पर्व मनाने आदि की अपील की गई।

> जनपद में वैसे तो किसी तरह की कोई समस्या नहीं है। अलर्ट के बीच पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई। फ्लैग मार्च भी किया गया है। रिक्रूटों को एक तरह से प्रशिक्षण के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। पीएसी भी मुस्तैद है। क्यूआरटी भी बनाई गई हैं। जुलूस ए गौसिया को लेकर भी ड्यूटी चार्ट तैयार है। आयोजकों और संभ्रांत नागरिकों से भी वार्ता की गई है। परंपरागत तरीके से जुलूस निकालें। कोई माहौल खराब करने का प्रयास करेगा तो सख्त कार्रवाई होगी।
> – अभिषेक यादव, एसपी

डीपीआरओ को निरीक्षण में मिला अव्यवस्थाओं का अंबार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● प्रधान, सचिव, एडीओ पंचायत समेत चार का जवाब तलब, तीन दिन में सुधार करने की चेतावनी

अमृत विचार: डीपीआरओ रोहित भारती बरखेड़ा ब्लाक की ग्राम पंचायत गाजीपुर कुंडा का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने पंचायत सचिवालय का निरीक्षण किया। यहां पंचायत सहायक नदारद मिले। जनसुविधा केंद्र में कंप्यूटर आदि की कोई व्यवस्था नहीं मिली।

संभावना जताई गई कि कंप्यूटर न होने की दशा में ग्राम पंचायत में कराए जाने कार्यों का भुगतान भी पंचायत भवन से न कर किसी अन्य जगह से कराया जा रहा है। जोकि वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है। सचिवालय का शौचालय भी गंदा मिला। इस पर उन्होंने एडीओ पंचायत को सीएससी में तत्काल कंप्यूटर-प्रिंटर आदि की व्यवस्था कराकर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आरआरसी सेंटर भी बंद मिला। सेंटर के आसपास जंगल झाड़ियां उगी पाई गई। दीवार और फर्श भी टूटा पाया गया। जानकारी पर बताया गया कि ई-रिक्शा संचालित न होने से कूड़ा कलेक्शन नहीं हो रहा है। डीपीआरओ ने सचिव को ई-रिक्शा चलाने और सेंटर के रास्ते में डस्टबिन का निर्माण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीपीआरओ को सामुदायिक शौचालय भी बंद मिला। ऐसे में उसका निरीक्षण ही नहीं किया जा सका। सचिव से केयर टेकर को बुलाने को कहा तो सचिव ने केयर टेकर का मोबाइल नंबर न होने की जानकारी दी। डीपीआरओ ने सचिव की लापरवाही पाते हुए स्वयं सहायता समूह की बैठक कराकर किसी अन्य केयर टेकर का चयन करने के निर्देश दिए। इसके बाद डीपीआरओ ने गांव में भ्रमण कर साफ-सफाई का भी जायजा लिया। नाले-नालियों में जगह-जगह गंदगी के साथ रास्तों में जलभराव भी पाया गया। गांव में एंटी लार्वा का छिड़काव और फॉगिंग कराना भी नहीं पाया गया। निरीक्षण के दौरान तमाम अव्यवस्थाएं मिलने पर उन्होंने संबंधितों से खासी नाराजगी जताई और तत्काल सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। डीपीआरओ रोहित भारती ने बताया कि गाजीपुर कुंडा के निरीक्षण में तमाम अव्यवस्थाएं मिलीं हैं। इस पर ग्राम प्रधान, सचिव, एडीओ पंचायत और खंड प्रेरक को तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण देने और पाई गई सभी कमियों को तीन दिन के अंदर दुरुस्त कराते हुए फोटो सहित रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निर्धारित समय के अंदर स्पष्टीकरण न देने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

डीएम सर, पंचायत घर में नहीं बैठ रहे प्रधान-सचिव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● ग्राम पंचायत सदस्य की शिकायत पर डीएम ने डीपीआरओ को दिए कार्रवाई करने के निर्देश

अमृत विचार: डीएम के निर्देश के बाद भी पंचायत घरों में ग्राम प्रधान और सचिव नहीं बैठ रहे हैं। इससे समस्याओं के समाधान के लिए ग्रामीणों को भटकना पड़ रहा है। शुक्रवार को बिलसंडा ब्लाक के एक ग्राम पंचायत सदस्य ने डीएम से मिलकर शिकायत की। डीएम ने मामले की जानकारी बीडीओ से लेने के बाद डीपीआरओ को संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए

ग्राम पंचायत स्तर पर जन सहभागिता बढ़ाने और ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निरस्तारण के लिए पंचायत सचिवालय में संबंधित क्षेत्रीय अधिकारी ओर कर्मचारी के साथ-साथ ग्राम प्रधान का उपस्थित रहना जरूरी किया गया हैं। मगर, जनपद के अधिकांश पंचायत सचिवालय निष्क्रिय पड़े हुए हैं। ऐसे में ग्रामीणों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर भटकना पड़ रहा है। बिलसंडा ब्लाक की ग्राम पंचायत करेली के ग्राम पंचायत सदस्य कृष्ण कुमार शर्मा ने डीएम से मिलकर पंचायत सचिवालय में प्रधान-सचिव समेत अन्य के न पहुंचने का आरोप लगाया। कहा कि जिम्मेदारों के पंचायत सचिवालय में न पहुंचने से ग्रामीणों की शिकायतों का निस्तारण नहीं हो पा रहा है। इस पर डीएम ने बीडीओ बिलसंडा से जानकारी ली। साथ ही उन्होंने डीपीआरओ रोहित भारती को इस संबंध में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

नहर पुल से गिरकर ग्रामीण की गई जान

पीलीभीत, अमृत विचार: न्यूरिया थाना क्षेत्र के ग्राम सैजनिया गांव निवासी 45 वर्षीय घनश्याम उर्फ गुड्डू पुत्र ठाकुरदास शुक्रवार दोपहर को गांव के बाहर अमीन नगर की नहर पुलिया पर बैठे हुए थे। इस दौरान अचानक गिर गए। जिसके बाद लोगों ने देखा तो भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। युवक को तलाश कर बमुश्किल नहर से बाहर निकाला गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी।

पुलिस पर हमला, पिस्टल छीनने की कोशिश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● एक पुलिसकर्मी घायल, रिपोर्ट दर्ज, आरोपियों की चल रही तलाश

अमृत विचार : मेड़ के विवाद की सूचना पर गांव पहुंची यूपी 112 के पुलिस कर्मियों के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की गई। इतना ही उनकी सरकारी पिस्टल छीनने की कोशिश की। वर्दी भी फाड़ दी गई।

डायल 112 पर तैनात हेड कांस्टेबल दीपक शर्मा ने थाना न्यूरिया में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि दो अक्टूबर को वह टीम में शामिल पुलिसकर्मी हेड कांस्टेबल संतोष कुमारी, निर्मला और चालक जितेंद्र यादव के साथ ड्यूटी पर थे। दोपहर करीब 1.58 बजे क्षेत्र के ग्राम पीरताल निवासी कमलेश पुत्र वीरेंद्र की ओर से मेड़ काटने को लेकर गांव में हो रहे विवाद की सूचना दी गई थी। इस पर वह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर विपक्ष के रामकुमार, तेजप्रकाश, नरेंद्र व उनके परिवार की महिलाएं हाथों में लाठी, डंडे लेकर आ गई। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया तो रामकुमार, तेजप्रकाश, नरेंद्र और उनके घर की महिलाओं ने जान से मारने की नीयत से लाठी, डंडों से मारपीट करने लगे। आरोप है कि उनकी वर्दी भी फाड़ दी। आरोपियों ने सरकारी पिस्टल को भी छीनने का प्रयास किया। जिसको बमुश्किल बचाया गया। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ा। आरोपियों ने सरकारी कार्य में बाधा डाली। पिटाई से एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। न्यूरिया पुलिस रिपोर्ट दर्ज की। जांच कर रही है। तीनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ

डा. दीक्षा गंगवार

एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ.

(के.जी.एम.यू. लखनऊ)

सुविधायें:-

- हाई रिक्स प्रेगनेंसी केयर
- नॉर्मल डिलीवरी प्राथमिकता
- ऑपरेशन द्वारा डिलीवरी (Caesarian Section)
- बांझपन (Infertility) का इलाज
- दूरबीन विधि द्वारा अंडाशय की गांठ (Ovarian Cyst) के ऑपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा बच्चेदानी का ऑपरेशन (Hysterectomy)
- बच्चेदानी की रसौली (Fibroid) का इलाज
- PCOD का इलाज
- Cervical Cancer Screening / PAP Smear
- D&C (Dilatation & Curretage)
- सफेद पानी आना, मासिक में अनियमितता
- मासिक के समय दर्द एवं अधिक रक्त स्राव
- पेशाब का लीक होना, बदबू आना, जलन होना सम्बन्धी समस्याऐं

अल्ट्रासाउण्ड की सुविधा उपलब्ध

24/7 EMERGENCY

OPD- दिन – सोमवार से शनिवार

समय– सुबह 11:30 बजे से सायं 03:00 बजे तक– सायं 06.00 बजे से रात 08.00 बजे तक

स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल

(मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एण्ड एंडवास सर्जीकल सेन्टर)

पता – कर्मचारी नगर चौराहा, मिनी बाईपास, बरेली

मो. 7055 7055 05

Akash Vets

आकाश वेट्स

मल्टीस्पेशलिटी डॉग-कैट हॉस्पिटल एवं डायग्नोस्टिक सेंटर

पश्चिम उत्तर प्रदेश का एकमात्र पेट डायलिसिस सेन्टर

Follow us at - @Akash_Vets_Bareilly

डॉ. आकाश गंगवार

BVSC & A.H, MISVS

(वेटरिनरी फिजीशियन एवं सर्जन)

*7+ yrs. of experience

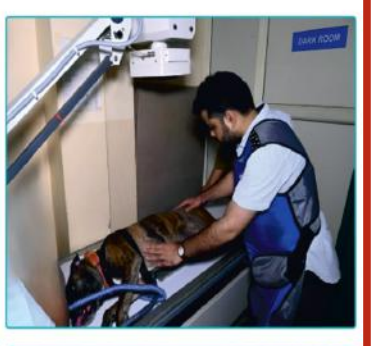

प्रत्येक माह 30 व 1 तारीख को एंटी रैबीज टीकाकरण मुफ्त

हमारी सेवाएं:

- सभी प्रकार का ट्रीटमेंट
- अल्ट्रासाउंड व एक्स-रे
- सभी प्रकार की सर्जरी
- ब्लड ट्रांसफ्यूजन
- पैथोलॉजी
- डायलिसिस
- IPD देखभाल
- C.T. Scan
- MRI

पता:- 100 फुटा रोड, निकट अशर्फी बैंक्वेट हॉल, बरेली (यू.पी.)

+91 8650007775 | +91 8650677577

SCAN ME

Scan the QR to reach us

अखबार की कटिंग लाने पर मुफ्त कंसल्टेशन व अल्ट्रासाउण्ड, पैथोलॉजी व दवाईयों पर 20% की छूट

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 4 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

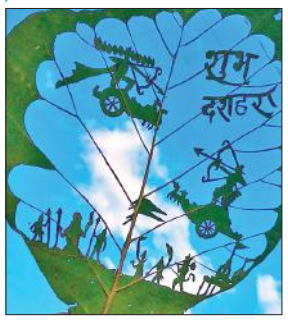

पत्ती कटिंग कर बनाया राम-रावण युद्ध का चित्र

रोशननगर, अमृत विचार : अलीगंज क्षेत्र के गांव मुस्तफाबाद निवासी लीफ आर्टिस्ट एडवोकेट कल्पना तिवारी ने आम, पीपल एवं कदम्ब की पत्तियों पर भारत के नक्शे के साथ लालकिला एवं सलामी देते हुए जवानों के चित्र स्वतंत्रता दिवस पर उकेरकर अपनी देशप्रेम की भावना व्यक्त की थी। इसके साथ ही दशहरा पर भगवान श्रीराम और रावण युद्ध का चित्र उकेरकर अपने धर्म के प्रति आस्था दिखाई। उन्होंने जिले में अपनी पहचान लीफ आर्टिस्ट के रूप में स्थापित की है। इनकी पत्तियों पर की हुई चित्रकारी हर कोई पसंद करता है।

सिलेंडर से भड़की आग, दो लोग झुलसे

निघासन ,अमृत विचार : थाना निघासन के गांव लोनियनपुरवा में खाना बनाते समय अचानक सिलेंडर में आग भड़क उठी। इससे घर में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर एक किशोरी समेत दो लोग झुलस गए। झुलसे लोगों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। गांव लोनियनपुरवा निवासी दिनेश कुमार के घर पर खाना बन रहा था। इसी बीच रेग्युलेटर से आग भड़क उठी। आग की लपटों ने छप्परपोश घर को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे आग और विकराल हो गई। इससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। आग की की चपेट में आकर रिश्तेदारी में आए गुलरा निवासी कृष्ण कुमार और नंदनी पुत्री पूरन झुलस गई। ग्रामीणों ने किसी तरह से आग पर काबू पाया। आग में 30 हजार रुपये नगद जेवर, कपड़े आदि जलकर नष्ट हो गए।

श्रद्धालुओं द्वारा विसर्जन को शारदा तट पर ले जाई गई देवी प्रतिमा। ● अमृत विचार

बिजुआ में मां की मूर्ति की पूजा-अर्चना करते भक्त। ● अमृत विचार

खीरी टाउन में विसर्जन यात्रा निकालते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

उल्ल और शारदा नदी तट पर गूंजे देवी के जयकारे, पुलिस तैनात

ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच किया गया दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: नवरात्रि पर नगर के विभिन्न स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित कर नौ दिन तक पूजा अर्चना हुई। नवरात्र के समापन पर हवन, पूजन, भंडारा के बाद स्थापित प्रतिमाओं को उल्ल और शारदा नदी में विसर्जित किया गया है। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से भारी पुलिस बल तैनात रहा। शारदा बैराज पर डीएम-एसपी ने मूर्ति विसर्जन व्यवस्थाओं का लिया जायजा।

शहर में मूर्ति विसर्जन यात्राओं की धूम रही। गाजे बाजे के साथ अमीर गुलाल उड़ाते भक्त झूमते चल रहे थे। इन मूर्तियों को उल्ल नदी और शारदा नगर में शारदा नदी पर बनाए गए घाटों पर पूजा-अर्चना कर विधिवत विसर्जित किया गया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा ने घाट पर पहुंचते ही सबसे पहले मूर्ति विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया। सुरक्षा घेरा, बैरिकेडिंग, रोशनी और पुलिसकर्मियों की तैनाती से लेकर प्रशासनिक इंतजाम तक बारीकी से पड़ताल की। घाट क्षेत्र में तैनात अधिकारियों एवं पुलिस बल को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा असुविधा न होने पाए। मूर्ति विसर्जन के दौरान नदी किनारे गश्त कर रहे गोताखोरों, फ्लड पीएसी की तैनाती और लाइटिंग व्यवस्था पर भी डीएम ने नजर दौड़ाई। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से कहा कि हर श्रद्धालु को सुरक्षित माहौल मिले, किसी को भी असुविधा न हो। नदी किनारे मौजूद गोताखोरों और राहत टीम की तैयारियों को देखकर उन्होंने संतोष जताया, लेकिन अतिरिक्त सतर्क रहने को भी कहा। इस दौरान प्रशिक्षु आईएएस मनीषा धार्वे, एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, एसडीएम धौरहरा शशिकांत मणि, प्रभारी निरीक्षक शारदा नगर सहित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

खीरी टाउन। मनकामेश्वर मंदिर में स्थापित माता की मूर्तियों की शोभायात्रा निकाली गई। कमेटी के पदाधिकारी समेत तमाम भक्त रंग गुलाल खेलते हुए माता के जयकारों के साथ मां भगवती की मूर्ति को शारदा नदी में ले जाकर प्रवाहित कर दिया। इस दौरान दीपू सिंह राकेश सिंह अजय सिंह गजराज सिंह लवकुश सिंह सुरेश मेंबर सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

शारदा नदी पर निरीक्षण करती डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी संकल्प शर्मा।

पलिया। पलिया के साथ ही दौलतापुर, मटहिया, पिपरिया, कचनारा, बोझवा, भीरा, बिवियापुर समेत तमाम गांवों में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से देवी प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना कर आरती उतारी और फिर नदी तट पर उनका विसर्जन किया। विसर्जन के समय शारदा नदी तट पर भारी भीड़ उमड़ी और देवी के जयकारों से पूरा इलाका गूंज उठा। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा, जिससे आयोजन शांति और श्रद्धा के साथ संपन्न हो सका।

भानपुर। ब्लॉक बिजुआ क्षेत्र के अमृतापुर,सोनपीपर,राजपुर,बरमबा बा,घुरहां, ढकिया,शाहपुर,व ईटकुटी आदि गांवों से माता की प्रतिमाओं को विधिवत पूजा अर्चना कर विसर्जन करने के लिए गांव ढकिया के निकट शारदा नदी के घाट पर ले जाया गया। विसर्जन से पहले भक्तों ने दुर्गा माता की प्रतिमा की पूजा-अर्चना की। बाद में प्रतिमाओं को नदी में विसर्जित किया गया।

मैगलगंज। मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर एसडीएम मितौली मधुसूदन गुप्ता, सीओ जितेंद्र सिंह परिहार,तहसीलदार दिनेश कुमार व नायाब तहसीलदार शशांक शेखर मिश्र ने मढ़िया घाट पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों ने गोमती घाट पर मौजूद व्यवस्था का निरीक्षण किया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में मूर्तियों का विसर्जन किया है। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र कुमार पांडेय भी मौजूद रहे।

कन्या भोज व भंडारों की रही धूम

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: नगर सहित समूचे ग्रामीण क्षेत्र में नवरात्र की समाप्ति पर हवन- पूजन, कन्या भोज, ब्रह्म भोज एवं भंडारे की गुरुवार को भी धूम रही। श्रद्धालुओं ने कन्याओं को सब्जी पूड़ी ,तो कई ने खीर पूड़ी ,हलवा व दही- जलेबी आदि का भोज करा दक्षिणा दी। सभी लोगों ने कन्याओं से आर्शीवाद लिया। मोहल्ला सिंगहिया पर स्थित देवी मंदिर में श्री रामचरितमानस अखंड पाठ की समाप्ति पर आज विशाल भंडारा आयोजित हुआ।

मानवेन्द्र बाजपेई उर्फ मानू, बृजेंद्र पांडे , अनुराग मिश्रा ,विनोद कुमार,शारदा प्रसाद आदि ने कन्याओं को भोजन करा भंडारा प्रसाद बंटवाया। श्रीकुल आश्रम पर कुल उपासक गोविंद माधव , गगन मिश्रा, रामू वर्मा , अतुल गुप्ता, संजीव वर्मा आदि द्वारा 101 कन्याओं को खीर, पूड़ी ,सब्जी आदि खिलाकर दक्षिणा दी। पांडे बाबा स्थान, मोहल्ला किसान में स्थित देवी मंदिर,गुदरिया बाबा मंदिर ,पटिहन मंदिर, चंदन चौकी के कुसुम बाबा मंदिर, बोझवा, मटहिया, पर भी विशाल भंडारा आयोजित हुआ।

पलिया में नवरात्रि के बाद आयोजित कन्या भोज। ● अमृत विचार

नवरात्रि समापन पर हुआ कन्या पूजन और हवन

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : बहेरा गांव में शारदीय नवरात्रि पर इस वर्ष भी भव्य दुर्गा जागरण एवं पूजन कार्यक्रम किया गया। आयोजन की जिम्मेदारी ग्राम वासियों ने मिलकर निभाई। समापन पर हवन, पूजन और कन्या भोज कराकर शोभायात्रा निकालकर मां की प्रतिमा का विसर्जन शारदा नदी में किया गया। विनोद कुमार भार्गव, महेंद्र कुमार भार्गव, संतोष कुमार भार्गव, छोटे भार्गव, प्रदीप कुमार भार्गव आदि भक्तों ने हलवा, पूड़ी, सब्जी, फल और विभिन्न प्रकार का प्रसाद बांटा। कमेटी ने कन्याओं को भोजन कराकर चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया।

खबरें www. amrit vichar. com पर भी पढ़ें

रोटरी क्लब मुस्कान ने किया पौधरोपण

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: रोटरी क्लब मुस्कान के पदाधिकारियों ने नवोदय इंटर कॉलेज के प्रांगण में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया है। कॉलेज परिसर में नगर पालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष एवं रोटरी क्लब मुस्कान की अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की। उन्हें श्रद्धांजलि देकर कदंब, अशोक, आंवला सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए। पौधरोपण में अरविंद गुप्ता रामजी, शिवगोपाल गुप्ता, भारतीय स्टेट बैंक के सीनियर प्रबंधक योगेश कुमार आदि रहे।

राम के अग्निवाण से रावण का पुतला जल उठा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: छोटी काशी की श्रीरामलीला में 11वें दिन गुरुवार को दशहरा पर्व पर प्रभु श्रीराम के अग्निबाण चलाने के बाद मैदान में 40 फीट ऊंचे अहंकारी रावण का पुतला धू-धूकर जलने लगा। मैदान के आसपास मौजूद हजारों लोगों की भीड़ ने श्रीराम का जयघोष किया। आतिशबाजी के रंगीन नजारों से श्रीरामलीला मैदान जगमग हो गया। देर शाम तक चली रामलीला में उमड़ी भीड़ श्रीराम की विजय की साक्षी बनी।

गुरुवार को विजयदशमी पर्व पर दर्शकों से खचाखच भरे श्री रामलीला मैदान में श्रीराम, लक्ष्मण और वानर सेना का मेघनाद, कुंभकरण और रावण से घमासान युद्ध हुआ। युद्ध के दौरान रावण अपनी मायावी शक्तियों का सहारा लेकर छल से युद्ध करता रहा। लक्ष्मण के घातक प्रहार से मेघनाद का अंत हो गया। श्रीराम ने रावण के भाई कुंभकरण को परलोक पहुंचा दिया।

श्रीराम और रावण का युद्ध काफी रोमांचक हो गया, जिसमें रावण के हाथ और सिर कई बार धड़ से अलग हुए लेकिन नाभि में अमृत होने के चलते हो वह जी उठाता और युद्ध करने लगता। जब युद्ध का अंत नहीं दिख तो रावण के अनुज विभीषण ने प्रभु श्रीराम को रावण की नाभि में अमृत होने की बात कही। प्रभु श्रीराम ने रावण की नाभि में तीर मारकर उसे धराशाई कर दिया। मरते समय रावण ने हे राम का संबोधन किया। प्रभु श्रीराम ने रावण से कहा सुन लंकेश सकल गुन तो, ताते तुम अतिशय प्रिय मोरे। श्रीराम ने अपने भाई लक्ष्मण को विद्वान रावण के पास शिक्षा लेने भेजा और उन्हें बताया कि जीवन में शिक्षा लेनी है तो उनके पैरों के पास जाकर शिक्षा लेते हैं। इस पर लक्ष्मण रावण के पैरों के पास जाकर खड़े हो गए। तब रावण ने उन्हें राजनीति की शिक्षा दी। इसी बीच रावण ने प्राण त्याग दिए। मुख्य अतिथि विधायक अमन गिरि, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने 40 फीट ऊंचे अहंकारी रावण के पुतले सहित मेघनाथ, कुंभकरण के पुतल में आग लगाकर असत्य पर सत्य की जीत का संदेश दिया। बाद में प्रभु श्रीराम की आरती हुई।

गोला के मेला मैदान में राम-रावण युद्ध का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

धू-धू कर जलता रावण का पुतला।

पुतले की राख, लकड़ी लेने को उमड़ी भीड़

मान्यता के अनुसार रावण के पुतले की राख, लकड़ी घर में रखने से बुरी शक्तियों का प्रवेश नहीं होता है। इसी कारण रावण का पुतला जलने के बाद मैदान में मौजूद भीड़ में राख लेने की होड लग गई। पुलिसकर्मियों, श्रीरामलीला समिति के लोगों ने सुरक्षा की दृष्टि से लोगों को ऐसा करने से मना किया।

रामलीला देखने के लिए मौजूद दर्शक। ● अमृत विचार

मां भगवती की भक्ति में झूम उठे ग्रामीण

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचार: गांव इमलिया में स्थित संकट मोचन श्री हनुमान मंदिर बरमबाबा स्थान पर माता रानी का जागरण कराया गया। भाजपा विधायक अमन गिरि ने मां भगवती की पूजा अर्चना के साथ दीप प्रज्वलित कर जागरण का शुभारंभ किया। कलाकारों ने मां भगवती के मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे सभी श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। गुरु वंदना, गणेश वंदना, सरस्वती वंदना और ज्योति वंदना के साथ जागरण का शुभारंभ किया गया।

शाहजहांपुर की प्रीति ने शेरावाली मैया का आज जगराता है, सियाराम जय राम जय जय राम, प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, चलो बुलावा आया है, शेर पर सवार होके आजा शेरावालिए,आदि भजनों से देर रात तक श्रोताओं को आनंदित किया। कलाकारों ने बीच-बीच में सुंदर झांकियां भी दिखाई। इस अवसर पर भाजपा नेता अवधेश मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, सुमेघा पटेल, पंकज वर्मा, प्रधान विपिन यादव, पूर्व प्रधान अनुमोद वर्मा, प्रधान आलोक जायसवाल, दीपक कुमार आदि रहे।

इमलिया गांव में जागरण की शुरुआत कराते विधायक अमन गिरि।

● माता के जागरण में उमड़ी भक्तों की भीड

बालाजी मंदिर में हुआ मां का जगराता

संपूर्णानगर ,अमृत विचार: सिंगाही खुर्द स्थित बालाजी मंदिर परिसर में गुरुवार की रात भव्य नवरात्रि जागरण का आयोजन हुआ। लखनऊ और शाहजहांपुर से आए कलाकार अंजलि, राकेश, सानू और संचालक रामबरन कुशवाहा आदि ने माता के भजन प्रस्तुत कर भक्तों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि संपूर्णानगर थाना अध्यक्ष कृष्ण कुमार को मंदिर संरक्षक ओमप्रकाश मद्धेशिया, रामनिवास मित्तल, राजेश भास्कर और पुजारी सर्वेश मिश्रा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।जागरण के दौरान निकली पंचमुखी हनुमान की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। बालाजी धाम युवा कल्याण समिति के कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

बवासीर भगन्दर
ऑपरेशन से बचें
दर्द रहित उपचार
डॉ. एस.के. गुप्ता
(गुप्त रोग चिकित्सक)
बवासीर भगन्दर रोग विशेषज्ञ
ऑपरेशन से बचें # दर्द रहित उपचार
सैक्स
रोगियों का यूनानी आयुर्वेदिक इलाज
बवासीर को अनदेखा करना घातक हो सकता है
● मस्से होना ● सूजन होना
● जलन होना ● उठाने-बैठने में तकलीफ होना
● खूनी बवासीर होना
धात, स्वप्नदोष, सुस्ती, कमजोरी, शीघ्र पतन होना, जोश में कमी, रूकावट, बवासीर, भगन्दर, ल्यूकोरिया, महावारी का न होना, शुक्राणुओं की कमी, निःसन्तान रोगी (नशा छुड़वायें), सोराइसिस, नलों का बंद होना, कैंसर, शुगर, इन्द्री का लंबापन, मोटापन, 50 साल से ऊपर वाले मर्दों का सैक्स पावर खत्म होना, गुर्दे का क्रीटानीन, प्रोस्टेट, अल्सर, योनि का ढीलापन, पेशाब बार-बार आना, पेशाब में खून आना।
नशा छुड़ाए? नशे से कुछ ही दिनों में छुटकारा पायें।
नोटः- हर जगह से निराश रोगी एक बार अवश्य मिलें।
सुबह 10:30 से 2:30 तक, शाम 6:30 से 8:30 तक
रविवार 10:30 से 2:30 तक
डॉ. सी.पी. गुप्ता क्लीनिक
स्थापित 1960
माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड आफिस के सामने, चौपुला से कुतुबखाना रोड, बरेली।
मो. 9259082174

रोहिलखण्ड कैंसर इंस्टीट्यूट बरेली
कैंसर की संपूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
200 BED का Cancer अस्पताल अब आपके शहर में
रेडियोथेरेपी के लिए वेरियन ट्रुबीम एसटीएक्स (लीनियर एक्सलरेटर)
High Definition MLC, SRS, SBRT, IMRT, IGRT, Rapid ARC, RGSC, VMAT, 3D CRT, 6D Couch, 3 Energy Phototherapy, 5 Energy Electron Therapy
● बरेली का एकमात्र PET CT
● पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
● सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, ● रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, ● डे केयर कीमो थेरेपी, ● इम्यूनोथेरेपी ● कैंसर आईसीयू, ● फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री ● मैमोग्राफी, ● कैंसर के रोकथाम की ओपीडी, ● टर्मिनल कैंसर मरीजों की देखभाल ● इण्टरवेशनल रेडियोलॉजी
● प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
● मुख्यमंत्री राहत कोष योजना द्वारा फ्री में इलाज की सुविधा
Academic Programmes
M.D. Radiation Oncology (4 Seats)
Diploma in Radiotherapy Technician (30 Seats)
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस, नजदीक सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली उ.प्र. 243006
हैल्पलाइनः 7891235003, पैट सीटी बुकिंग के लिए +91 9811187117, आपातकालीन 9258116087
www.rohilkhandcancerinstitute.com Follow us on : /rohilkhand cancer institute

न्यूज ब्रीफ

किशोरी ने फंदा लगाकर दी जान

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव भगौतीपुर में एक 12 वर्षीय किशोरी ने गुरुवार की रात अपने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने पोस्टमाट4म कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। गांव भगौतीपुर निवासी जगतपाल ने बताया कि उनकी 12 वर्षीय बेटी अंशिका राज उर्फ कंचन पढ़ने-लिखने में अच्छी थी। गुरुवार कर रात करीब 11 बजे उसने घर के बरामदे में अज्ञात कारणों के चलते फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना स्थल के पास फोन में जिस तरह से उसने घटना को अंजाम दिया, उसी प्रकार की रील्स चल रही थीं। आशंका जताई जा रही है कि रील्स को देखते हुए उसने उसी तरीके से फांसी लगाई और उसकी मौत हो गई।

वाहन की टक्कर से मजदूर की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र में मजदूरी कर घर पैदल वापस जा रहे एक युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मोहल्ला कनौजिया कालोनी निवासी 40 वर्षीय दुर्गा गुरुवार की शाम पांच बजे मजदूरी कर पैदल अपने घर वापस जा रहे थे. सीतापुर रोड स्थित पिपरिया के पास एक प्राइवेट अस्पताल के सामने वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सड़क दुर्घटना में ग्रामीण की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना फूलबेहड़ क्षेत्र के गांव मौजमाबाद में शारदा नदी में देवी मां की मूर्ति विसर्जन कर वापस आ रहे 56 वर्षीय गुड्डू ट्रैक्टर की चपेट में आकर सनवानी पुरवा स्थित शराब की भट्टी के पास खाई में गिर गया। इससे वह घायल हो गया। उसे मौजूद लोगों ने जिला अस्पताल भिजवाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मारपीट के छह आरोपियों का शांतिभंग में चालान

रोशननगर, अमृत विचार : थाना हैदराबाद प्रभारी निरीक्षक सुनील मलिक ने बताया कि पुलिस ने गांव बुधेली नानकार में दो पक्षों के बीच हुए विवाद में शामिल छह आरोपियों जगदीश प्रसाद, दलवीर, पुत्तूलाल, परसराम, रंजीत और प्रताप को गिरफ्तार कर शांति भंग करने के आरोप में चालान भेजा है।

आढ़तों पर लगे ढेर, सरकारी केंद्रों पर पहले दिन शून्य रही धान खरीद

जिले के सभी केंद्रों पर अभी केवल 17 फीसदी नमी वाला ही धान खरीदा जाएगा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में शुक्रवार से सरकारी केंद्रों पर धान खरीद शुरू हो गई। जिले में 124 केंद्र बनाए गए हैं, लेकिन राजापुर मंडी समेत किसी भी सेन्टर पर पहले दिन सरकारी धान खरीद नहीं हो सकी। वजह है कि विभागीय निर्देश के अनुसार 17 फीसदी नमी वाला धान ही खरीदा जाएगा, जबकि अभी धान में 28 फीसदी या इससे ज्यादा नमी है। ऐसे में अधिकारियों का कहना है कि किसान धान को सुखाकर केंद्र पर लाएं। वहीं, आढ़तों पर धान की खरीद होती रही और ढेर लगे नजर आए।

जिले के केंद्रों पर धान खरीद शुक्रवार से शुरू कर दी गई है। क्षेत्रीय विपणन अधिकारी डॉ. आरडी प्रसाद राजापुर मंडी में लगे सेंटरों पर व्यवस्था कराते मिले। कांटा और बैनर लग चुके हैं, लेकिन पहले दिन खरीद नहीं हो सकी। क्योंकि जो किसान आए उनके धान में नमी की मात्रा काफी थी। नियमों के अनुसार 17 फीसदी तक नमी वाला धान ही खरीदा जा सकता है। जिले के अधिकांश जगहों पर धान कटाई का काम तेजी से हो रहा है। चूंकि फसल में नमी की मात्रा अधिक है, इसलिए किसानों से अपील की गई है कि वह फसल को सुखाकर ही केन्द्रों पर लाएं। इस बार धान खरीद 31 जनवरी तक चलेगी। निर्देश हैं कि फसल बिक्री होने के 24 घंटे के भीतर किसान के खाते में धनराशि भेज दी जाएगी। जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी (डिप्टी आरएमओ) नमन पांडेय ने बताया कि इस बार धान का न्यूनतम मूल्य 2369 रुपये और ग्रेड ए धान की कीमत 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है। किसानों को कोई असुविधा न हो इसके लिए लेखपालों को भी तैनात किया गया है। केन्द्र प्रभारी किसानों से संपर्क कर धान खरीद को बढ़ाने में लगे हुए हैं।

राजापुर मंडी में आढ़तियों के यहां लगे धान के ढेर। ● अमृत विचार

राजापुर मंडी में सूना पड़ा खाद्य केंद्र।

सरकारी खरीद तीन अक्टूबर से शुरू हो गई है, लेकिन अभी धान में नमी अधिक है। यही वजह है कि पहले दिन खरीद नहीं हो सकी। किसान भाइयों से अपील है कि अपना धान सुखाकर सरकारी केन्द्र पर ही बेचें और वाजिब दाम पाएं। किसी भी बिचौलिए के चक्कर में न पड़ें। सीधे सेन्टर पर पहुंचकर जानकारी लें।

-नमन पांडेय, डिप्टी आरएमओ

कहां कितने लगे केंद्र

खाद्य विभाग	–	36
पीसीएफ	–	31
पीसीयू	–	31
यूपीएसएस	–	23
मंडी समिति	–	01
भारतीय खाद्य निगम	–	02
कुल खरीद केन्द्र	–	124

छात्र पर धारदार हथियार से हमला हालत गंभीर

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: कोतवाली सदर क्षेत्र के छाउछ चौराहे पर मोबाइल मरम्मत कराने गए युवक पर दुकान मालिक ने धारदार औजार से हमला कर दिया। घटना में पीड़ित के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने आरोपी खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। छात्र का मेडिकल परीक्षण कराया है।

शहर के छाउछ गैस प्लांट के निकट रहने वाले रीशू अवस्थी ने बताया कि गुरुवार को वह मोबाइल में ग्लास डलवाने के लिए छाउछ चौराहा पर स्थित समीर की दुकान पर गया था। मामूली बात पर उसका दुकानदार से विवाद हो गया। इससे गुस्साए दुकानदार ने उसके सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया और जान से नार देने की धमकी दी। इससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया। वह किसी तरह से घर पहुंचे और परिवार वालों को घटना की जानकारी दी। परिजन उसे लेकर कोतवाली पहुंचे और पुलिस को तहरीर दी। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि आरोपी समीर अली निवासी छाउछ के खिलाफ सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। घायल का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

तीन माह पहले लगी इंटरलॉकिंग को उखड़वाने लगा प्रधान पति

संवाददाता, निघासन

● रमियाबेहड़ के गौरिया गांव में महिलाओं ने किया विरोध वीडियो वायरल

अमृत विचार: तीन महीने पहले ग्राम निधि से लगवाई गई इंटरलॉकिंग को प्रधान पति अपने कुछ गुर्गों के साथ उखड़वाने लगा। इंटरलॉकिंग को उखाड़ते देख वहां पर मौजूद महिलाओं ने विरोध किया और सड़क उखाड़ रहे गुर्गों से सब्बल छीन लिया। मौके पर मौजूद प्रधान पति व उसके साथियों के साथ महिलाओं की काफी नोंकझोंक हुई। 112 को सूचना दी गई जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। किसी ने घटना से संबंधित वीडियो बना लिया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

मामला रमियाबेहड़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत गौरिया का है। तीन महीने पहले ग्राम निधि से संतोष कश्यप के घर से रामकुमार मौर्य के घर तक इंटरलॉकिंग सड़क बनाई गई थी। एक महीने पहले इस सड़क पर एक पक्ष के लोगों ने पिलर बना दिये तो दूसरे पक्ष ने विरोध किया। थाना, ब्लॉक से लेकर डीएम, एसपी तक शिक़ायत की गई लेकिन सड़क से पिलर नहीं हटाये गए। गुरुवार दोपहर बाद प्रधान पति प्रमोद मौर्य अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और इंटरलॉकिंग सड़क को उखड़वाने लगा। मौके पर मौजूद महिलाओं ने विरोध करते हुए सड़क उखाड़ रहे लोगों से सब्बल छीन कर फेंक दिए। सड़क उखाड़ने का विरोध कर रहे रामकुमार मौर्य के मुताबिक प्रधान पति ने ही तीन महीने पहले मौके पर बैठ कर इंटरलाकिंग लगवाई थी अब विपक्षी लोगों के बहकावे में आकर सड़क उखड़वाने का प्रयास कर रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक सरकारी धन से बनाई गई इंटरलाकिंग को चुनावी मौसम के चलते प्रधानपति खुदवाना चाहता है।

बताया जाता है जिन लोगों के लिए यह सड़क बनाई गई थी वह लोग पहले प्रधान के समर्थक थे लेकिन अब दूसरे गुट में शामिल हो गए हैं। इसी रंजिस के चलते प्रधान पति इंटरलाकिंग खुदवाना चाहता है। पीड़ित ने अधिकारियों से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है। फिलहाल प्रधान पति का गुट इंटरलाकिंग उखड़वाने और विपक्षी सड़क को उखड़ने से बचाने की जद्दोजहद में लगे हुए हैं।

जलभराव होने से फसलें बर्बाद अर्द्धनग्न होकर किसानों का प्रदर्शन

धान के पानी भरे खेत में प्रदर्शन करते किसान। ● अमृत विचार

संवाददाता, सिंगाही

● किसानों ने जिला प्रशासन के खिलाफ जताया रोष

अमृत विचार: विकास खंड सिंगाही की ग्राम पंचायत सिंहौना में किसानों ने खेतों में जलभराव की समस्या को लेकर अनोखा विरोध किया। शुक्रवार को सैकड़ों किसान अपने खेतों में एकत्र हुए और कपड़े उतारकर पानी से भरे खेतों में खड़े होकर प्रशासन के खिलाफ रोष जताया।

किसानों का कहना है कि बाढ़ के पानी के निकासी न होने से करीब 500 एकड़ में खड़ी गन्ना और धान की फसलें बर्बाद हो रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ही कुछ दबंगों ने नाले को पाट दिया है, जिससे खेतों का पानी पास के जौरहा नाले में नहीं जा पा रहा। आक्रोशित किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो वे जल समाधि लेने को मजबूर होंगे। किसानों ने सवाल उठाया कि सरकार किसानों के हितैषी होने का दावा करती है, लेकिन उनकी पुकार सुनने वाला कोई नहीं है।

जुमे की नमाज़ को लेकर प्रशासन रहा सतर्क

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: बरेली में पिछले जुमे उपद्रवियों द्वारा दंगा भड़काने की घटनाओं को देखते हुए खीरी प्रशासन शुक्रवार को पूरी तरह अलर्ट रहा। नगर से लेकर कस्बों और ग्रामीण इलाकों तक पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। अफसरों ने मस्जिदों का दौरा किया। इमाम और उलेमाओं से भी बातचीत कर उन्हें ताकीद किया।

बरेली में हुए बवाल के बाद से जिले में भी चौकसी बरकरार है। पुलिस प्रशासन से लेकर खूफिया विभाग अलर्ट हो गया। उधर, खीरी कस्बे में पुलिस के साथ पीएसी भी डेरा डाले है। सुबह से ही एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह, सीओ सिटी विवेक तिवारी और सदर कोतवाल राजेश सिंह ने शहर की प्रमुख मस्जिदों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने मुस्लिम समाज के धर्मगुरुओं और मस्जिद कमेटी के पदाधिकारियों से मुलाकात कर सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से नमाज अता कराने की अपील की।

जामा मस्जिद के बाहर एसडीएम सदर अश्वनी कुमार सिंह व प्रशिक्षु सीओ विवेक तिवारी।

● मस्जिदों का किया निरीक्षण शांति बनाए रखने की अपील

अधिकारियों ने कहा कि नमाज के बाद लोग सीधे अपने घर या काम धंधे पर लौटें और कहीं भी अनावश्यक रूप से भीड़ न लगाए। प्रशासन ने अफवाहों से बचने की सख्त हिदायत दी। लोगों से कहा गया कि किसी भी तरह की भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें और यदि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। निघासन, धौरहरा, पलिया और मितौली जैसे कस्बों में भी अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई। ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों के आसपास पैदल गश्त कर लोगों से संवाद किया गया। संवेदनशील स्थानों पर फोर्स की पिकेट ड्यूटी लगाई गई। प्रशासन की मुस्तैदी और धर्मगुरुओं के सहयोग से जिलेभर की सभी मस्जिदों में जुमे की नमाज़ शांति और सकुशल माहौल में संपन्न हुई। कहीं भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

ड्रोन और पेट्रोलिंग से निगरानी

प्रशासन ने भीड़भाड़ और संवेदनशील इलाकों में ड्रोन कैमरों से निगरानी रखी। पुलिस की मोबाइल टीमें लगातार गश्त करती रहीं। प्रमुख चौराहों, बाजारों और मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया। जुमे की नमाज पुलिस की सुरक्षा में शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

भीरा : जुमे की नमाज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। जामा मस्जिद गौसिया मस्जिद सलावत नगर मस्जिद के आसपास भारी पुलिस फोर्स तैनात रहा। कोतवाल गोपाल नारायण सिंह खुद भी फोर्स के साथ हालातों पर नजर रखे रहे। प्रभारी निरीक्षक ने मुस्लिम धर्म गुरुओं और समाज के जिम्मेदार लोगों से संवाद कर सौहार्दपूर्ण ढंग से नमाज अदा करने और किसी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की थी। गड़बड़ी होने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी।

चौखड़ा फार्म में तेंदुए का आतंक, एक हफ्ते में छह कुत्ते मारे

मझगई, अमृत विचार: चौखड़ा फार्म क्षेत्र में तेंदुए का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले एक हफ्ते में तेंदुआ बरियाम सिंह, निशान सिंह, नरेंद्र सिंह लाडी समेत कई ग्रामीणों के करीब छह से अधिक कुत्तों को मौत के घाट उतार चुका है। ग्रामीणों के मुताबिक तेंदुआ पूर्व प्रधान सतपाल सिंह के झाले के पास डेरा डाले हुए है। इससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

सूचना मिलने पर वनकर्मी मौके पर पहुंचे और पूर्व प्रधान के झाले पर सायरन लगाया। पूर्व प्रधान का कहना है कि तेंदुआ जब सायरन की जद में आता है तो सायरन बजने लगता है, जिससे लोग और भी भयभीत हो जाते हैं। वन क्षेत्रीय अधिकारी अंकित सिंह ने बताया कि मौके का मुआयना किया गया है। दहशत कम करने के लिए सायरन लगाया गया है और जल्द ही पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ा जाएगा।

कांवड़ यात्रा के वालंटियर को बांटे प्रशस्ति पत्र

प्रशस्ति पत्र के साथ कांवड़ यात्रा में सहयोग करने वाले वालंटियर और पुलिस। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● मोहम्मदी पुलिस ने की सावन मेला में सहयोग की सराहना

अमृत विचार: मोहम्मदी पुलिस ने सावन की कांवड़ यात्रा में सहयोग करने वाले वालंटियर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

सीओ अरूण कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक उमेश चन्द्र चौरसिया, चौकी प्रभारी रेहरिया हिमांशु आनंद सिंह ने वालंटियरों के कार्यों की प्रशंसा की।

ग्रंट साहबगंज प्रधान सुदेश कुमार, अमरजीत सिंह, अजय कुमार, रामकुमार कश्यप, धर्मेंद्र कुमार, विनोद कुमार, वीरपाल, सतेंद्र सिंह, प्रदीप कुमार, उमाशंकर, नवनीत कुमार, पंकज कुमार, धनपाल सिंह, हरिनाम सिंह, कश्मीर सिंह, मनोज सिंह, धर्मेंद्र कुमार, संदीप कुमार, मुलायम सिंह, उदयवीर श्रीवास्तव, आरिफ गाजी, जितेंद्र सिंह और विपिन राठौर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

डी फार्मा में प्रवेश के नाम पर 40 हजार रुपये ठगे

संवाददाता, सिंगाही

● कुशीनगर के आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, जांच शुरू

अमृत विचार: थाना सिंगाही क्षेत्र की ग्राम पंचायत निबौरिया के मजरा पोखरी निवासी राम कैलाश से डी फार्मा में प्रवेश दिलाने के नाम पर 40 हजार रुपये ठग लिए गए। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पोखरी निवासी राम कैलाश ने बताया कि डी फार्मा में प्रवेश के लिए उसने डॉ. एसके कौशल से बात की। डॉक्टर ने उनकी मुलाकात कुशीनगर जिले के रौरी बाजार निवासी नित्यानंद से मुलाकात कराई। नित्यानंद ने प्रवेश के नाम पर उससे अलग-अलग तिथियों में अपने खाते में 65 हजार रुपये डलवाए। यह रकम उन्होंने आरटीजीएस के जरिए उसके खाते में भेजी। आरोप है कि प्रवेश के लिए तो कभी फीस और प्रोसेसिंग चार्ज के बहाने बनाकर लगातार उससे रुपये मांगे, लेकिन प्रवेश के बारे में कुछ नहीं बताया। इस पर जब उन्होंने रुपये मांगे तो उसने अलग-अलग दिनों में भी तक 25 हजार रुपये की वापस किए। शेष रुपये वापस नहीं कर रहा है। पीड़ित का कहना है कि जब उन्होंने शेष रुपये वापस करने का दबाव बनाया तो आरोपी ने रुपये देने से मना कर दिया।

परेशान होकर राम कैलाश ने थाना सिंगाही में लिखित तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वन्य प्राणी सप्ताह के तहत निकली गई विशाल जागरुकता रैली

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार : दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग में चल रहे वन्य प्राणी सप्ताह के तहत नगर की प्रमुख सड़कों पर विशाल जनजागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ उपनिदेशक दुधवा टाइगर रिजर्व जगदीश आर ने हरी झंडी दिखाकर किया।

रैली में दुधवा व किशनपुर वन्य जीव प्रभाग के सभी रेंजों के वनकर्मियों के साथ गोल्डन फ्लावर पब्लिक स्कूल, द इंडियन अकैडमी, बलदेव वैदिक इंटर कॉलेज, जिप बालिका इंटर कॉलेज, द नेचर सोसायटी आदि के छात्र, नेचर गाइड, ड्राइवर, इको विकास समितियों के सदस्य और विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी शामिल रहे। रैली मुख्यालय से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस मुख्यालय पहुंची।

मुख्यालय पर आयोजित गोष्ठी में उपनिदेशक जगदीश आर, वन्य जीव प्रतिपालक महावीर सिंह, एसडीओ बेलरायां दीपक कुमार पांडेय और किशनपुर के वन्य जीव प्रतिपालक धर्मेंद्र द्विवेदी ने वन्य जीव संरक्षण पर विचार रखे। संचालन कार्यालय प्रमुख रमेश कुमार ने किया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व विषय पर बनाए गए मॉडल प्रदर्शित किए गए, जिनका अधिकारियों ने निरीक्षण किया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।

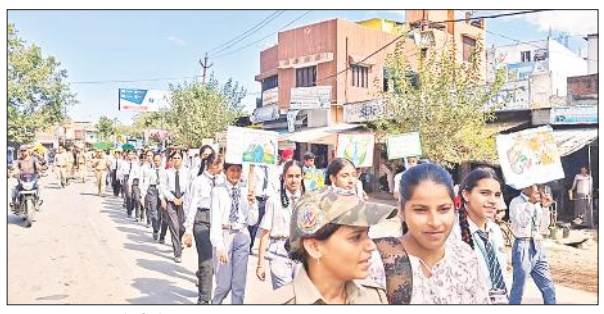

जन जागरूकता रैली में शामिल छात्र ● अमृत विचार

● गोष्ठी व मॉडल प्रदर्शनी का भी किया आयोजन

छात्राओं ने संभाली अधिकारियों की कमान

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

समस्याएं सुनतीं एक दिन की बतौर चौकी इंचार्ज राशी शुक्ला

एक दिन की थाना प्रभारी बनी छात्रा शशी राठौर। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मिशन शक्ति अभियान के तहत सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कालेज गोला की नौवीं कक्षा की राशी शुक्ला को एक दिन के लिये चौकी प्रभारी बनाया गया। इस मौके पर थानाध्यक्ष हैदराबाद सुनील मलिक व चौकी इंचार्ज ढखवा महादेवी व क्षेत्रीय ग्राम प्रधान के सहित स्टॉफ स्टाफ व शिक्षक मौजूद रहे।

थानाध्यक्ष सुनील कुमार मलिक ने आई छात्राओं को मिशन शक्ति के बारे मे बताया। राशी शुक्ला ने चौकी प्रभारी बनते ही चौकी का निरीक्षण किया और सफाई देखकर खुश हुईं। उन्होंने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस मौके पर एसएसआई संत पाल सिंह राठौर, महिला सिपाही कोमल, रीतू शर्मा, रजनी, व आरक्षी दीपक वर्मा, आरबी सिंह आदि मौजूद रहे।

मैगलगंज। मिशन शक्ति के तहत को बाबे की पब्लिक इंटर कॉलेज चपरतला की कक्षा 11 की छात्रा शशी राठौर को एक दिन की थाना प्रभारी और कक्षा 12 की छात्रा गौरी मिश्रा को मढ़िया चौकी इंचार्ज और श्रेया अवस्थी को चौकी इंचार्ज औरंगाबाद के रूप में नियुक्त किया गया।

छात्रा शशी राठौर को पुलिस अपनी गाड़ी से विद्यालय से लेकर कोतवाली पहुंचीं, जहां थाना प्रभारी रविंद्र पांडे सहित पुलिस टीम ने उनका स्वागत किया। इसके बाद शशी राठौर ने थाने के दैनिक कार्यों का संपादन कराया। शशी ने आए फरियादियों की शिकायतों को सुना और उन्हें जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। थाना परिसर में बच्चे की गुमशुदी की सूचना लेकर आए फरियादी की बात सुनते हुए गुमशुदगी दर्ज कर सर्च अभियान का आदेश दिया, काफी लंबे समय से लंबित मामले पर जांच प्रक्रिया तेज कर त्वरित निस्तारण के आदेश दिए। पश्चात थाना क्षेत्र का भ्रमण कर कानून व्यवस्था की समीक्षा की। बैंकों का निरीक्षण किया। विद्यालय इमरान, भाग सिंह आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से हुआ आरएसएस का शस्त्र पूजन

धौरहरा के रामनवमी मंदिर में शताब्दी वर्ष मनाते स्वयंसेवक ● अमृत विचार

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में कस्बे के रामनवमी मंदिर परिसर में विजयदशमी के पावन अवसर पर भव्य शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संघ द्वारा प्रतिवर्ष परंपरा अनुसार विजयदशमी के दिन शस्त्र पूजन किया जाता है, लेकिन इस वर्ष संगठन के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कार्यक्रम विशेष रूप से उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने पारंपरिक गणवेश में अनुशासित ढंग से शस्त्रों का पूजन-अर्चन किया। इस अवसर पर संगठन की विचारधारा, राष्ट्रसेवा और शारीरिक सुदृढ़ता पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने विजयदशमी के महत्व, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की विजय गाथा पर प्रकाश डाला। समापन पर सभी ने संगठन के शताब्दी वर्ष में राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके रमेश कुमार रस्तोगी, डॉक्टर मुकेश गुप्ता, गोपाल शंकर अवस्थी, लकी साहू, आदि मौजूद रहे।

दशहरा मेले में उमड़ा जनसैलाब

धौरहरा, अमृत विचार: विजयदशमी पर गुरुवार को कस्बे मेले में आतिशबाज़ी और जय श्रीराम के नारों के बीच जैसे ही रावण का पुतला धू-धू कर जला, पूरा मैदान तालियों और जयघोष से गूंज उठा। मेला मैदान में हजारों की संख्या में लोग एकत्र हुए। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनज़र सीओ शमशेर बहादुर प्रभारी निरीक्षक शिवाजी दुबे सहित पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। इस अवसर पर एसडीएम शशिकांत मणि, तहसीलदार आदित्य विशाल, मेला कमेटी के प्रबंधक रमाशंकर शुक्ला, गोपाल शंकर अवस्थी, कोषाध्यक्ष सुदीप निगम 'सिप्पू', नंदकिशोर जायसवाल, चेयरमैन नफीस खां, पूर्व चेयरमैन राजीव जायसवाल, नीरज निगम आदि उपस्थित रहे।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 4 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

गिरिजाघर के पास्टर इंचार्ज बने सचिन रॉबिंसन

बदायूं, अमृत विचार : नॉर्थ रीजनल कॉन्फ्रेंस, बरेली ने गिरिजाघर के पादरी सचिन रॉबिंसन को जिला अधीक्षक, सिंग्लर गर्ल्स इंटर कॉलेज का मैनेजर और इंद्राचौक स्थित मैथोडिस्ट गिरिजाघर का पास्टर सेंट्रल इंचार्ज बनाया है। उन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया। प्रधानाचार्य सुमन अब्राहम और कॉलेज स्टाफ ने पुष्प देकर स्वागत किया। गिरिजाघर में भी सचिन रॉबिंसन का माल्यार्पण किया और बधाई दी। इस मौके पर विजय मसीह, एल्विन वेलिंगटन, सिद्धार्थ मसीह, प्रभात सिंह, सोलोमन मॉरिस, सुशांत सिंह, धर्मेंद्र लाल, ईपी सिंह मौजूद रहे।

पौधरोपण अभियान का समापन, सम्मानित हुए पर्यावरण मित्र

बिल्सी, अमृत विचार : बिसौली रोड स्थित जैन मंदिर पद्मांचल पर अरिहंत वृक्षारोपण समिति की ओर से चल रहे पौधारोपण अभियान का आज समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य संजीव रूप व युवा व्यापारी दीपक माहेश्वरी रहे। शुभारंभ में छायादार व औषधीय पौधे लगाकर किया गया। सीओ संजीव कुमार ने समिति के 151 दिन चले पौधरोपण अभियान में विशेष योगदान देने वाले युवाओं को प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर कवि विष्णु असावा, मृगांक जैन टीटू, देव ठाकुर, डॉ नीरज अग्निहोत्री, रमेश चंद्र शर्मा, अनुज वार्ष्णेय, पीयूष वार्ष्णेय ,केशव वार्ष्णेय आदि को सम्मानित किया। इसके बाद समिति के संस्थापक प्रशांत जैन ने बताया कि उनकी संस्था विगत वर्ष 2016 से पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चला रही है। जिसके तहत अब तक 55000 पौधों का रोपण जिलेभर में किया है। समय-समय पर पर्यावरण मित्रों को सम्मानित कर लोगों मे पर्यावरण संरक्षण के लिए जागृति करने का काम किया है। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

युद्ध के बाद राम ने रावण का किया दहन

कादरचौक, अमृत विचार : कस्बा कादर चौक में बड़े हर्ष और उल्लास के साथ दशहरा का पर्व मनाया गया। राम रावण के युद्ध के बाद रावण का पुतला दहन किया गया। गुरुवार को यहां दशहरा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। मेला मैदान में पहले राम रावण के बीच युद्ध हुआ उसके बाद बुराई रूपी रावण को सत्य रूपी राम ने तीर मार कर जला दिया भारी भीड़ के बीच खेले गए राम रावण के युद्ध को लोगों ने देखा। इस मौके पर मेला अध्यक्ष उमेश चंद्र गुप्ता, सतीश चंद्र गुप्ता, डॉ केपी यादव, रंजीत गुप्ता, महेंद्र पाल शाक्य, शिव प्रताप, विजय गुप्ता, अमित जौहरी आदि लोग मौजूद रहे।

हनुमान के आग लगाने के बाद जलती लंका। ● अमृत विचार

पुतला दहन के दौरान मंचासीन भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, शारदेंदु पाठक, जिला अधिकारी अवनीश राय, एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह, एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी व अन्य।

रावण से युद्ध करते श्रीराम। ● अमृत विचार

जिला पंचायत ने ककोड़ा मेला के मैदान को नापा

मेला परिसर क्षेत्र में मिट्टी डालने की तैयारी, भरे जाएंगे गड्ढे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मेला ककोड़ा की तैयारियों को लेकर जिला पंचायत हर दिन काम कर रहा है। मेला स्थल की जगह की नाप तौल की जा रही है। इससे मैदान पर गड्ढों में मिट्टी डाली जा सके और कच्ची सड़क का निर्माण किया जा सके। इसके साथ ही गंगा किनारे पर सफाई करने को कहा गया है।

रूहेलखंड का मिनी कुंभ मेला ककोड़ा में मुख्य स्नान पर्व 5 नवम्बर को होगा। इससे पहले मेले की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जिला प्रशासन के निर्देश के बाद जिला पंचायत प्रशासन ने मेले की तैयारियां शुरू कर दी हैं। मेला स्थल को शुक्रवार को मापा गया। करीब पांच किमी क्षेत्र को साफ सुथरा बनाने को कहा गया है। इससे मेले में कच्ची सड़क तैयार की जा सके।

नरौरा बैराज से रोका जाएगा पानी

ककोड़ा मेला के आयोजन से पूर्व गंगा का पानी रोका जाएगा। इस समय ऊपर से आने वाले पानी की तेज धार के चलते स्नान करना मुश्किल है। इसलिए नरौरा बैराज के अधिकारियों से बात की जा रही है। मुख्य स्नान से तीन दिन पूर्व पानी रोकने को कहा जाएगा। जो मुख्य स्नान से दस दिन बाद तक लागू रहेगा।

मेला ककोड़ा की तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही हैं। मेला मैदान की नाप तोल कर गड्ढों में मिट्टी डाली जाएगी। पूरे मैदान का समतलीकरण किया जाएगा जिससे लोगों को यहां पर आने जाने ठहरने में कोई दिक्कत नहीं होगी। जिला पंचायत की टीम मेला स्थल पर मौजूद है जो अपने हिसाब से काम करा रही है।

– **दिनेश प्रताप सिंह,** अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत

जिला पंचायत प्रशासन की टीम आज मेला स्थल पर करीब पांच घंटे तक रही। टीम ने मेला परिसर को चार भागों में बांटकर काम करने के निर्देश दिए हैं। जहां पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के डेरे लगाए जाएंगे उस जगह को पहले साफ किया जाएगा। उसके बाद अधिकारियों को बनाए जाने वाले शिविरों के लिए जगह निर्धारित कर समतलीकरण कराया जाएगा। मेले में मीना बाजार और अन्य मार्केट के लिए करीब एक किमी का एरिया छोड़ा गया है। जिला पंचायत प्रशासन ने रोडवेज बस स्टैंड बनाने को मेले से पहले ही करीब दो हजार वर्ग फीट जगह चिन्हित की गई है। जिला पंचायत प्रशासन का कहना है कि इस बार मेले का मुख्य गेट भव्य और सुसज्जित तरीके से बनाया जाएगा।

छात्रा सोनी को एक दिन का महिला थाना प्रभारी बनाया

बदायूं, अमृत विचार : मिशन शक्ति फेस 5.0 के अंतर्गत शुक्रवार को महिला थाने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें आर्य कन्या संस्कृत इंटर कालेज की कक्षा 10 की छात्रा सोनी शर्मा को एक दिवसीय महिला थाने में प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया।

महिला थाने पर आज छात्रा सोनी शर्मा द्वारा महिला थाना के दैनिक कार्यों का संपादन कराया गया। महिला संबंधित शिकायतों की सुनवाई की गई तथा शिकायत निवारण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। मिशन शक्ति फेस 5.0 की उद्देश्यमूलक गतिविधियों एवं महिलाओं बालिकाओं की सुरक्षा हेतु चलाए जा रहे कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। थाना क्षेत्र का भ्रमण कर कानून-व्यवस्था की समीक्षा कराई गई, तथा महिला सुरक्षा उपायों के प्रति आमजन को जागरूक किया गया। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक महिला थाना सहित थाना स्तर के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

45 चुनाव चिन्हों पर होगा प्रधान, जिपं पदों का मतदान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर तेजी से पूरी की जा रही तैयारी

अमृत विचार: आगामी वर्ष में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर शासन प्रशासन स्तर पर तैयारी तेजी के साथ चल रही है। जिले भर में बीएलओ द्वारा मतदाताओं का विवरण ऑनलाइन अपलोड कर दिया गया है, जिसकी फिलहाल सत्यापन प्रक्रिया जारी है। इसी प्रक्रिया के बीच मतपत्रों की संख्या भी निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित की गई है। इस बार ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) और जिला पंचायत सदस्य (डीडीसी) पदों के लिए 45-45 चुनाव चुनाव चिन्ह वाले मतपत्र चुनाव आयोग द्वारा भेजे जाएंगे। इसके अलावा विभिन्न संख्या वाले चुनाव चिन्हों को आयोग प्रशासन को उपलब्ध कराएगा

आगामी साल 2026 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होते हैं। मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण कार्य जिले की सभी ग्राम पंचायतों में चल रहा है। बीएलओ द्वारा अपलोड किए गए मतदाताओं के विवरण का सत्यापन किया जा रहा है। इस बार राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य, बीडीसी पदों के लिए अलग-अलग रंगों के मतपत्र छपेंगे, जिससे मतदाताओं को भ्रम से बचाया जा सके और मतदान प्रक्रिया सुगम हो। चुनाव में ग्राम प्रधान और जिला पंचायत सदस्य (डीडीसी) पद के लिए अधिकतम 45-45 चुनाव चिन्हों वाले मतपत्र तैयार किए जा रहे हैं। इनके अलावा विभिन्न संख्या वाले जैसे 4, 6, 9, 12, 18, 27 और 36 चुनाव चिन्हों के मतपत्र भी निर्वाचन आयोग जिला निर्वाचन विभाग को उपलब्ध कराएगा। जिससे प्रत्याशियों की संख्या के अनुसार लचीलापन बरकरार रह सके। ग्राम पंचायत सदस्य पद के लिए 4, 9 और 12 चुनाव चिन्ह वाले मतपत्र छपेंगे। वहीं बीडीसी पद के लिए भी 4 से लेकर 36 तक चुनाव चिन्हों वाले मतपत्र तैयार किए जा रहे हैं। जिला निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार जिले में करीब 25 लाख से अधिक मतदाता अपने अधिकार का प्रयोग चुनाव के दौरान करेंगे। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतपत्रों की छपाई, मतदान केंद्रों का निर्धारण और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन के स्तर से तैयारी तेजी के साथ पूरी की जा रही हैं। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ प्रमेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि इस बार पंचायत चुनाव में प्रधान पद, डीडीस पदों के लिए 45 चुनाव चिन्हों वाले मतपत्र चुनाव के दौरान प्रयोग होंगे।

नहीं पहुंचे शिक्षक रसोइया के हवाले रहा विद्यालय

कुंवरगांव, अमृत विचार: परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों के स्कूल से गैरहाजिर रहने की बात जगजाहिर है। दो दिन की छुट्टी के बाद भी शिक्षक स्कूल नहीं पहुंचे।

सालारपुर ब्लाक क्षेत्र के गांव हरहरपुर प्राथमिक विद्यालय में कोई शिक्षक स्कूल नहीं पहुंचा। रसोईया और बच्चों ने विद्यालय खोला। स्कूल प्रांगण की साफ सफाई कर बच्चे कक्षा के अनुसार बैठ गए। और शिक्षकों का इंतजार करने लगे। दोपहर के समय विद्यालय पहुंचे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि प्रेमशंकर ने शिक्षकों के न आने की सूचना खंड शिक्षा अधिकारी को दी। सूचना दिए जाने के बाद भी शिक्षक स्कूल नहीं पहुंचे। प्रधान प्रतिनिधि का कहना है

हरहरपुर का विद्यालय राम भरोसे चल रहा है। स्कूल में कार्यरत शिक्षक समय से विद्यालय नहीं आते हैं। अधिकांश समय वह गैरहाजिर रहते हैं । वहीं अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय का चार्ज सहायक अध्यापक शिम्पी शर्मा के पास है। वह कभी कभार ही विद्यालय आती है। शिक्षक भी स्कूल नहीं आते। इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी सालारपुर सुनील कुमार का कहना कि मामला संज्ञान में आया है। जांच कर लापरवाह शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आत्महत्या करने गई किशोरी, पुलिस ने बचाया

बदायूं, अमृत विचार : थाना उसहैत क्षेत्र निवासी धर्मेंद्र ने पुलिस को सूचना कि एक नाबालिग लड़की आत्महत्या करने के इरादे से गंगा में कूदने जा रही है। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची। जहां से एक 15 साल की लड़की को पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि वह मां के डांटने से परेशान होकर गंगा में डूबकर आत्महत्या करना चाहती है। पुलिसकर्मियों ने समझाकर उसे शांत किया और काउसंलिंग की। उसके परिजनों सूचित करके बुलाया और उनके सुपुर्द कर दिया। पुलिसकर्मियों ने परिजनों को हिदायत दी। किशोरी को भी आश्वासन दिया कि कोई भी भविष्य में उसके साथ ऐसी हरकत नहीं करेगा।

शासन से बजट मिलने के बाद भी गड्ढा मुक्त होती नहीं दिख रही सड़कें

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: जिले में लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जाना है। इसके लिए शासन की ओर से करीब 96.87 लाख रुपये का बजट आवंटित किया है। इस कार्य को 15 अक्टूबर तक पूरा किया जाना है, लेकिन यह कार्य समय पर पूरा होता नहीं दिख रहा है। अभी तक लोक निर्माण विभाग टेंडर प्रक्रिया पूरी करने में ही उलझा हुआ है।

बरसात के दौरान शहर सहित देहात क्षेत्र की सड़कें टूट गई हैं। उसमें गड्ढे हो चुके हैं। शासन से लोक निर्माण विभाग को 96.87 लाख रुपये का बजट आवंटित किया है। आवंटित बजट से लोक निर्माण विभाग सड़कों की दशा सुधारने की कवायद में जुट गया है। लेकिन यह कार्य समय पर होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। लिए 15 अक्टूबर तक सड़कों पर पैचवर्क कर दुरुस्त करने के आदेश दिए थे। लेकिन बजट मिलने के बाद लोक निर्माण विभाग अभी तक कार्य को शुरु नहीं कर सका है।

सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के लिए बजट आवंटित हो गया है। टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा रही है। जल्द ही कार्य शुरू कराया जाएगा।

– **देव पाल सिंह,** अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग

12 हजार रुपये में होगी एक किमी की सड़क गड्ढा मुक्त

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की मानें तो शासन की ओर से सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के लिए शर्तें निर्धारित की है। इस बार भेजे गए बजट में मानक निर्धारित कर दिया है। शासन की ओर से एक किलोमीटर सड़क में 12 हजार रुपए से पैच वर्क का काम किया जाना है। जिसके कारण अधिकारी उलझन में फंस गए हैं। कि शासन से बजट खर्च करने के तय किए गए मानक के अनुसार सड़कों को गड्ढा मुक्त कैसे किया जाए।

गिधौल के प्राथमिक स्कूल में चलाया गया स्वच्छता अभियान

बदायूं, अमृत विचार : प्राथमिक विद्यालय गिधौल में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। विकास क्षेत्र जगत के गांव गिधौल में आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन गंगा और उनकी सहायक नदियों के प्रति स्वच्छता बनाये रखने के उद्देश्य से स्कूली छात्र छात्राओं के बीच विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से कराया जा रहा है। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता के महत्व और गंगा संरक्षण का संकल्प दिलाया।

नहीं हो सकी धान खरीद की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता बदायूं

● केंद्रों पर व्यवस्थाएं अधूरी, नहीं टंग सका बैनर, धान के 37 और बाजरा 16 बने हैं क्रय केंद्र

अमृत विचार: दो दिन छुट्टी होने के कारण इस बार धान और मोटे अनाज की खरीद एक तारीख के स्थान पर तीन अक्टूबर से शुरू हुई है। लेकिन धान खरीद को लेकर विपणन विभाग की तैयारी आधी अधूरी है। खरीद शुरु होने के बाद भी केंद्र पर व्यवस्थाएं तक पूरी नहीं हो सकी हैं।

पहले ही दिन क्रय केंद्रों पर सन्नाटा पसरा नजर आया। वहां खरीद को लेकर न बैनर टंगा था और न ही प्रभारी ही उपस्थित थे। प्रभारियों की ऐसी लापरवाही के चलते किसानों को अपनी फसल आढ़तियों के हाथों औने पौने दामों पर बेचने के लिए विवश होना पड़ेगा। हालांकि नमी के कारण धान फसल की कटाई शुरु नहीं हो सकी है। फसल को बाजार तक पहुंचने में अभी दस का दिन समय लगेगा।

शासन के निर्देश पर जिले में 37 सरकारी धान क्रय केंद्रों को निर्धारित किया गया है। वहीं 16 क्रय केंद्र बाजरा और 6 क्रय केंद्र मक्का की खरीद के लिए बनाए गए हैं। निर्धारित तिथि से शुरू होने वाली धान खरीद की शुरुआत जिले में पहले दिन नहीं हो सकी है। जिन स्थानों पर क्रय केंद्र स्थापित किये जाने हैं, उन स्थानों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। क्रय केंद्र प्रभारियों की लापरवाही ऐसी कि अभी बैनर तक नहीं टांगा गया है। ककराला रोड स्थित मंडी समिति में दो क्रय केंद्र बनाए गए हैं। लेकिन यहां पर अभी तक व्यवस्थाएं पूरी नहीं हो सकी हैं। शुक्रवार को क्रय केंद्रों पर प्रभारी तो दूर खरीद संबंधी बैनर तक टंगा हुआ नहीं मिला।

डिप्टी आरएमओ अतुल कुमार वशिष्ठ ने बताया कि धान, मक्का और बाजरा के लिए खोले गए सभी क्रय केंद्र सक्रिय कर दिए हैं। प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे किसानों से संपर्क साधना शुरू कर दें, ताकि ज्यादा से ज्यादा धान की खरीद जिले में हो सके।

दो दिन छुट्टी के बाद बदले हुए समय से विद्यालय पहुंचे बच्चे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: परिषदीय सहित माध्यमिक स्कूलों का समय बदल गया है। अभी तक माध्यमिक स्कूल सुबह साढ़े सात बजे खुलते थे और डेढ़ छुट्टी होती थी। वहीं परिषदीय स्कूल सुबह आठ बजे से दो बजे तक खुलते थे। परिषदीय और माध्यमिक स्कूलों में एक अक्टूबर से संचालित होने का समय बदल गया है। माध्यमिक स्कूलों का समय सुबह साढ़े नौ बजे से तीन बजे तक का हो गया है। परिषदीय स्कूलों का समय सुबह 9 से 2 बजे तक का हो गया है। स्कूलों के समय में यह बदलाव हर साल अक्टूबर माह में होता है। दो दिन की छुट्टी के बाद शुक्रवार को सभी स्कूल बदले हुए समय पर खुले। हालांकि इस समय मौसम उतार चढ़ाव वाला है। जिसके कारण बच्चे उमस भरी गर्मी से परेशान दिखे। बीएसए ने बताया कि 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक स्कूल खुलने का समय सुबह 8 से रहता है। और दो बजे छुट्टी होती है। 1 अक्टूबर से 31 मार्च तक सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक स्कूलों का संचालन होगा। बताया कि स्कूल खुलने के बाद 15 मिनट प्रार्थना सभा कराई जाएगी। योगाभ्यास होता है। व्यवस्थाएं देखने के लिए बीएसए द्वारा भ्रमण किया गया।

बदायूं डायरी

कान्हा गोशाला का निर्माण शुरू, विधायक ने रखी आधारशिला

उसावां, अमृत विचार : गांव वीरमपुर भदेली में नगर पंचायत उसावां की कान्हा गोशाला की दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह ने आधारशिला रखी। 21 बीघा जमीन पर 1.69 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण कार्य कराया जा रहा है। विधायक और नगर पंचायत की ओर से कान्हा गोशाला के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। शासन से स्वीकृति मिली। विधायक ने आधारशिला रखी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि विकास कार्य तेजी से किया जा रहा है। राजकीय महाविद्यालय भी बनवाया है। नगर के विकास को लेकर शासन में आदर्श नगर पंचायत की भी स्वीकृति शासन से कराई है। डीसीडीएफ चेयरमैन रविंद्र सिंह, चेयरमैन पति अनिल सिंह सिंह चौहान, उसावां ब्लॉक प्रमुख पति दिनेश सिंह, म्याऊं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि केसी शाक्य, हवलदार कश्यप, राहुल कुमार लोधी, वीरसिंह, ओम प्रताप सिंह, सौरभ सिंह तोमर, भावेश प्रताप सिंह, आदेश प्रताप सिंह, देवेंद्र गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

धूमधाम से निकली श्रीराम बरात पुष्पवर्षा से किया स्वागत

इस्लामनगर, अमृत विचार : रुदायन में भव्य श्री राम बारात का आयोजन धूमधाम से किया गया। परंपरा के अनुरूप गोला की भेंट के बाद कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर बारात का स्वागत किया। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी राम बारात में भारी भीड़ उमड़ी और नगर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्राचीन देवी मंदिर पर हवन-पूजन के उपरांत भाजपा नेता मुरली मनोहर गुप्ता ने काली मां का तिलक किया तथा आरती उतारकर गोला की भेंट के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए इंस्पेक्टर नरेश कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम में अनूप सिंह, मदनलाल गुप्ता, संजीव गुप्ता मंत्री, अशोक यादव फौजी, अनुभव गुप्ता, नितिन गुप्ता, नन्नू गुप्ता, विष्णु गुप्ता, राहुल गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, भीकम सिंह, अमित चौधरी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

काव्य गोष्ठी में कवियों ने रचनाओं से बांधा समा

दातागंज, अमृत विचार : उसावां में एक बृहद काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का आयोजन सिद्धहस्त कवि रामसहाय शूल के गूरा बाईपास स्थित आवास पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि महेश चंद्र मिश्रा अग्निमुख ने की। संचालन म्याऊं से आए शायर मुसीर अहमद मुसीर ने किया। कवि महेश मिश्रा अग्निमुख ने सरस्वती वंदना पढ़ कर कार्यक्रम को गति प्रदान की। कवि सुरेश यादव ने अपने गीतों से सबको भाव विभोर कर दिया। सन्तोष कुमार सिंह ने अपना बहु प्रसिद्ध गीत वो कलम के सिपाही कहां खो गए पढ़ कर सबका मन मोह लिया। उसावां के वरिष्ठ शायर अब्दुल वहाब आजाद ने बेहतरीन कलाम पेश कर गंगा जमुनी तहजीब से एकता का संदेश दिया। कवि अमित अम्बर ने अपने छंदों से गोष्ठी को ऊंचाइयों तक पहुंचाया। रामानन्द मिश्रा, शायर अनीस, रामसहाय शूल समेत अन्य कवियों ने काव्य पाठ किया।

बौद्ध भिक्षुओं को कराया भोजन दिया दान, वर्षावास का समापन

बिल्सी, अमृत विचार : जनपद के मझिया गांव स्थित सम्राट अशोक बुद्ध पर्यटन स्थल पर शुक्रवार को पूर्व जिला पंचायत सदस्य ममता शाक्य ने सम्राट अशोक बुद्ध पर्यटन स्थल, पर निवास कर रहे बौद्ध भिक्षुओं को भोजन दान किया। बुद्ध पर्यटन स्थल पर निवार्सित बौद्ध भिक्षुओं तथा जनपद के दूर दराज से आये धम्म अनुयायियों ने सर्वप्रथम बुद्ध वंदना की। इसके उपरांत ममता शाक्य ने भोजन दान किया। इस अवसर पर शाक्य,मौर्य, कुशवाहा सैनी महासभा के जिलाध्यक्ष रामेश्वर शाक्य, हरिओम सैनी, दिनेश मौर्य, नन्दराम, महेंद्र शाक्य,सुरजीत शाक्य, शिवम,गंगा सहाय शाक्य, प्रधान केपी शाक्य, प्रधान भगवान दास, मुकेश चन्द्र मौर्य, रूपेश शाक्य,भूप सिंह, राकेश शाक्य,जयवीर शाक्य, राजा राम शाक्य,सत्यपाल शाक्य, तेजेंद्र शाक्य,भगवान दास सागर, हीरालाल बौद्ध, ओमी बाबाजी आदि मौजूद रहे।

खेती किसानी — शोध गन्ना परिषद ने जारी किए नए किस्म के शोधक बीज

आज से शुरू होगी गन्ने के बीज की ऑनलाइन बुकिंग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● बुकिंग करने वालों को मिलेगा कम रेट पर गन्ने का नया बीज

अमृत विचार : इस बार शासन के निर्देश पर गन्ना किसानों को नये किस्म के गन्ने का शोधक बीज ऑनलाइन भेजा जाएगा। इसके लिए 4 अक्टूबर से ऑनलाइन बुकिंग सेवा शुरू हो रही है। ऑनलाइन बुकिंग से 18231, और 19231 किस्म का गन्ने का शोधक बीज गन्ना किसानों तक पहुंचाया जाएगा।

इस नए शोधक बीज से गन्ना किसानों की कम लागत में अधिक आय होगी। जिससे गन्ना किसान खुशहाल होगा। जिला गन्ना कार्यालय द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार इस बार गन्ना किसानों को नवीन गन्ना किस्मों के मिनी सीड किट की ऑनलाइन बुकिंग 4 अक्टूबर से शुरू की जा रही है।

उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर द्वारा विकसित नवीन गन्ना किस्में को.शा. 18231 एवं को.शा. 19231 अब किसानों तक मिनी सीड किट के रूप में पहुंचेंगी। परिषद द्वारा जानकारी दी कि इन किस्मों की ऑनलाइन बुकिंग आगामी 4 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से गन्ना विभाग की वेबसाइट पर प्रारम्भ होगी। गन्ना विभाग द्वारा बताया गया है कि बुकिंग केवल पेमेंट गेटवे के माध्यम से ऑनलाइन करने वाले किसानों को ही उपलब्ध होगी। किसी भी प्रकार की ऑफलाइन बुकिंग स्वीकार नहीं की जाएगी। बुकिंग के बाद किसान अपनी सुविधा अनुसार शाहजहांपुर एवं मुजफ्फरनगर केन्द्र से मिनी सीड किट प्राप्त कर सकेंगे।

जिला गन्ना कार्यालय द्वारा बताया गया है कि इस बार कुल 6 लाख सिंगल बड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन नवीन किस्मों से किसानों को उच्च उपज, अधिक शर्करा प्रतिशत एवं रोग-कीट प्रतिरोधी गन्ना प्राप्त होगा। इससे प्रदेश में गन्ना उत्पादन व शर्करा उद्योग की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। किसानों से समय से ऑनलाइन बुकिंग करने को कहा गया है।

जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने शुक्रवार को बताया कि गन्ना का रकबा बढ़ाने को शासन स्तर से कवायद की जा रही है। इसलिए गन्ना किसानों को अब शोधक बीज सीधे गन्ना शोध परिषद शाहजहांपुर और मुजफ्फरनगर से मंगा कर ऑनलाइन किया जा रहा है।

चार साल में कम हुआ 4 हजार हेक्टेयर रकबा : जनपद में करीब 18 हजार हेक्टेयर गन्ने का रकबा है। विभाग के अनुसार चार साल में चार हजार हेक्टेयर कम हो गया है।

पंचायत सहायकों को आपदा की दी जानकारी

बदायूं, अमृत विचार : दातागंज रोड स्थित पटेल गार्डन में पंचायत सहायकों के प्रशिक्षण में मुख्य अग्निशमन अधिकारी राम राजा यादव ने अग्नि आपदा से बचाव की जानकारी दी। चार दिवसीय पंचायत सहायक प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अग्निशमन अधिकारी राम राजा यादव एवं अशोक तोमर राज्य प्रशिक्षण पंचायती राज द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। प्रशिक्षण में विकासखंड दातागंज एवं दहगवां के समस्त पंचायत सहित प्रशिक्षक अशोक तोमर, विकास पटेल, अनुज सक्सेना, सुषमा राठौर, रूपेंद्र पटेल एवं ट्रेनिंग मैनेजर लव कुमार सिंह उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

10 तक बन सकेंगे समिति के सदस्य

बदायूं, अमृत विचार : गन्ना किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए समिति के सदस्य बनने की तिथि अब 10 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में यह तिथि 30 सितंबर तक निर्धारित की गई थी, शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा की गई बैठक में कृषक हित में तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया। जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने अपनी सदस्यता निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत प्राप्त करने की अपील की है।

ई-लॉटरी से होगा लाभार्थियों का चयन

बदायूं, अमृत विचार : उप कृषि निदेशक मनोज कुमार ने बताया किसानों को दलहन बीज मिनी किट का वितरण शनिवार को विकास भवन में किया जाएगा। मिनी किट का उन्हीं किसानों को मिलेगी। जिन्होंने ऑनलाइन आवेदन किया है। किसानों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

आज सभी तहसीलों में होगा समाधान दिवस

बदायूं, अमृत विचार : संपूर्ण समाधान दिवस शनिवार चार अक्टूबर को सभी तहसीलों सदर, बिल्सी, बिसौली, दातागंज एवं सहसवान में आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर अधिकारी मौजूद रहेंगे व आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा।

7 अक्टूबर को मनाई जाएगी वाल्मीकि जयंती

बदायूं, अमृत विचार : सात अक्टूबर को वाल्मीकि जयंती मनाई जाएगी। वाल्मीकि जयंती पर जनपद भर में शोभायात्रा निकाली जाएगी। साथ ही विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शोभायात्रा में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला मजिस्ट्रेट अवनीश राय ने मजिस्ट्रेट नामित किए हैं। शहर में निकाली जाने वाली शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी, उप जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक) सदर, राजेश कुमार सिंह, एसडीएम मोहित कुमार को सौंपी है। उनके साथ तहसीलदार सदर दीपक कुमार साथ रहेंगे। डीएम ने नगर मजिस्ट्रेट, उप जिला मजिस्ट्रेट एवं संबंधित थाना प्रभारियों को सुरक्षा, शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उमरा के लिए रवाना हुए चेयरमैन के बेटे

उसहैत, अमृत विचार : चेयरमैन नबाव हसन के बेटे फरजान नवाब को उमरा के लिए रवाना किया है। लोगों ने भी उनका माल्यार्पण किया। युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ध्रुवदेव गुप्ता उर्फ मनु, मुअज्जम अली, साबिर हुसैन आदि मौजूद रहे।

प्रधान पति समेत 41 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

हमलावरों ने ट्रैक्टर रोककर जान से मारने की नीयत से किया हमला

संवाददाता, ओरछी

घायल जगतपाल।

घायल प्रदीप।

घायल हरीराज सिंह।

- हमलावरों की तलाश कर रही पुलिस, खंगाले सीसीटीवी कैमरे

अमृत विचार : पुरानी रंजिश के चलते एक पक्ष ने दूसरे पर तलवार और धारदार हथियार से हमला कर दिया। जानलेवा हमले में कई लोग घायल हो गए। तीन घायलों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। पीड़ित की तहरीर पर हमलावर पक्ष के 41 नामजद और अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। इसमें प्रधान पति भी शामिल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव खेड़ादास निवासी सुमित सिंह ने तहरीर देकर बताया कि गुरुवार शाम लगभग छह बजे उनके परिवार के चाचा जगतपाल सिंह, चचेरे भाई रजत, उनके सगे बड़े भाई प्रदीप उर्फ शिवओम धान की फसल की निकासी करके ट्रैक्टर से वापस गांव लौट रहे थे।

पुरानी रंजिश के चलते गांव के बाहर आलोक चौहान की चक्की के पास दूसरे पक्ष के लोग आ गए। उनका ट्रैक्टर रोककर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। उनके पास तमंचे, पिस्टल, फरसे, तलवार, सरिया और लाठी-डंडे थे। चिल्ला रहे थे कि आज इसे मार दो। कोई भी बचना नहीं चाहिए। शोर सुनकर चंदौसी से आ रहे सोनू पुत्र मुनीश, उनके रिश्तेदार संजीव ने बचाने का प्रयास किया। तो हमलावरों ने उन्हें भी बुरी तरह से पीटा। कुछ लोग पास में धर्मपाल सिंह के घर में घुस गए। उनके घर से हरीराज को खींचकर बाहर ले आए। गांव के प्रत्युष आया तो उसे भी पीटा। हरीराज, प्रदीप उर्फ शिवओम, जगतपाल, रजत, प्रत्युष बेसुध हो गए। अन्य कई लोग बुरी तरह से घायल हो गए। प्रधान पति योगेश उर्फ सीधे ने कहा कि यह लोग अभी भी जिंदा हैं। इन्हें जान से मार दो। फिर हमलावरों ने सरिया से वार कर दिया। विनोद ने जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायरिंग की। शोर सुनकर गांव के लोग दौड़े और हमलावरों को ललकारा। हमलावर लोगों को मना जानकर हथियार लहराते हुए फायरिंग करते हुए भाग गए। प्रदीप, हरीराज सिंह, जगतपाल सिंह लहूलुहान होकर गंभीर रूप से घायल गए। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस गांव पहुंची। घायलों को भर्ती कराया गया है। गांव में तनाव है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके हमलावरों की तलाश शुरू की है।

इन हमलावरों के खिलाफ दर्ज हुई रिपोर्ट

हमलावर श्रीपाल, विनोद, शेखर, मनीष, वीरेश, धर्मेंद्र, जयपाल, चंद्रप्रकाश, भूरे लाल, शिवांक, जीतू, राधे, कन्हैया, कुन्नू, गोपाल, गुड्डू, सचिन, अमन, नरेश, वीरेश, गौरव, सौरभ, गुड्डू, अभय, शिवम, सुवेश, रामकिशन, दिन्ना, अतुल, हवा सिंह, कल्यान के अलावा ब्रह्मचारी, इंद्रजीत, शीन, शिशुपाल, नैपाल, रामौतार, प्रेम सिंह, रूपकिशोर, योगेश उर्फ सीधे, विनोद व अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की है।

जाम के झाम से नहीं मिल रही निजात लोग परेशान

उझानी, अमृत विचार: बिल्सी रोड स्थित मार्केट में अतिक्रमण के कारण वाहनों का निकल पाना मुश्किल हो गया है। नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही के चलते आम लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

कस्बे में हर तरफ सड़कों पर दुकानदारों ने सामान रख कर कब्जा कर लिया है जिससे सड़कें सिकुड़ गयी है। सड़कों पर दो पहिया चार पहिया वाहनों को निकल पाना मुश्किल हो रहा है। बिल्सी रोड पर बाजार में अतिक्रमण बड़े पैमाने पर किया गया है। अतिक्रमण के चलते इस रोड पर कार बाइक नहीं निकल पा रहे हैं। दुकानों के आगे सामान रख दिया गया है। यहां पर वाहन पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है जिससे दुकानदार भी सड़कों पर अपने वाहन खड़े कर देते हैं। जिससे आम राहगीरों को आने जाने में दिक्कत होती है। कस्बे के लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से कई बार अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाने की मांग की नगर पालिका प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया। इसी तरह अन्य क्षेत्रों में दिन भर लोग जाम से जूझते हैं।

जाम में फंसे वाहन।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने मनाया 50वां स्थापना दिवस

जिला अधिकारी कार्यालय पर ज्ञापन दिखातीं आंगनबाड़ी कार्यकत्री। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- पचास साल बाद भी कम नहीं हुई आंगनबाड़ी की समस्याएं
- धरना प्रदर्शन कर डीएम को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की दी चेतावनी

अमृत विचार : अखिल भारतीय आंगनबाड़ी कर्मचारी महासभा के बैनर तले मालवीय आवास गृह पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्थापना दिवस मनाया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने कहा कि आज पचास साल पूरे होने के बाद भी आंगनबाड़ी की दशा दयनीय है। समय पर मानदेय नहीं दिया जाता है। मजदूरों की तरह काम लिया जाता है। यदि 10 अक्टूबर तक मानदेय का भुगतान नहीं किया गया तो 15 अक्टूबर से आंगनबाड़ी आंदोलन करने को बाध्य होगी।

संगठन की मंडल अध्यक्ष मोर श्री गुप्ता व जिलाध्यक्ष राजेश कुमार सक्सेना ने कहा कि इस विभाग के लिए 50 वर्ष बीत चुके हैं लेकिन आंगनबाड़ी की समस्याएं कम नहीं हो रही है। बगैर मोबाइल के चेहरा प्रमाणीकरण एवं राशन वितरण कैसे किया जाए। बगैर रिचार्ज के मोबाइल से काम कैसे किया जाए। बिना मोबाइल के चेहरा प्रमाणीकरण एवं टीएचआर वितरण में कठिनाई आ रही है। आसफपुर परियोजना में बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा कार्यकत्रियों से अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। अगर सीडीपीओ ने व्यवहार नहीं बदला तो उनके खिलाफ भी धरना प्रदर्शन किया जाएगा। दीपावली का त्यौहार नजदीक है और बगैर पैसे के त्यौहार फीका रह जाएगा। परियोजना स्तर पर बैठने वाले प्राइवेट लोगों को तत्काल हटाया जाए। जिला संरक्षक विनोद कुमार सक्सेना, खजाना देवी, शोभा वर्मा, शशि रानी सक्सेना, प्रवेश कुमारी चौहान, नीलम सिंह, रेखा देवी, दान कुमारी, उर्मिला कश्यप, कंचन गुप्ता, रेखा, अनवरी बेगम, सुषमा, निशा सक्सेना, वंदना सक्सेना आदि शामिल हुए।

वृद्धा स्वास्थ्य देखभाल शिविर में मरीजों की हुई जांच

बदायूं, अमृत विचार : शुक्रवार को जिला अस्पताल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वाधान में राष्ट्रीय वृद्ध स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने कहा कि उम्र के ढलते दौर में बुजुर्गों को अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखना चाहिए। समय समय पर डॉक्टर को दिखाते रहे और दवाएं लेते रहें जिससे वह स्वस्थ रहें।

शिविर में वृद्धों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। जिसमें हड्डी रोग मधुमेह, कान, नाक, गला, एवं नेत्र रोग बीपी , दंत रोग, आदि बीमारियों से पीड़ित वृद्धों को दवाएं दी गयीं। शिविर में सौ वृद्धों को वाकिंग स्टिक बाकर वितरित किए गए। चिकित्सकों द्वारा वृद्धावस्था में आने वाले शारीरिक परिवर्तन एवं कमजोरियों के बारे में बताया गया। उच्च रक्तचाप, दमा, मधुमेह, स्ट्रोक, अल्जाइमर, टीबी कब्ज, अवसाद हृदय रोग आदि बीमारियां होने के कारण वह कमजोर हो जाते हैं। एवं चलने फिरने में बहुत कठिनाई होती है। सही समय पर चिकित्सा चिकित्सा परीक्षण एवं उपचार के माध्यम से अधिक उम्र वाले वृद्धों की देखभाल की जानी चाहिए।जिससे उनके जीवन को आसान बनाया जा सकता है। सिविल पेंशनर्स परिषद के अध्यक्ष प्यारे सिंह द्वारा कविता सुनकर वृद्धजनों का मनोरंजन किया गया।

मजाक मियां का उर्स शुरू अकीदतमंदों ने लगाई हाजिरी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- शहर में शुक्रवार को शुरू हुआ मजाक मियां का सालाना उर्स

अमृत विचार : शहर के दरगाह सागरताल स्थित विश्व प्रसिद्ध दरगाह कुत्बे औलिया हजरत मजाक मियां रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पर तीन दिवसीय उर्स शुरू हुआ।

सुबह कुरआन ख्वानी की महफिल हुई। दरगाह के सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा सैयद मोहम्मद इख्तियार अली शाह अल मजाकी की सरपरस्ती में कब्बलो की टोली के साथ हजरत सुल्तान आरफीन बडे सरकार रहमतुल्लाह के आस्ताने पर चादर शरीफ पेश करने के लिए रवाना की गईं। साथ ही हजरत मजाक मियां की दरगाह पर भी कब्बली का दौर चला। सैकड़ों अकीदतमंदों ने हाजिरी लगाई। उर्स मे शिरकत करने के लिये दूरदराज से आए अकीदतमंदों व जायरीनों के ठहरने और खानपान का दरगाह परिसर में ही अच्छा इंतजार किया गया है। दरगाह पर मौजूद अकीदतमंदों ने हजरत मजाक मियां के मजारे मुबारक की हाजरी कर गुलपोशी व चादरपोशी की रस्म अदायगी के साथ दुआएं व मन्नतें मांगी। जिनको दरगाह के सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा सैयद मोहम्मद इख्तियार अली शाह अल मजाकी व हजरत ख्वाजा सैयद आसार अली शाह अल मजाकी ने दुआओं से नवाजा।

पुल निर्माण जल्द पूरा कराने का दिया आश्वासन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- आश्वासन मिलने पर कांग्रेसियों ने धरना किया स्थगित

अमृत विचार : दातागंज के समरेर को फरीदपुर से जोड़ने वाले अधूरे मुढ़ा पुख्ता पुल के निर्माण के लिए कांग्रेसियों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। जिला प्रशासन ने इस रोड के शीघ्र निर्माण का आश्वान दिया जिसके बाद धरने को स्थगित कर दिया गया।

पिछले दिनो कांग्रेस नेता अजीत यादव ने मुढ़ा पुख्ता और फरीदपुर के बीच अधूरे पूल निर्माण कराने को आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी थी। अजीत यादव ने कहा कि यदि पुल का निर्माण पूरा नहीं किया गया तो दो अक्टूबर से कांग्रेस आंदोलन करेगी। इसलिए आज कांग्रेसी मुड़ा पुख्ता पुल के निर्माण की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना देने को पहुंच गए जिससे जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने कहा कि दातागंज तहसील के गांव मुड़ा पुख्ता और फरीदपुर के बीच रामगंगा नदी पर पुल बना हुआ है, जो करीब पांच साल पहले 42 करोड़ की लागत से बनाया गया था। कहा कि साल भर पहले गूगल मैप के सहारे यात्रा कर रहे तीन कार सवारों की अधूरे मूढ़ा पुख्ता पुल से गिरकर मौत हो चुकी है। इसके बावजूद योगी सरकार पुल के निर्माण में लेटलतीफी कर रही है। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

कहा कि प्रशासन ने जानकारी दी कि आईआईटी रुड़की की टीम ने जांच करके इस पुल को 150 मीटर बढ़ाने को लेकर अपनी रिपोर्ट मई में पीडब्ल्यूडी को दी थी ।अब पीडब्ल्यूडी ने इसका डीपीआर तैयार कर स्वीकृति के लिए शासन को भेजा है।उन्होंने कहा कि दो माह में मुढ़ा पुख्ता पुल नहीं बना तो बेमियादी आंदोलन शुरू कर देंगे। चाहे जो कुर्बानी देनी पड़े पुल निर्माण कराकर ही दम लेंगे। गुरुवार कोअनिश्चितकालीन धरने के ऐलान पर बड़ी संख्या में लोग मुढ़ा पुख्ता पुल पर पहुंचे। धरनास्थल पर हुई सभा में कांग्रेस महासचिव सत्यम यादव, जिला उपाध्यक्ष बफाती मियां, जिला उपाध्यक्ष दीपक मिश्रा, जिला सचिव ग्रीश यादव, जिला सचिव राजकुमार यादव, किसान कांग्रेस प्रभारी कुँवर पाल सिंह, समरेर ब्लाक अध्यक्ष अर्जुन यादव, यूथ कांग्रेस समरेर ब्लाक प्रभारी जुनैद अली, राम प्रकाश एडवोकेट, रक्षपाल सिंह एडवोकेट आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसएसपी ने की पैदल गश्त

पैदल गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों को निर्देशित करते एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बरेली में बवाल के बाद मंडल के सभी जिलों में हाई अलर्ट है। जिसके चलते एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ खुद क्षेत्र में निकले। जुमा की नमाज के मद्देनजर शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था के लिए नगर में पैदल गश्त की। जगह-जगह तैनात पुलिसकर्मियों से सुरक्षा से संबंधित जानकारी की। एसएसपी सर्राफा बाजार के अलावा मुख्य मार्गों से गुजरे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

तालाब की जमीन पर कराया दीवार का निर्माण

संवाददाता, कुंवरगांव

तालाब की जांच करते अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ग्राम प्रधान द्वारा एक व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए तालाब की भूमि पर दीवार का निर्माण करा दिया। शिकायत पर सीडीओ ने जांच के आदेश कर दिए। शुक्रवार को जांच करने पहुंचे अधिकारियों को शिकायत सही मिली। बीडीओ ने प्रधान को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

सालारपुर ब्लाक क्षेत्र की ग्राम पंचायत ब्योर में प्रधान के द्वारा तालाब की भूमि पर दीवार बनवाई जा रही थी। जिसमें पीला ईंटें लगाई जा रही थी। जिसकी शिकायत गांव के ही एक व्यक्ति ने सीडीओ से की। जिस पर सीडीओ ने कमेटी बनाकर जांच के आदेश कर दिए। शुक्रवार को बीडीओ नितिन कुमार, अवर अभियंता आरईडी, पंचायत सहायक विकास अधिकारी शिवकुमार, लेखपाल एवं सचिव पवन सक्सेना जांच के लिए गांव पहुंचे। जांच के दौरान पता चला कि दीवार का निर्माण तालाब की भूमि पर कराया जा रहा है। दीवार निर्माण में शासकीय धनराशि का दुरुपयोग हो रहा है। जांच के बाद बीडीओ ने ग्राम प्रधान तन्जीम अली को कारण बताओ नोटिस किया है। वहीं तालाब का निरीक्षण करने के बाद बीडीओ ने गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को खामियां मिली हैं। जांच के बाद अधिकारियों के द्वारा रिपोर्ट सीडीओ को सौंपी जाएगी।

क्षत्रिय समाज ने शस्त्र पूजन कर मनाया विजयदशमी पर्व

बदायूं, अमृत विचार : क्षत्रिय महासभा द्वारा शस्त्र पूजन किया। स्काउट भवन में आयोजित कार्यक्रम मे आचार्य प्रताप सिंह व रुप किशोर सिंह ने यज्ञ कराकर शस्त्रों का पूजन कराया। इसके बाद समाज के लोगों ने भगवान राम की पूजा की। महाराणा प्रताप चौक पर पहुंचकर महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। महासभा के मंडलीय उपाध्यक्ष रवि प्रताप सिंह, मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री व विधायक ठा जयवीर सिंह,विधायक दातागंज राजीव कुमार सिंह, डॉ. वीरेश कुमार सिंह,महाराणा प्रताप विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष हरि प्रताप सिंह राठौड़ एडवोकेट आदि रहे।

प्रशिक्षण में शत प्रतिशत उपस्थिति के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : आगामी विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के सफल संचालन के लिए शुक्रवार को जनपद स्तरीय बैठक का आयोजन अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार की अध्यक्षता में किया गया। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 5 से 31 अक्टूबर व दस्तक अभियान 11 से 31 अक्टूबर चलेगा, जिसके संचालन हेतु समस्त विभागो के माइक्रोप्लान प्राप्त हो चुके हैं।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने निर्देशित किया कि अभियान से सम्बंधित समस्त प्रशिक्षण व बैंठकों से वंचित समस्त अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति शत प्रतिशत पूर्ण करा ली जाए। दस्तक अभियान 8 अक्टूबर तक आशा व आंगनबाड़ी से सम्बंधित प्रशिक्षण शत प्रतिशत उपस्थिति के साथ पूर्ण करा ली जाए। निर्देशित किया गया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान से सम्बंधित समस्त विभाग अपने द्वारा बनाए गए माइक्रो प्लान के अनुसार ही दिनांक वार अपने विभाग से सम्बंधित कार्य कराएं जिससे कि डब्ल्यूएचओ व यूनिसेफ द्वारा किये जाने वाले कार्य के निरीक्षण का फीडबैक अच्छा प्राप्त हो। बैठक में डीएमसी यूनिसेफ द्वारा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान माह अक्टूबर हेतु आयोजित की गई। ब्लॉक व तहसील स्तरीय बैठकों में प्रतिभागियों की उपस्तिथि की स्थिति से अवगत कराया गया। अभियान से सम्बंधित बैठकों में ग्राम पंचायत सहायक, ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी की उपस्थिति ब्लाक सहसवान में 51 प्रतिशत, अम्बियापुर में 52 प्रतिशत, दातागंज में 52 प्रतिशत है जो कि राज्य स्तर के सापेक्ष अत्यधिक कम है।

बेसिक शिक्षा विभाग में अभियान से सम्बंधित नोडल अध्यापकों के प्रशिक्षण में अध्यापकों के उपस्थिति ब्लाक म्याऊं मे 75 प्रतिशत, दातागंज में 84 प्रतिशत, दहगवां में 86 प्रतिशत है जो की राज्य स्तर के प्रशिक्षण से काफी कम है। नगर पालिका व नगर पंचायत में अभियान से सम्बंधित वार्ड मेंबर की बैठक उपस्थिति अलापुर में 20 प्रतिशत, दातागंज में 72 प्रतिशत, बिल्सी में 72 प्रतिशत है जो कि राज्य स्तर के प्रतिशत से काफी कम है। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला सर्विलांस अधिकारी, समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, समस्त चिकित्सा अधीक्षक सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका व नगर पंचायत, समस्त सहायक खण्ड विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, डब्लूएचओ व यूनिसेफ के प्रतिनिधि, जिला समन्वयक फैमिली हेल्थ इंडिया,जिला समन्वयक अर्बन हेल्थ, समस्त मलेरिया निरीक्षक आदि मौजूद रहे।

जिला अस्पताल | बदलते मौसम का शिकार हो रहे लोग, डॉक्टर जांच कर दे रहे दवा

क्षय रोगियों की बढ़ने लगी संख्या, जांच में हो रही टीवी की पुष्टि

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

मरीज का एक्सरे देखते क्षय रोग चिकित्सक डॉ. विनेश कुमार। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मौसम बदलते ही श्वास रोगियों को परेशानी होने लगी है ऐसे मौसम में क्षय रोग का संक्रमण भी बढ़ रहा है जिससे मरीजों के एक्स रे और बलगम की जांच कराई जा रही है। क्षय रोग अधिकारी का कहना है कि दो दिन से टीवी के मरीजों की संख्या बढ़ी है। श्वास रोगियों की जांच कराने पर कई लोगों में टीवी की पुष्टि हुई है इसलिए जांच भी तेज कर दी गयी है।

शुक्रवार को जिला अस्पताल स्थित जिला क्षय रोग केंद्र पर मरीजों की भीड़ दोपहर एक बजे तक रही। करीब तीन सौ मरीजों को देखा गया इनमें से 187 मरीज टीवी के थे। 87 मरीजों की बलगम की जांच करायी गयी और 11 मरीजों के एक्सरे कराए गए। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विनेश कुमार ने बताया कि पिछले दो दिन से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम बदलने से श्वास रोगियों को दिक्कत हो रही है।रात को कुछ सर्द मौसम रहता है जबकि दिन में तेज धूप लोगों को परेशान करती है। जिससे शरीर का तापमान बदलता है और बुखार शुरू हो जाता है। मौसम के बदलाव से श्वास रोगियों को परेशानी बढ़ रही है जिससे मरीजों की भीड़ अधिक होने लगी है। इनमें से कई लोगों की बलगम की जांच करायी गयी है जबकि कुछ के एक्स रे कराए गए हैं। एक्सरे में उनके फेफड़े साफ दिखाई देते हैं। यदि कहीं पर दाग धब्बा है तो टीवी की पुष्टि होती है जिसका उपचार तीन माह से लेकर 6 महीने तक चलता है। इसलिए श्वास के मरीजों की जांच करने के बाद दवा दी जाती है। बताया कि बुखार भी बढ़ रहा है। गले में संक्रमण की शिकायतें मिल रही हैं। कुछ दिन बाद मौसम सामान्य होगा तभी स्थिति में सुधार होगा।

हेपेटाइटिस के 150 से अधिक मरीज देखे

शुक्रवार को जिला अस्पताल में हेपेटाइटिस के मरीजों को देख कर दवा दी गयी। आज 154 मरीजों को पीलिया के पुराने मरीजों को दवा दी गयी। सुबह से ही पीलिया के मरीजों की लाइन लगनी शुरू हो गयी जो एक बजे तक लगी रही। मरीजों को देख कर दवा लिखी गयी। वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एसएम कमल ने बताया कि हेपेटाइटिस के मरीजों की जांच के बिना दवा नहीं दी जाती है। जिन मरीजों की पिछले दिनों जांच कराई जा चुकी है उन्ही को दवा दी जा रही है। इस माह भी संभावित मरीजों के ब्लड सैंपल लेकर लखनऊ भेजे जाएंगे जिनकी रिपोर्ट आने के बाद ही हेपेटाइटिस की पुष्टि होगी तभी दवा दी जाएगी। बताया कि बारिश के बाद कुछ मरीज बढ़े हैं। जो मरीज ठीक हो चुके थे उनको फिर से दवा देनी पड़ रही है। हालांकि हेपेटाइटिस बीमारी का उपचार नियमित चलने वाला है फिर भी कुछ लोग दवा छोड़ देते हैं उन्हे बदलते मौसम में परेशानी होती है जिसके बाद वह लोग दवा शुरू करते हैं।

बुखार का प्रकोप नहीं हो रहा कम

शुक्रवार को जिला अस्पताल में बुखार के 141 मरीजों को दवा दी गयी। आज कम मरीज आए लेकिन अधिक मरीज बुखार के ही देखे गए। सुबह दस बजे से दोपहर एक बजे तक डॉक्टरों ने मरीजों को देखा। इनमें बुखार पीड़ितों की संख्या अधिक रही। साथ ही चर्म रोग के कई दर्जन मरीजों ने दवा ली। दाद खाज खुजली से परेशान मरीजों को दवा से राहत नहीं मिल रही हे। डॉक्टरों का कहना है कि दाद खाज ऐसी बीमारी है जिसकी दवा दो महीने तक लेनी पड़ती है। लेकिन मरीज दवा नियमित नहीं लेते हैं जिससे उन्हे परेशानी होती है।

पति के धोखे से आहत विवाहिता फंदे से लटकी, मौत

संभल/चंदौसी, अमृत विचार : अकरोली निवासी जितेंद्र शर्मा की शादी 17 वर्ष पूर्व थाना छजलैट क्षेत्र की चंचल से हुई थी। जितेंद्र गांव में दुकान चलाने के साथ मोबाइल सिम कार्ड बेचता था। इसी दौरान एयरटेल शोरूम पर काम करने वाली एक युवती से उसका परिचय हुआ और दोनों में नजदीकियां बढ़ गईं। करीब एक माह पूर्व जितेंद्र ने उस युवती से प्रेम विवाह कर लिया, जिससे उसकी पत्नी चंचल गहरे अवसाद में चली गई। मृतका के भाई राहुल का आरोप है कि जितेंद्र युवती के साथ चंदौसी में रहने लगा था। इस कारण चंचल मानसिक रूप से परेशान थी और उसने यह बात परिवार को भी बताई थी। शुक्रवार को घर पर अकेली चंचल फंदे पर लटक गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट मिल रहा ईंधन, दम तोड़ रहा अभियान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: जिले भर में एक सितंबर से नो हेलमेट-नो फ्यूल अभियान चल रहा है। लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही और पंप संचालकों की मनमानी के कारण दम तोड़ चुका है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में पंप संचालक लोगों को बिना हेलमेट ईंधन रहे हैं। शुरुआत के दिनों में एक परिवहन विभाग और यातायात पुलिस द्वारा पंपों पर चेकिंग कर संचालकों को बिना हेलमेट पेट्रोल न देने का आवाहन करते हुए खानापूर्ति की थी। इसके बाद से कोई अधिकारी पंपों पर झांकने तक नहीं पहुंच रहा है।

शहर के सिविल लाइन एरिया, ओवर ब्रिज के नजदीक बरेली रोड, नवादा, लालपुल आदि स्थानों बरेली मथुरा हाईवे, मुरादाबाद फर्रुखाबाद राजमार्ग पर स्थित कई पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट के पेट्रोल मिल रहा है।

शहर के बीचों बीच स्थित पेट्रोल पंप पर पंप कर्मचारी लोगों को बिना हेलमेट के बाइक में ईंधन डालते हुए दिख रहे हैं। बिना हेलमेट आने वाले बाइक सवार को पंप कर्मचारी टोकते तक नहीं हैं। बाइक सवार आकर खड़े जाते हैं। उसके बाद पंप कर्मचारी बिना कुछ कहे ईंधन देना शुरू कर देते हैं। बाइक के साथ बोतलों में भी कर्मचारी ईंधन देते दिख जा रहे हैं। यहां तक पंपों पर जागरूकता के लिए होर्डिंग तक नहीं लगाया है। जिससे लोग जागरूक होकर हेलमेट का इस्तेमाल करना शुरू कर दें। यातायात पुलिस भी बाइक सवारों को नहीं टोकते, बल्कि चालान काटने में व्यस्त रहते हैं। शुरुआत में यातायात प्रभारी द्वारा पंपों पर पहुंचकर बिना हेलमेट ईंधन न दिए जाने का आवाहन पंप संचालकों से किया था। साथ ही होर्डिंग लगाने को भी कहा था। इसके बाद कोई अधिकारी पेट्रोल पंपों पर झांकने नहीं पहुंचा। जिम्मेदारों की लापरवाही से अभियान दम तोड़ चुका है।

अमृत विचार

शनिवार, 4 अक्टूबर 2025

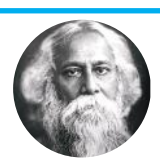

विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण के कारखाने हैं और अध्यापक उन्हें बनाने वाले कारीगर।

–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

आत्मनिरीक्षण की जरूरत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख का यह कथन कि जेन-ज़ी जैसे हिंसक आंदोलनों की कथित क्रांतियों से वांछित उद्देश्य हासिल नहीं होते, सर्वथा सत्य है। हिंसा के बाद आंदोलनकारी अपने बदलावों के मंसूबों में सफल नहीं हुए, उलटे व्यवस्था और जन-धन का भारी नुकसान हुआ, देश बरसों पीछे चला गया। नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका इसके जीवंत उदाहरण हैं। निःसंदेह, ऐसे बदलाव केवल लोकतांत्रिक तरीकों से ही लाए जाने चाहिए। उनका यह कहना कि देश के भीतर-बाहर ऐसी ताकतें सक्रिय हैं, जो अशांति फैलाना चाहती हैं। यदि सरकार और प्रशासन सक्षम नहीं रहे, तो ये अपनी कारगुजारी दिखा सकती है। यह विचार सचेत करने वाला और गंभीर चिंतन का विषय है।

बीते सितंबर में इंडोनेशिया, मेडागास्कर, पेरू, फिलिपींस और नेपाल में युवा आक्रोश की लपटें देखी जा चुकी हैं। हालिया बरसों में हांगकांग, चिली, नाइजीरिया, म्यांमार और केन्या ने भी युवाओं के हिंसक प्रदर्शनों का सामना किया और अब मोरक्को में यह जारी है। धीरे-धीरे सत्ता की अकर्मण्यता, भेदभाव, अवसरों की कमी और भ्रष्टाचार के विरुद्ध जेन-ज़ी का विद्रोह एक वैश्विक चलन बन रहा है, जिसे संबंधित सरकारें प्रायः बाहरी ताकतों की साजिश बताकर टालती रही हैं। जहां तक भारत का प्रश्न है, सुदूर देशों के ऐसे आंदोलनों की छाया सीधे हम पर भले न पड़े, लेकिन पड़ोस की घटनाएं हमें सचेत करती हैं। यह केवल सीमा सुरक्षा का नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था और आंतरिक राजनीतिक विमर्श तक फैला हुआ मुद्दा है। ऐसे में यह सोचना स्वाभाविक है कि बहुलतावादी संस्कृति, मजबूत संस्थागत ढांचा और युवाओं के साथ सत्ताधारी दलों के जटिल संबंध ऐसे आंदोलनों की संभावनाओं को किस हद तक प्रभावित करते हैं।

असल में, भारत की विशिष्ट सामाजिक-राजनीतिक संरचना इस आशंका को न्यून करती है। हमारी भाषा, संस्कृति, धर्म और क्षेत्रीय विविधताओं के चलते विरोध की ऊर्जा विकेंद्रीकृत हो जाती है, जिससे देशव्यापी सुसंगठित युवा आंदोलन का राष्ट्रीय ताकत बनना बहुत मुश्किल हो जाता है। भारतीय युवा क्षेत्रीय दलों और मोर्चों से जुड़कर अपनी आवाज को स्थानीय स्तर पर व्यक्त करने का पर्याप्त अवसर पाते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक युवा विद्रोह के लिए समय, समन्वय और ठोस नेतृत्व की आवश्यकता होगी, जो वर्तमान परिदृश्य में कठिन है। इसके अतिरिक्त, भारत में विधानसभाएं, पंचायतें, मीडिया और न्यायपालिका जैसे मजबूत संस्थागत माध्यम उपलब्ध हैं, जिनके जरिए युवा बिना अराजकता फैलाए अपनी शिकायतें दर्ज कर बदलाव की मांग कर सकते हैं। इसके अलावा सामाजिक नियंत्रण के कई तंत्र भी व्यवस्था को स्थिर बनाए रखते हैं। दूसरी ओर विपक्षी दलों में युवाओं को संगठित करने और उनकी चिंताओं को राष्ट्रीय आंदोलन का रूप देने की ठोस रणनीति का अभाव है। स्वयं असंगठित विपक्ष का युवाओं को प्रेरित करने की क्षमता संदिग्ध है। ऐसे में भारत में जेन-ज़ी जैसे आंदोलन का पनपना कठिन है, फिर भी आत्मनिरीक्षण आवश्यक है, ताकि किसी भी परिस्थिति में हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत और युवाओं की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील बनी रहे।

प्रसंगवश

एशिया के सबसे बड़े हाईकोर्ट को मिला नया संबल

एशिया का सबसे बड़ा इलाहाबाद हाईकोर्ट बीते वर्षों से न्यायाधीशों की कमी और मुकदमों के बढ़ते बोझ से कराह रहा था। न्यायाधीशों के 160 स्वीकृत पदों के बावजूद यहां कभी पूरी संख्या में न्यायाधीश नहीं रहे। परिणाम यह हुआ कि न्याय के इंतजार में वादकारी और अधिवक्ता लगातार हताश होते रहे और लंबित मुकदमों की फेहरिस्त लगातार लंबी होती गई। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रधान पीठ इलाहाबाद में ही वर्तमान समय में 9,75,170 मुकदमे लंबित हैं, जिनमें सिविल के 4,89,275 और 4,85,895 आपराधिक मामले शामिल हैं।

ऐसी विकट स्थिति में केंद्र सरकार द्वारा 24 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति निश्चित रूप से एक ऐतिहासिक और दूरगामी कदम है। गत 27 सितंबर को केंद्र सरकार की संस्तुति के बाद इलाहाबाद

विनीत दूबे

अधिवक्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट

हाईकोर्ट के इतिहास का सबसे बड़ा शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने सभी नवनियुक्त न्यायाधीशों को शपथ दिलाई, जिनमें दस अधिवक्ता विवेक सरन, विवेक कुमार सिंह, गरिमा प्रसाद, सुधांशु चौहान, अबधेश कुमार चौधरी, स्वरूपमा चतुर्वेदी, सिद्धार्थ नंदन, कुणाल रवि सिंह, इंद्रजीत शुक्ला और सत्य वीर तथा वरिष्ठ न्यायिक सेवाओं से आए 14 न्यायिक अधिकारियों में डॉ. अजय कुमार (द्वितीय), चवन प्रकाश, दिवेश चंद्र सामंत, प्रशांत मिश्रा (प्रथम), तरुण सक्सेना, राजीव भारती, पदम नारायण मिश्र, लक्ष्मी कांत शुक्ला, जय प्रकाश तिवारी, देवेंद्र सिंह (प्रथम), संजीव कुमार, वाणी रंजन अग्रवाल, अचल सचदेव और बबीता रानी शामिल हैं।

इन नियुक्तियों से न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या अब 110 हो गई है, हालांकि 50 पद अभी भी रिक्त हैं। उक्त नियुक्तियों के संदर्भ में इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता समीर शर्मा का कहना है, "यह नियुक्ति न्यायहित में एक बड़ा कदम है। लंबित मामलों की सूची घटेगी और न्यायपालिका का संतुलन स्थापित होगा।" इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता प्रशांत मिश्रा कहते हैं, "जजों की कमी के कारण अधिवक्ताओं और वादकारियों को लंबे समय से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अब 24 नए जजों की नियुक्ति से यह समस्या काफी हद तक दूर होगी। तकनीकी रूप से दक्ष न्यायाधीश ई-कोर्ट को भी बढ़ावा देंगे।" अधिवक्ता माधवेंद्र सिंह मानते हैं कि दशहरे की छुट्टियों के बाद कोर्ट खुलने पर नई पीठों का गठन अधिक व्यवस्थित तरीके से हो सकेगा। जिन क्षेत्रों में खंडपीठ की आवश्यकता थी, वहां अब राहत मिलेगी।

न्यायाधीशों की नियुक्तियों को न्यायहित में एक सार्थक पहल मानते हुए अधिवक्ता पुरुषोत्तम मणि त्रिपाठी कहते हैं, "यह नियुक्ति न्यायिक क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम है। यह वर्षों से लंबन झेल रहे वादकारियों के लिए एक वरदान के समान है, जिससे न केवल लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी बल्कि न्यायपालिका का न्यायिक बल और अधिक सुदृढ़ होगा।" इन नियुक्तियों से केवल संख्या नहीं बढ़ी है, बल्कि विविध अनुभव और तकनीकी दक्षता भी न्यायपालिका में जुड़ी है। अधिवक्ताओं के रूप में वर्षों तक जमीनी स्तर पर संघर्ष कर चुके लोग अब पीठ पर बैठेंगे और जिला स्तर पर कार्य कर चुके अधिकारी अपने अनुभव से न्याय व्यवस्था की जटिलताओं को सरल करेंगे। 24 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश राज्य में यह कदम केवल न्यायालय तक सीमित सुधार नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विश्वास को पुनर्जीवित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। न्यायिक प्रक्रिया की गति बढ़ेगी तो न्याय के प्रति जनता की आस्था और भी प्रबल होगी।

राष्ट्र चेतना का अवतार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

सर्वेश कुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।

अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम।

धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।।

भगवान श्रीकृष्ण के अर्जुन से कहे गए ये वचन शास्वत, सनातन और चिरंतन भारतीय संस्कृति की जीवनी शक्ति हैं। इस जगत में जब-जब धर्म का नाश और अधर्म की वृद्धि होती है या संस्कृति पर आक्रमण होते हैं, तो ईश्वरीय शक्ति स्वयं अवतरित होती है। यह शक्ति त्रेता में भगवान श्रीराम के रूप में तो द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण के रूप में इस धरा पर अवतरित हुई। वहीं ईश्वरीय शक्ति, राष्ट्र चेतना के रूप में कलियुग में 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' के रूप में 100 साल पहले विजयादशमी को अवतरित हुई है।

इस दैवीय शक्ति से प्रेरित और संपन्न समाज सेवा के लिए अवतरित यह अद्भुत संगठन आज अपनी स्थापना के सौ साल पूरे कर रहा है। किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि आखिर कोई संगठन बगैर विघटति हुए, बगैर किसी विवाद के, बगैर किसी सरकारी सहायता के भी सौ साल पूरे कर सकता है। भारत में समाज सेवा, धर्म स्थापना और मानव सेवा के लिए अनेक संगठनों ने समय-समय पर जन्म लिया है। उन्होंने अच्छे कार्य किए हैं। वे अपने-अपने उद्देश्यों के प्रति समर्पित रहे हैं, किंतु वे एक सीमित कालखंड तक ही अपने आप को सशक्त और सबल बनाकर रख सके हैं। संघ की स्थापना के पूर्व अनेक सगठनों की स्थापना हुई, लेकिन वे समय की चुनौतियों का सामना करने में पूरी तरह सफल नहीं हो सके।

संघ एक मात्र ऐसा संगठन है जो सौ साल बाद भी उसी ऊर्जा, उसी लगन और उसी प्रेरणा को लेकर नित नवीन स्वरूप बनाये हुए खड़ा है और राष्ट्र आराधना के अपने उद्देश्य में सफल भी हुआ है। विचारणीय है कि संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या कारण है कि यह अन्य संगठनों की तरह थका नहीं, रूका नहीं, ठहरा नहीं। अनथक आगे बढ़ रहा है। बल्कि ऐसा विस्तार किया कि आज दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बना हुआ है। संघ के विस्तार और उसकी सांगठनिक रचना को देखें तो आज लगभग 78 हजार स्थानों पर एक लाख 25 हजार इसकी दैनिक और साप्ताहिक शाखाएं लग रही हैं।

देश के शहरी और ग्रामीण स्थानों पर लगभग एक लाख 29 हजार सेवा कार्य संचालित कर रहा है। सुदूर वनवासी क्षेत्रों, पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर संपूर्ण भारत में शिक्षा और संस्कार के कई लाख केंद्र संचालित हैं। संघ ने समाज जीवन का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं छोड़ा है, जहां अपने उद्देश्य के लिए कोई कार्य खड़ा न किया हो। इसीलिए संघ प्रेरित लगभग 40 विभिन्न संगठन सक्रिय हैं। दुनिया के समाजशास्त्री अध्ययन कर रहे हैं कि आखिर कोई संगठन दुनिया का सबसे बड़ा और निर्विवाद संगठन कैसे बनता है। इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए संघ को पढ़ने और संघ के बारे में सुनने से ज्यादा उसमें उतरने की जरूरत है। संघ को समझना है, तो संघ के निकट जाना ही पड़ेगा, तब संघ समझ में आएगा। संघ की अद्भुत पद्यति शाखा को समझना और उसमें जाकर देखना होगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना को सौ वर्ष पूर्ण हो गए। विजयादशमी के अवसर पर वर्ष 1925 में नागपुर में डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने संघ की स्थापना की थी। स्थापना के समय ही संघ ने अपना उद्देश्य और ध्येय स्पष्ट कर दिया था। संघ का ध्येय उसकी प्रार्थना की प्रथम पंक्ति 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे, त्वया हिंदूभूमे सुखमं वर्धितोअहम्' तथा प्रार्थना के अंत 'भारत माता की जय' से सुस्पष्ट है। संघ किसी के विरोध में कार्य नहीं करता और न ही किसी के विरोध के लिए इसकी स्थापना हुई है। जब संघ का स्वयंसेवक नियमित रूप से 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' कहता है, तो स्पष्ट ही है कि वह इस भारत मां की पूजा करता है, उन्हें नमन करता है, उनके लिए समर्पण का भाव प्रकट करता है और अंत में जब 'भारत माता की जय' कहता है तो स्पष्ट है कि भारत को सदैव विजयी और यशस्वी देखने की कामना है। ऐसे निःस्वार्थ और निष्काम उद्देश्य को धारण किए हुए संघ को भी अपनी सौ साल की यात्रा पूरी करने में अनेक कठिनाइयों, चुनौतियों, झूठे विमर्शों, मनगढंत आरोपों का सामना करना पड़ा है।

संघ के बारे में विरोधियों ने जो झूठे विमर्श गढ़े, उनमें सबसे प्रमुख रहा कि यह सांप्रदायिक संगठन है, मुस्लिम विरोधी संगठन है। इस विमर्श को गढ़ने में विशेष रूप से कांग्रेस और वामपंथी विचारधारा के राजनीतिक दलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन ये सभी आरोप समय के साथ झूठे साबित होते चले गए। देश में एक भी घटना ऐसी नहीं घटी, जिसमें संघ पर कोई आरोप प्रमाणित हुआ हो। देश में आजादी के बाद भीषण सांप्रदायिक दंगे भी हुए, लेकिन किसी में संघ को आरोपित नहीं किया जा सका। किसी भी न्यायालय ने संघ के खिलाफ कोई आदेश पारित नहीं किया।

राष्ट्रपिता की हत्या से जब सारा देश स्तब्ध था, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उनकी हत्या की घोर निंदा की। संघ ने 13 दिन का शोक मनाने के लिए शाखाओं को रोक दिया। इसके बावजूद संघ को गांधी जी की हत्या के लिए दोषी ठहराने का एक अभियान चलाया गया। संघ पर तत्कालीन केंद्र सरकार ने प्रतिबंध भी लगा दिया, लेकिन न्यायालय से संघ निर्दोष साबित हुआ। आपातकाल में संघ पर दूसरा प्रतिबंध लगा। अयोध्या में विवादित ढांचा ध्वंस के बाद भी संघ पर संक्षित प्रतिबंध लगाया गया, लेकिन संघ ने अपने संगठन कौशल और समाज के स्नेह और सामूहिक समाज शक्ति के बल पर इनका सामना किया।

> दुनिया के समाजशास्त्री अध्ययन कर रहे हैं कि आखिर कोई संगठन दुनिया का सबसे बड़ा और निर्विवाद संगठन कैसे बनता है।

आमने

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री हैं। लोग उन्हें अभिमन्यु न समझें, वह अर्जुन हैं। कोई दंगा भड़काएगा तो बुलडोजर भी चलेगा, तोप भी चलेगी, गोले भी चलेंगे। कई रावण तो संभल में हैं और संभल सांसद जिया उर्रहमान भी रावण हैं।

–आचार्य प्रमोद कृष्णम

कल्कि पीठाधीश्वर

सामने

संभल के लोग उनका इतिहास जानते हैं, इसलिए मैं उनके बारे में ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहता। यही हरकतें रहीं तो आचार्य के खिलाफ मानहानि का केस किया जाएगा। आचार्य को धार्मिक काम में ही सक्रिय रहना चाहिए, राजनीति का मोहरा नहीं बनना चाहिए।

–जियाउर्रहमान बर्क

सपा सांसद

मध्यस्थता ने खोले गाजा में शांति के द्वार

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहु गाजा पर नई शांति योजना के लिए राजी हो गए हैं। ट्रंप ने हमास को अल्टीमेटम दे दिया है। इसको लेकर हमास की प्रतिक्रिया आनी है। डोनाल्ड ट्रंप शांति वार्ता के लिए प्रयत्न कर रहे हैं। उसके पूर्व रूस और युक्रेन की मध्यस्थता की गई। युद्ध विराम विश्व शांति के लिए जरूरी है। युद्ध में निर्दोष जानें जाती है। धन हानि और जन हानि की इस दुःखद क्षति को कोई पूरा नहीं कर सकता है। रूस-युक्रेन की जंग को चार वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। मानवता सिसक रही है। निर्दोष परिवार उन नौनिहालों और परिवार के सदस्यों को खोने के गम में दुःखी हैं। मानवता फूट-फूटकर रो रही है। हर एक के मन में सवाल उमड़ रहा है, आखिर हमारा क्या दोष है? खंडहर में तब्दील होते मोहल्ले और दाने-दाने के लिए मोहताज उन निर्दोष लोगों का आखिरकार पालनहार कौन है?

ट्रंप के लिए अनेक तर्क-वितर्क दिए जा रहे हैं। उनके लिए कई निजी प्रश्न हो सकते हैं, लेकिन वह हिंसा बंद कराने और तीसरे विश्व युद्ध की विभीषिका को बचाने की भरपूर कोशिश कर रहे हैं। यह स्वागत योग्य है। ट्रंप की शांति वार्ता के लिए चीन, रूस और भारत ने भी समर्थन किया है। हिंसा विश्व को हरदम रुलाने का ही कार्य करती आ रही है। हमने दो-दो विश्व युद्ध देखे हैं। हम अब तीसरे विश्व युद्ध की कल्पना नहीं कर सकते हैं। बारूद का हर कण आग लगाने के लिए ही निर्मित किया गया है।

विश्व को आज अहिंसा को समझने की जरूरत है। अहिंसा विश्व शांति का दिव्यास्त्र है। अहिंसा ही धर्म को बचाएगी। हिंसा अन्यायपूर्ण है। युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है। ट्रंप गाजा को फिर से खड़ा करने के लिए आर्थिक विकास योजना के लिए विचारशील हैं। अटकलें यह भी लगाई जा रही हैं कि ट्रंप की योजना में पाकिस्तान की इस्लामी वैधता का केंद्रीय पहलू है।

> विश्व को आज अहिंसा को समझने की जरूरत है। अहिंसा विश्व शांति का दिव्यास्त्र है। अहिंसा ही धर्म को बचाएगी।

अमेरिका के प्रस्ताव में तय किया गया है कि इजरायली सेना को हटाया जाएगा। इजरायल के चारों तरफ उसके दुश्मन देश हैं। बैठक में शर्त और नियमों के अधीन शांतिवार्ता में इजरायल ने ट्रंप की सभी बातों का समर्थन किया है, जिसमें गाजा में पूरी तरह मानवीय मदद देने की शर्त शामिल है। हमास योजना नहीं ठुकरा सकता है। हमास को हथियार छोड़ने होंगे। इजराइल ने सात हजार ठिकानों पर हमले किए हैं।

नागरिकों की रक्षा करना हर देश का कर्तव्य और अपनी जवाबदेही है। इजराइल ने हमास को समाप्त करने के रूप में हमला किया। इसमें विकल्प की तलाश के साथ ही हमास को पुनर्गठित होने से रोकने का प्रयास भी था। अब हमास बंधक छोड़ने के लिए तैयार है। शांतिवार्ता के पक्षधर ट्रंप ने इजरायल को युद्ध रोकने के लिए तैयार कर 20 सूत्रीय योजना पेश कर उस पर विचार-विमर्श शुरू करने का आग्रह किया है। कई अरब देश ट्रंप के साथ खड़े दिखाई दिए हैं। हमास फलस्तीन का सबसे प्रमुख इस्लामी चरमपंथी गुट है।

पश्चिमी क्षेत्र और गाजा पट्टी पर इजरायल का कब्जा है। पिछले लंबे समय से चल रहे युद्ध को कामयाबी माना जा रहा है। इजरायल और हमास दोनों शर्त मानने के लिए राजी हुए हैं। इजराइल युद्ध से मध्य पूर्व में अस्थिरता फैली है, जबकि पूरा विश्व प्रभावित हुआ है। हमास और इजराइल युद्ध से अस्थिरता के दौर से गुजर रहे मध्य पूर्व से भारत के सामरिक और आर्थिक हित जुड़े हुए हैं। फिर भी युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है।

यह युद्ध खत्म हो जाएगा, लेकिन दूसरी तरफ रूस और युक्रेन का युद्ध निरंतर जारी है। रूस और युक्रेन की जंग में दोनों देशों को हुई आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षति को पूरा करना किसी के वश में नहीं है। रूस शक्ति संपन्न और इकोनॉमी में ताकतवर देश है। रूस अभी भी दस वर्ष तक सीधा युक्रेन से जंग कर सकता है, परंतु नाटो की मदद से युद्ध लड़ रहे युक्रेन की दशा और दिशा उसी को सुनिश्चित करनी पड़ेगी। संपूर्ण युद्ध और दोनों देशों के बीच पनप रहा विरोध खत्म होते ही नाटो युक्रेन की मदद करना बंद कर देंगे, इसलिए युक्रेन को समझना होगा।

सोशल फोरम

लाइफबोट पर सिर्फ एक आदमी की जगह थी

एक प्रोफेसर अपनी क्लास में कहानी सुना रहे थे, जो कि इस प्रकार है– एक बार समुद्र के बीच में एक बड़े जहाज पर बड़ी दुर्घटना हो गई। कप्तान ने शिप खाली करने का आदेश दिया।

संजीव मिश्रा

ब्लॉगर

जहाज पर एक युवा दंपति थे। जब लाइफबोट पर चढ़ने का उनका नंबर आया तो देखा गया, नाव पर केवल एक व्यक्ति के लिए ही जगह है। इस मौके पर आदमी ने औरत को परे किया और नाव पर कूद गया। डूबते हुए जहाज पर खड़ी औरत ने जाते हुए अपने पति से चिल्लाकर एक वाक्य कहा...। अब प्रोफेसर ने रुककर स्टूडेंट्स से पूछा, "तुम लोगों को क्या लगता है, उस स्त्री ने अपने पति से क्या कहा होगा?"

ज्यादातर विद्यार्थी फौरन चिल्लाए, "स्त्री ने कहा– मैं तुमसे नफरत करती हूं! I hate you!"

प्रोफेसर ने देखा एक स्टूडेंट एकदम शांत बैठा हुआ था। प्रोफेसर ने उससे पूछा कि तुम बताओ तुम्हे क्या लगता है? वो लड़का बोला, "मुझे लगता है, औरत ने कहा होगा– हमारे बच्चे का ख्याल रखना!" प्रोफेसर को आश्चर्य हुआ। उन्होंने लड़के से पूछा, "क्या तुमने यह कहानी पहले सुन रखी थी?"

लड़का बोला, "जी नहीं, लेकिन यही बात बीमारी से मरती हुई मेरी मां ने मेरे पिता से कही थी।" प्रोफेसर ने दुःखपूर्वक कहा, "तुम्हारा उत्तर सही है!"

प्रोफेसर ने कहानी आगे बढ़ाई- जहाज डूब गया। स्त्री मर गई। पति किनारे पहुंचा और उसने अपना बाकी जीवन अपनी एकमात्र पुत्री के समुचित लालन-पालन में लगा दिया। कई सालों बाद जब वो व्यक्ति मर गया तो एक दिन सफाई करते हुए उसकी लड़की को अपने पिता की एक डायरी मिली। डायरी से उसे पता चला कि जिस समय उसके माता-पिता उस जहाज पर सफर कर रहे थे, तो उसकी मां एक जानलेवा बीमारी से ग्रस्त थीं और उनके जीवन के कुछ दिन ही शेष थे।

ऐसे कठिन मौके पर उसके पिता ने एक कड़ा निर्णय लिया और लाइफबोट पर कूद गया। उसके पिता ने डायरी में लिखा था– 'तुम्हारे बिना मेरे जीवन का कोई मतलब नहीं। मैं तो तुम्हारे साथ ही समंदर में समा जाना चाहता था, लेकिन अपनी संतान का ख्याल आने पर मुझे तुमको अकेले छोड़कर जाना पड़ा।'

जब प्रोफेसर ने कहानी समाप्त की तो, पूरी क्लास में शांति थी।

सामयिकी

पीढ़ियों पर पड़ता है लड़की की शिक्षा का असर

गांव की रेत भरी पगडंडी पर दस साल की रेखा हाथ में पुरानी किताबें थामे स्कूल जाने की तैयारी कर रही थी। उसके चेहरे पर मासूम चमक थी, लेकिन मन में एक अनकहा डर भी। मां ने जाते-जाते उसे याद दिलाया कि लौटकर उसे पानी भी भरना है और छोटे भाई को संभालना भी है। रेखा चाहती थी कि उसकी पढ़ाई पूरी हो, वह भी शहर की लड़कियों की तरह डॉक्टर या अध्यापिका बने, लेकिन उसकी दादी का कहना था कि लड़की को इतना पढ़ाने की क्या जरूरत है, आखिरकार उसे तो घर ही संभालना है। दादी के ये शब्द अक्सर रेखा के सपनों को तोड़ देते हैं।

यह हकीकत गांव की किसी एक लड़की की नहीं है, बल्कि

अदा

एक्टिविस्ट

यहां की कई किशोरियां इस कड़वी हकीकत से रोज गुजरती हैं। देश में आज भी लड़कियों की शिक्षा को लेकर नकारात्मक सोच गहराई से जमी हुई है। परिवारों की मान्यताएं इस दिशा में बड़ी बाधा बनती हैं। आज भी बहुत से माता-पिता मानते हैं कि उच्च शिक्षा में समय और धन लगाने के बजाय लड़की को कम उम्र में ही ब्याह देना बेहतर है।

देश के तमाम गांवों में लड़कों को तो शिक्षा दिलाई जाती है, लेकिन लड़कियों को इससे दूर रखा जाता है। कई घरों में लड़कियों की प्राथमिक शिक्षा तो हो जाती है, लेकिन जैसे-जैसे वे किशोरावस्था में पहुंचती हैं, पढ़ाई बीच में ही छूट जाती है। कारण एक नहीं, बल्कि कई हैं। गरीबी, स्कूल की दूरी, सुरक्षित परिवहन का अभाव, और सबसे बड़ा कारण, समाज की सोच। गांव के बुजुर्ग अक्सर कहते मिलते हैं कि लड़की का असली घर उसका ससुराल है, पढ़ाई का बोझ क्यों दिया जाए। यही सोच लड़कियों के सपनों को अधूरा कर देती हैं। कुछ परिवारों में यह डर भी रहता है कि पढ़ी-लिखी लड़की विवाह में कठिनाई खड़ी कर देगी, क्योंकि दूल्हे वाले उनसे ऊंची अपेक्षाएं करेंगे।

गांवों में लड़कियों को शिक्षा दिलाना अक्सर 'खर्च' माना जाता है। लड़के को पढ़ाना निवेश समझा जाता है, क्योंकि वह भविष्य में परिवार का सहारा बनेगा, जबकि लड़की शादी के बाद दूसरे घर चली जाएगी। आर्थिक तंगी से जूझते परिवारों में प्राथमिकता बेटे की पढ़ाई होती है। सुरक्षा का मुद्दा भी कम अहम नहीं। दूर-दराज के गांवों में जब स्कूल कई किलोमीटर दूर हो और परिवहन की सुविधा न हो तो परिवार लड़कियों को भेजने से हिचकते हैं। इसके अलावा किशोरावस्था में पहुंचते ही परिवारों को डर होता है कि लड़की बाहर जाएगी तो बदनामी हो सकती है। ऐसे में सबसे आसान उपाय उन्हें घर में रोक लेना और जल्दी शादी कर देना समझा जाता है।

शिक्षा केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरी पीढ़ियों पर असर डालती है। अध्ययनों से यह साफ हो चुका है कि जिन महिलाओं ने स्कूलिंग पूरी की, वे अपनी बेटियों को भी स्कूल भेजने की संभावना ज्यादा रखती हैं। शिक्षा पाई हुई लड़की शादी में देर से जाती है, उसका स्वास्थ्य बेहतर होता है और वह परिवार की आर्थिक स्थिति में भी योगदान करती है। गांवों में यदि लड़कियां पढ़ पातीं तो वहां की सामाजिक-आर्थिक तस्वीर काफी बदल सकती है। ऐसे में समाज को यह समझना होगा कि लड़की की शिक्षा केवल परिवार का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समुदाय का भविष्य है। जरूरत है कि परिवार, समाज और सरकार मिलकर यह मान लें कि शिक्षा प्राप्त करना हर लड़की का मौलिक अधिकार है। अगर यह सोच हर घर तक पहुंच सके तो देश नई दिशा पा सकता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

मिर्जापुर के अनजाने पर्यटन स्थल
एक छुपी हुई विरासत

उत्तर प्रदेश का मिर्जापुर अक्सर विंध्याचल धाम, अष्टभुजा माता मंदिर और चुनारगढ़ किले के कारण प्रसिद्ध है। यहां हर साल लाखों श्रद्धालु और सैलानी पहुंचते हैं। लेकिन इस धार्मिक और ऐतिहासिक पहचान के पीछे मिर्जापुर की एक ऐसी अनकही और अनदेखी दुनिया भी छुपी है, जहां अब भी प्रकृति, इतिहास और लोकसंस्कृति अपनी मूल अवस्था में जीवित है। बहुत कम लोग इन स्थलों के बारे में जानते हैं, लेकिन जो लोग यहां पहुंचते हैं, वे जीवनभर की यादें लेकर लौटते हैं। एक बार इन स्थलों की यात्रा जरूर करके देखें।

झरने, गुफाएं और प्राचीन खंडहर आकर्षण का केंद्र

मिर्जापुर केवल धार्मिक आस्था या चुनारगढ़ किले की कहानियों तक सीमित नहीं है। यहां की झरने, गुफाएं, प्राचीन खंडहर और लोककला गांव इसे एक समग्र पर्यटन स्थल बनाते हैं। अफसोस की बात यह है कि इन जगहों की जानकारी बहुत कम लोगों तक पहुंच पाती है। यदि इन छुपे रत्नों को सही पहचान और संरक्षण मिले, तो मिर्जापुर उत्तर प्रदेश का एक ऐसा केंद्र बन सकता है जहां पर्यटक आस्था, रोमांच, इतिहास और संस्कृति—सबका अनुभव एक साथ ले सकें।

लखनिया दरी जलप्रपात

- विंध्य पर्वत शृंखलाओं के बीच बसा लखनिया दरी जलप्रपात प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत नमूना है। यहां लगभग 150 मीटर ऊंचाई से गिरता पानी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। मानसून के समय इसकी खूबसूरती चरम पर होती है। खास बात यह है कि यहां भीड़ कम आती है, इसलिए शांति और रोमांच दोनों का आनंद लिया जा सकता है। ट्रैकिंग प्रेमियों के लिए भी यह जगह आदर्श है।

तारन जलप्रपात

- लखनिया दरी से कुछ दूरी पर स्थित तारण जलप्रपात अब तक बहुत कम लोगों तक पहुंचा है। यहां का पानी चट्टानों से टकराकर छोटे-छोटे ताल बनाता है। स्थानीय लोग मानते हैं कि यहां स्नान करने से मन और शरीर दोनों ताजगी से भर जाते हैं। यह स्थान खासकर उन लोगों के लिए उपयुक्त है, जो पर्यटन के शोरगुल से दूर प्रकृति के बीच सुकून तलाशते हैं।

मोटिया तालाब और प्राचीन शिलालेख

- मिर्जापुर शहर के पास स्थित मोटिया तालाब को कभी स्थानीय शासकों ने बनवाया था। इसकी खासियत केवल पानी का स्रोत होना नहीं है, बल्कि इसके किनारों पर बने प्राचीन शिलालेख और मूर्तियां हैं। यहां की दीवारों पर अंकित चित्र विंध्य क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाते हैं। यह जगह आम पर्यटकों की नज़रों से दूर है, लेकिन इतिहास प्रेमियों के लिए खजाने से कम नहीं।

जटाशंकर धाम

- मिर्जापुर का जटाशंकर धाम धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन बहुत कम लोग इसे जानते हैं। यहां एक गुफा जैसी संरचना है, जिसके भीतर शिवलिंग स्थित है। मान्यता है कि भगवान शिव की जटाओं से गंगा की धारा यहां प्रकट हुई थीं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को अध्यात्म और प्रकृति दोनों का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

ललित कला और लोककला गांव

- मिर्जापुर अपने कालीन उद्योग के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इसके आसपास कुछ गांव ऐसे भी हैं जहां आज भी लोककला, मिट्टी के बर्तन, लकड़ी की नक्काशी और पारंपरिक चित्रकला जीवित है। यह गांव किसी संग्रहालय से कम नहीं लगते। यहां जाकर पर्यटक केवल कला देखते ही नहीं, बल्कि कारीगरों से संवाद करके मिर्जापुर की धड़कन को महसूस करते हैं।

विंध्य की गुफाएं – पौराणिक रहस्य

- मिर्जापुर के पहाड़ी क्षेत्रों में कई छोटी-बड़ी गुफाएं हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। इनमें से कई गुफाओं में शिलालेख, पौराणिक प्रतीक और साधुओं के रहने के चिह्न आज भी दिखाई देते हैं। स्थानीय मान्यता है कि यह गुफाएं कभी तपस्वियों का निवास स्थल रही होंगी। रोमांच और अध्यात्म के मिश्रण की तलाश करने वालों के लिए यह गुफाएं बेहद खास अनुभव प्रदान करती हैं।

काला पहाड़ – रोमांच का केंद्र

- मिर्जापुर का काला पहाड़ नाम की तरह रहस्यमयी है। यह काले पत्थर की ऊंची पहाड़ी है, जहां से पूरे इलाके का शानदार नज़ारा देखा जा सकता है। यहां पहुंचना आसान नहीं है, लेकिन रोमांच प्रेमियों के लिए यह ट्रैकिंग का अद्भुत अनुभव है। बहुत कम लोग इस जगह का नाम जानते हैं, लेकिन जो भी यहां आता है, प्रकृति की गोद में बिताए पल उसे अविस्मरणीय लगते हैं।

टंडा फॉल्स

- शहर की हलचल से दूर स्थित टंडा फॉल्स को मिनी नियाग्रा भी कहा जाता है। यहां का पानी कई धाराओं में बंटकर नीचे गिरता है, जिससे एक अनोखा दृश्य बनता है। खास बात यह है कि यहां स्थानीय जनजातियां आज भी अपनी संस्कृति के साथ जीती हैं। उनके नृत्य, गीत और लोककला सैलानियों को मिर्जापुर की असली आत्मा से जोड़ते हैं।

लेखक– शिवेंद्र सिंह बघेल
शिक्षक के साथ ही साहित्यकार भी हैं

स्कूल के दिन याद आते ही झूम उठता मन

अमर स्मृतियां

स्कूल के दिन यह शीर्षक ही ऐसा है जिसे सुनते या पढ़ते ही मन रोमांच से भर उठता है। यह वो सुनहरे दिन थे जो जीवन की सबसे अमर स्मृतियों में गिने जाएंगे। केजी से लेकर 12वीं तक की कक्षाओं का समय मेरे जीवन का वह समय था जिसको याद करके मन खुशियों से भर जाता है और उन पलों को जीने की चाहत फिर से जाग उठती है। स्कूल की घंटी बजने से लेकर छुट्टी की घंटी बजने तक का समय कैसे बीत जाता था पता ही नहीं चलता था। उस समय मोबाइल का दौर नहीं था इसलिए दोस्तों से बात करने के लिए पूरे 1 दिन का इंतजार करना पड़ता था। लंच टाइम में टिफिन शेयर करना, तरह-तरह के खेल खेलना उसमें जीतने की खुशी और हारने पर मिलकर हौसला बढ़ाना ,परीक्षा के दिनों का तनाव, उसके बाद छुट्टियों का उल्लास अभी भी याद आता है। उन दिनों ना तो जिम्मेदारियां का बोझ था बस परीक्षा में अच्छे अंकों से पास होने के अलावा और कोई चिंता न थी। विद्यालय का जीवन ही हमारी वास्तविक नींव है। स्कूल केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान ही नहीं है बल्कि जीवन के विविध पहलुओं को दिशा देने वाला मंदिर भी है। विद्यार्थी जीवन बीते हुए बहुत समय हो गया हो, लेकिन आज के तकनीकी युग में सोशल मीडिया के द्वारा पुराने सब दोस्त फिर से मिल सके और पुरानी यादें ताजा हो पाई हैं। विद्यार्थी जीवन ,जीवन का वह सोपान है जहां ज्ञान के साथ-साथ अनुशासन ,मित्रता और संस्कारों की नींव रखी जाती है लेकिन साथ-साथ जो शरारतें और हंसी - मजाक कक्षा के बीच और बाद में होता था वह सबसे मनोरंजक पल होता था। शिक्षकों का नामकरण करना और किसी खास हावभाव को चिन्हित करना बड़ा आनंद देता था। आज टीचर किस रंग की साड़ी पहन कर आएंगी इसकी शर्त लगाने का भी अपना अलग मजा था। कक्षा में टीचर द्वारा खास मुझे चैप्टर रीडिंग करवाना या फिर कॉपियां स्टाफ रूम में रखने के लिए कहना, टीचर के अनुपस्थित होने पर खास मुझे क्लास को देखने की जिम्मेदारी देना यह सब छोटी-छोटी बातें गर्व और हर्ष का विषय बनती थी और स्पेशल फील कराती थी।आज भी कुछ टीचर्स संपर्क में है और पुरानी यादें साझा करती हैं तो बहुत अच्छा लगता है। स्कूल के दिनों में कोई ब्यूटी क्वीन, कोई गॉसिप गर्ल ,कोई टॉमबॉय कोई मिस कैटवॉक,कोई चुगली आंटी के नाम से चुपके से अलंकृत की जाती थी जो अपने आप में मनोरंजन का कारण होता था। ऐसी न जाने कितनी अनगिनत स्मृतियां हैं जिन्हें शब्दों में सीमित नहीं किया जा सकता। स्कूल के दिन हमारी स्मृतियों के वे अध्याय हैं जहां अनुशासन के साथ-साथ मित्रता का संसार बसता था। अध्यापकों के अनुशासन, स्वयं के परिश्रम एवं मित्रों के प्रेम ने जीवन को रंगीन बना दिया था। आज जब हम जीवन की जटिलताओं से थक जाते हैं तब अनायास ही हमारी स्मृतियां हमे स्कूल के दिनों की ओर सहज ही ले जातीं हैं।

लेखिका: डॉ. मनीषा चतुर्वेदी

आत्मविश्वास और दूरदर्शिता सफल एंटरप्रेन्योर की गारंटी

सफलता की कहानी

- उद्यम में सफलता के अनुभव साझा कर रहे उद्योगपति शिव कुमार अग्रवाल
- बोले-संघर्ष और समस्याओं को सुलझाना अलजेब्रा हल करने जैसा

रुद्रपुरः खुद पर भरोसा और जज्बा हो तो आप दूरदर्शिता के साथ बढ़ते हुए कामयाब एंटरप्रेन्योर बन सकते हैं। मैं उद्यम के क्षेत्र में सफल होने के लिए सच्चाई, ईमानदारी और निडरता के साथ कामयाबी की डगर पर नित नए पड़ाव तय करता रहा। एक सक्रिय स्वतंत्रता सेनानी परिवार में पैदा होने के कारण निडरता और एंटरप्रेन्योरशिप जैसे गुण मेरे जींस में रहे हैं। आजादी के कुछ साल बाद यानी 1952 में जन्म होने के बाद बावजूद मैं अपने घर पर उस जमाने के नामी नेताओं और प्रतिष्ठित लोगों का जमघट देखकर और उनसे बातचीत कर रोमांचित होता था। संयुक्त परिवार से संबंधित होने के कारण मुझे सभी संस्कार मिले थे। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बड़ों का भरपूर आदर करना था।

14 साल की उम्र में हाईस्कूल पास किया। उस समय मातृभाषा होने के कारण अपनी हिन्दी को लेकर आत्मविश्वास था इसलिए उसे पढ़ा नहीं। उस समय के माहौल में अंग्रेजी पढ़ी नहीं गयी। हां, मेरा अलजेब्रा सबसे स्ट्रांग था और इसमें खूब मजा आता था। इसमें मैं हमेशा कम से कम 99 प्रतिशत सवाल हल कर लेता था। मुझे लगता है कि हम सभी की जिंदगी भी अलजेब्रा की तरह है। तमाम तरह के संघर्ष और समस्याओं को सुलझाना जिंदगी का अलजेब्रा हल करने जैसा ही है। मेरी तमन्ना एयरफोर्स में जाने की थी क्योंकि यह मुझे रोमांचित करता था, लेकिन घर वाले मुझे एंटरप्रेन्योरशिप की राह पर आगे बढ़ते हुए देखना चाहते थे। आखिरकार मैंने सिर्फ 18 साल की उम्र में उद्यमिता की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए। मैंने अकेले दम पर सबसे पहले खुद की राइस मिल लगाई और फिर मुझे पीछे मुड़कर देखने की नौबत नहीं आयी। इसके बाद मैंने एक-एक करके लगातार कई यूनिट्स लगाईं। इस प्रक्रिया में मुझे जो संघर्ष करना पड़ा, उसे मैं जरूरी और किसी भी कीमत पर सस्ता समझता हूं। मेरा मानना है कि अनुभव एक पूंजी की तरह है जो किसी भी तरह हासिल करना चाहिए। भले ही इसके लिए कभी नुकसान ही क्यों न उठाना पड़े। इससे परिपक्वता आती है और आत्मविश्वास बढ़ता है। उद्यमिता की राह में मिलने वाले अनुभवों को मैंने पूरी तरह एंज्वाय किया। इससे मैं और ज्यादा निडर हुआ। मैंने अपनी अब तक की लाइफ में उतार-चढ़ाव और नुकसान बहुत देखे हैं पर मेरा मानना है कि एंटरप्रिन्योरशिप की राह सांप-सीढ़ी के खेल जैसी है। कभी किसी निर्णय से आपको बहुत लाभ मिल सकता है तो किसी भी एक निर्णय या कदम से नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। तमाम उतार-चढ़ावों के बावजूद मैंने जमीर को कभी खराब या खत्म नहीं होने दिया। यहां तक कि अभाव महसूस होने पर भी मैंने कभी समझौता नहीं किया। शायद यही कारण है कि इससे मिलने वाली ताकत के कारण ही मैं हमेशा कांफिडेंट रहता हूं। इसके अलावा मेरे लिए सच्चाई और ईमानदारी भी बेहद महत्वपूर्ण रहे हैं। चाहे वह किसी के प्रति भी हों। मुझे लगता है कि इन गुणों के साथ अगर किसी काम के प्रति आपका डेडिकेशन है तो आपकी आईक्यू भी शार्प होगी और आप कामयाबी की राह पर निश्चित रूप से हमेशा आगे बढ़ते रहेंगे।

दोनों पुत्र भी स्थापित कर रहे कीर्तिमान

- शिवकुमार अग्रवाल के दोनों पुत्र अभिषेक एवं सौरभ भी उनके पदचिन्हों पर चल रहे हैं। उन्होंने युवा उद्यमी के तौर पर अपनी एक अलग पहचान बनायी है। शिवकुमार द्वारा लगाये गये पौधे को वटवृक्ष के रूप में विकसित कर रहे हैं। उत्तराखंड राज्य के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल, आंध्र प्रदेश तक अपने व्यवसाय का विस्तार सफलतापूर्वक करते हुए संस्था को तेजी से आगे बढ़ाकर नित नये कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। वर्तमान में तीसरी पीढ़ी भी कंधे से कंधा मिलाने को तत्पर है।

लेखक: डॉ. शिवकुमार अग्रवाल
उद्योगपति, ऊधमसिंह नगर

जीएसटी : पुराने माल में फंसी सस्ता सामान पाने की हसरत

बाजार में व्यापारियों ने 22 सितंबर से जीएसटी दरें घटने के बाद भी अब तक नहीं घटाईं पुराने स्टॉक पर कीमतें

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- ग्राहकों को पुराने दामों पर ही मिल रहा खाने-पीने से लेकर अन्य सामान
- ग्राहक घटे हुए दामों पर मांग रहे सामान, दुकानदार देने से कर रहे इनकार

अमृत विचार : जीएसटी का नया स्लैब सरकार ने 22 सितंबर से लागू कर दिया, लेकिन सस्ता सामान पाने की हसरत रखने वाले ग्राहकों को दुकानदार अब भी पुराने स्टॉक का सामान बताकर पुराने दाम ही वसूल रहे हैं।

पांच रुपये वाला बिस्कुट अब भी पांच रुपये में ही मिल रहा है। इसी तरह शैंपू, आइसक्रीम समेत अन्य सामान के दाम पहले की तरह बने हैं। इसको लेकर दुकानदार और ग्राहकों के बीच बहस होती देखी जा सकती है।

ग्राहकों का कहना है कि उन्हें जीएसटी की घटी हुई दरों का लाभ नहीं मिल रहा है। बाजार में आलम यह है कि किराना समेत अन्य सामान पर ग्राहक जीएसटी कम होने का हवाला देकर सस्ते सामान की मांग कर रहे हैं।

मगर, कुछ सामान को छोड़कर दुकानदार शेष को पुराने मूल्य पर ही बेच रहे हैं। ग्राहकों का कहना है कि उन्हें घटी दरों का लाभ मिलना चाहिए। वहीं, दुकानदारों का कहना है कि पूर्व में उन्होंने महंगे दाम पर सामान खरीदा था, इसलिए उस स्टॉक को सस्ते दाम पर बेचना संभव नहीं है। जैसे-जैसे पुराना स्टॉक खत्म होगा, वैसे ही नई जीएसटी दरों के अनुसार लाभ दिया जाएगा। अभी दुकानों पर पुराना स्टॉक बहुत अधिक है। कंपनियों ने 21 सितंबर तक जो माल भेजा है, उस पर पुरानी जीएसटी ही लगाई है।

फायदा दुकानदार ले रहे, न कि ग्राहक

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय महामंत्री राजेंद्र गुप्ता का कहना है कि नए माल पर जीएसटी में कमी का फायदा दुकानदार और व्यापारी दोनों को ही मिल रहा है।

ग्राहकों के लिए वस्तुओं के दाम में कोई खास कमी नहीं आई है। पहले जिस वस्तु का एमआरपी 100 रुपये था और 18 फीसदी जीएसटी के साथ डिस्काउंट के बाद 80 रुपये में मिलती थी , वह आज भी 80 रुपये में ही मिल रही है, भले ही अब उस पर सिर्फ पांच फीसदी जीएसटी लग रहा हो।

इस स्थिति में, 13 फीसदी जीएसटी की कमी का सीधा फायदा दुकानदार की जेब में जा रहा है, न कि ग्राहक को।

जीएसटी कम होने के बाद रेटों में कुछ इस तरह आया अंतर

वस्तु	पुरानी कीमत	नई कीमत (रुपये में)
मक्खन (500 ग्राम)	305	284
चीज (1000 ग्राम)	630	605
घी (अमूल 1 किलो)	650	511
बादाम (1 किलो)	840	790
चाकलेट (60 ग्राम)	110	104
बिस्कुट (पारले 800 ग्राम)	100	94
साबुन (750 ग्राम डेटॉल)	310	276
टोमैटो कैचअप (1.1 किलो)	150	141
जैम (500 ग्राम)	200	188
आईसक्रीम (700 ग्राम)	180	161
शैंपू (175 एमएल)	149	133

जीएसटी तो कम हो गई पर लाभ भी मिले। केंद्र सरकार ने 250 से अधिक सामानों पर जीएसटी की दरों को कम किया है। इसका लाभ भी सामान खरीदते समय मिलना चाहिए। कार, स्कूटर आदि पर दाम कम होने की बात को सुना है, लेकिन आम आदमी के लिए घरेलू सामान सस्ता होना भी तो जरूरी है।
–राधिका कपूर, गृहणी

किराने के सामान पहले भी पांच प्रतिशत में थे। 22 सितंबर के बाद माल की जो भी बिलिंग हुई है उसी के मुताबिक ग्राहकों को भी फायदा दे रहे हैं। किराना का लगभग सारा सामान तो पहले भी पांच प्रतिशत की श्रेणी में शामिल था। कुछ वस्तुओं पर अभी कमी संभव नहीं है। अगले कुछ दिनों में ठीक हो जाएगा।
– भूपराम मौर्या, प्रोविजन स्टोर संचालक

पहले और अब की कीमतों में कोई अंतर नहीं। सुन तो रहे हैं कि दाम कम हुए हैं, लेकिन गली-मोहल्लों से लेकर बाजार में दुकानों पर अभी ज्यादातर सामान पुराने दामों पर ही मिला है। हेयर ऑयल और हेयर शैंपू सहित कुछ सामान लिया था। इसी तरह कुछ मेवा ली थी। लेकिन, इसमें पहले और अब की कीमतों में कोई अंतर नहीं मिला।
– अर्चना, गृहणी/नौकरी पेशा

लोगों को सरकार के कदम का मिलेगा लाभ। कुछ दुकानों के पास पुराना स्टका रखा है। 22 सितंबर को सरकार ने जीएसटी का नया स्लैब लागू किया है। इसके बाद कई कंपनियों ने इस कदम का सीधा लाभ आमजन तक पहुंचाना शुरू कर दिया है। किराना के बहुत सी ब्रांडेड कंपनियों के सामान सस्ते हो गए हैं।
– राजेश जसौरिया, व्यापारी नेता

कई कंपनियों ने पहले बढ़ाए दाम, फिर घटाए

श्यामगंज के थोक किराना व्यापारी पंकज सेठ ने बताया कि 15 अगस्त तक देसी घी का 850 ग्राम का डिब्बा थोक में 520 रुपये में बिक रहा था। सरकार की घोषणा के बाद कंपनियों ने दाम बढ़ाकर 570 रुपये कर दिए थे। 22 सितंबर को जीएसटी कम हुई तो 30 रुपये दाम घटा दिए, लेकिन पिछले चार दिनों में फिर से 10-10 रुपये करके बढ़ा दिए हैं। जबकि, सरसों का तेल, रिफाइंड पहले भी पांच प्रतिशत की श्रेणी में थे और अब भी इसी श्रेणी में है। इसी प्रकार दाल, आटा, मैदा, सूजी और चावल पर पहले से ही कोई जीएसटी नहीं लगती है। व्यापारियों ने सरकार से कंपनियों पर लगाम लगाने की मांग की है, जिससे आमजन को जीएसटी को लेकर उठाए गए अच्छे कदम का सीधा लाभ पूरी तरह से मिल सके।

न्यूज ब्रीफ

दुर्गा जागरण में सुनाई मां की भेंटें

कुकरा, अमृत विचार : पूरनपुर के गायकों ने कसबे के शिव मंदिर, गढ़ी मोहल्ला, पसियाना मोहल्ला में मां जागरण में मां दुर्गा के भजनों की अपनी प्रस्तुति से भक्तों को रात भर भक्ति रस में डूबे डूबोदिया। मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि वेदप्रकाश शर्मा ने पूजन कर जागरण आरंभ कराया। संयोजक अशोक कुमार विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष रमेश यादव, विनोद कुमार विश्वकर्मा, उपदेश विश्वकर्मा, छोटे विश्वकर्मा, अमित कुमार मिश्रा, राजकुमार सक्सेना, सेवानिवृत्ति एसआई सुरेंद्र मिश्रा, सुस्विंदर विश्वकर्मा आदि व्यवस्था में लगे रहे।

नवरात्र के समापन पर किया हवन-पूजन

केशवापुर, अमृत विचार : सकेथू गांव में माता दुर्गा जागरण पंडाल में माता दुर्गा की स्थापित प्रतिमा की पांडाल में पूजन कर गांव की समस्त कन्याओं का पूजन कर कन्याभोज कराया। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन-पूजन पं..कृष्णा शुक्ला ने मुख्य यजमान संजय सिंह, दुर्गेश सिंह, अमित सिंह, अरविंद मिश्र आदि ने किया और हवन कुंड में आहुतियां डालीं। कन्याओं का पूजनकर खीर पूड़ी का भोज कराया।दक्षिणा देकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

खेलकूद प्रतियोगिता 10 एवं 11 को

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार :मेरा युवा भारत लखीमपुर खीरी द्वारा स्वस्थ राष्ट्र, समृद्ध राष्ट्र के तहत क्लस्टर स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 10 और 11 अक्टूबर को कृषक समाज इंटर कॉलेज गोला में होगा। जिला युवा अधिकारी संकल्प शुक्ला ने बताया कि बालक वर्ग में कबड्डी, 400 मीटर दौड़ और लंबी कूद, वहीं बालिका वर्ग में कबड्डी, 200 मीटर दौड़ एवं बैडमिंटन की प्रतियोगिताएं होंगी। गोला क्लस्टर में गोला, बांकेगंज और बिजुआ विकास खंड सम्मिलित किए गए हैं। प्रतियोगिता में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के जनपद लखीमपुर के प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। कार्यक्रम संयोजक संदीप कुमार वर्मा के फोन नंबर से संपर्क किया जा सकता है। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित कर जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

सीएम ग्रिड के कार्यों की मुख्य अभियंता ने की समीक्षा

बरेली, अमृत विचार: नगर निगम के मुख्य अभियंता मनीष अवस्थी ने शुक्रवार को सीएम ग्रिड के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार पर उन्होंने नाराजगी भी जताई। शहर में सीएम ग्रिड के तहत मॉडल टॉउन, राजेंद्र नगर, डीडीपुरम समेत कुछ अन्य स्थानों पर सड़क, नाला निर्माण का कार्य चल रहा है। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य अभियंता ने सभी जगह के कार्यों की बारीकी से समीक्षा की। इस दौरान अभियंताओं को निर्देश दिए कि जहां-जहां सड़क खुदी पड़ी है और नाला निर्माण का कार्य चल रहा है, उसे हर हाल में निर्धारित समय के भीतर पूरा कर लिया जाए। दिवाली से पहले शहर की उखड़ी पड़ी सड़कों पर भी पैचवर्क कराते हुए ठीक कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्य अभियंता ने स्पष्ट कहा कि सीएम ग्रिड में होने वाला हर कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए। हर सप्ताह निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांचने के लिए वह खुद भी निरीक्षण कर हकीकत देखेंगे। निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदारों को भी चेतावनी जारी करने की बात कही ताकि अधूरे पड़े कार्यों में तेजी दिखाई दे।

अब टिकट चेकिंग स्टॉफ की लगेगी बायोमेट्रिक हाजिरी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली जंक्शन पर टिकट चेकिंग स्टाफ को भी बायोमेट्रिक उपस्थिति लगानी होगी और अब मैनुअली उपस्थिति को मान्यता नहीं दी जाएगी। इस संबंध में उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं।

जंक्शन परिसर स्थित टिकट लॉबी में सभी टिकट चेकिंग स्टाफ को थंब इंप्रेशन से अपनी ड्यूटी लगाना होगी। रेल अधिकारियों के अनुसार इससे फर्जी हाजिरी और देरी से पहुंचने की स्थिति पर अंकुश लगेगा।

सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि रेलवे बोर्ड के निर्देश के बाद मंडल में स्टेशनों पर चेकिंग स्टाफ बायोमेट्रिक मशीन से अपनी हाजिरी लगाएगा। डिजिटल प्रणाली से गाड़ियों में यात्री सहायता और चेकिंग को बढ़ावा मिलेगा।

एसी कोचों की होगी विशेष चेकिंग

बरेली, अमृत विचार : दीपावली को लेकर रेलवे ने अलर्ट जारी किया है। बरेली जंक्शन पर जहरखुरानी और चोरी की घटनाएं रोकने के लिए दिल्ली-बिहार की ट्रेनों में सघन जांच की जाएगी। एसी कोच में एस्कार्ट के साथ जीआरपी विशेष निगरानी रखेगी। इसके अलावा पहले से चिह्नित गैंग के सदस्यों का भी सत्यापन कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार रात को आने वाली ट्रेनों जैसे श्रमजीवी एक्सप्रेस, इंटरसिटी समेत अन्य ट्रेनों में चोरों का गैंग अधिक सक्रिय रहता है।

छात्राओं को जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेने का किया आह्वान

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर गीता शुक्ला ने की। उन्होंने छात्राओं को जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेने का आवाहन किया। बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा महक, पंचम की लविशा और बीए तृतीय सेमेस्टर की दीपांशी ने अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में सहभागिता की। संचालन बीए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा आस्था वर्मा ने किया। प्राचार्य प्रो गीता शुक्ला ने महात्मा गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री के महिला सशक्तिकरण संबंधी विचारों पर प्रकाश डाला। इस दौरान शिक्षिकाएं डॉ. सुरचना त्रिवेदी और श्रीमती अर्चना सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में प्रो. रेखा पांडेय आदि शामिल रहीं।

लोक सेवा आयोग की परीक्षा 34 केंद्रों पर 12 को

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- स्टेटिक और सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगायी गयी, दो पालियों में होगी परीक्षा
- सबसे ज्यादा केंद्र बरेली कॉलेज और एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय में बनाए गए

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग 12 अक्टूबर को शहर के 34 केंद्रों पर राज्य प्रवर अधीक्षक सेवा (प्रारंभिक) और सहायक वन संरक्षक एवं क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा प्रारंभिक परीक्षा संपन्न कराएगा। दो पालियों में होने वाली परीक्षा में 15648 अभ्यर्थी शामिल होंगे। पहली पाली सुबह 9:30 से 11:30 बजे और दूसरी पाली दोपहर 2:30 से शाम 4:30 बजे तक होगी। सबसे ज्यादा केंद्र बरेली कॉलेज और एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय में बनाए गए हैं।

डीएम अविनाश सिंह ने परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए 34-34 सेक्टर और स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की है। आयोग के निर्देश के अनुसार सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया है कि परीक्षा की तारीख से एक दिन पहले केंद्रों के आवागमन वाले मार्गों एवं विशेष परिस्थितियों के लिए वैकल्पिक मार्गों की जानकारी कर लें। परीक्षा केंद्र पर सभी व्यवस्थाएं सीसीटीवी कैमरे के क्रियाशील होने के बारे में सत्यापन करें। डीएम ने निर्देश दिए हैं कि परीक्षा केंद्र पर तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट कोषागार से प्राप्त गोपनीय ट्रंक को केंद्र व्यवस्थापक व सह केंद्र व्यवस्थापक की उपस्थिति और लाइव सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में स्टेटिक मजिस्ट्रेट को उपलब्ध कराएंगे। सेक्टर मजिस्ट्रेट से कहा है कि ध्यान रखें कि किसी भी परीक्षा केंद्र पर परीक्षा सामग्री के गोपनीय पैकेट परीक्षा प्रारंभ होने से एक घंटे से पूर्व प्राप्त नहीं कराए जाएंगे।

यदि सेक्टर मजिस्ट्रेट गोपनीय सामग्री लेकर एक घंटे से पूर्व पहुंच जाते हैं तो उक्त परीक्षा सामग्री को परीक्षा केंद्र के कंट्रोल रूम में सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रखा जाए। परीक्षा प्रभारी एडीएम सिटी को बनाया गया है। 27 केंद्रों पर 480-480 अभ्यर्थी और सात परीक्षा केंद्रों में 384-384 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

इन केंद्रों पर होगी परीक्षा

राजकीय इंटर कॉलेज, बरेली इंटर कॉलेज, इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज ब्लॉक ए और बी, एसबी इंटर कॉलेज, मनोहर भूषण इंटर कॉलेज, साहू गोपी नाथ गर्ल्स इंटर कॉलेज, पीसी आजाद इंटर कॉलेज, तिलक इंटर कॉलेज, बिशप मंडल इंटर कॉलेज, श्री गुलाब राय इंटर कॉलेज, मौलाना आजाद इंटर कॉलेज, कुंवर रंजीत सिंह इंटर कॉलेज, सीबीगंज इंटर कॉलेज, बरेली कॉलेज ब्लॉक ए, बी, सी, डी और ब्लॉक ई, विष्णु इंटर कॉलेज, दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, श्री गुरु नानक रिक्खी सिंह कन्या इंटर कॉलेज, श्याम सुंदर कन्या इंटर कॉलेज, भारत इंटर कॉलेज, सीएएस इंटर कॉलेज, छत्रपति शिवाजी इंटर कॉलेज, श्याम सुंदर कन्या इंटर कॉलेज, एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय ब्लॉक ए, बी, सी और डिपार्टमेंट ऑफ लॉ, आदर्श निकेतन इंटर कॉलेज में परीक्षा केंद्र बनाए हैं।

जुमे को लेकर आशंकाएं बाजार में नहीं दिखीं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- जुमे की नमाज के बाद हुए विवाद के बाद के जुमे पर बाजार पूरी तरह से रहा सामान्य
- शहर के प्रमुख चौराहों पर पुलिस पूरी मुस्तैद, महिलाओं ने भी की बेझिझक खरीदारी

अमृत विचार : आई लव मुहम्मद के पोस्टर को लेकर उपजे विवाद से खराब हुआ शहर का माहौल तेजी से सुधर रहा है। जुमे को लेकर एक दिन पहले से प्रशासन की ओर से बरती जा रही अतिरिक्त सतर्कता के चलते लोगों में तमाम तरह की आशंकाएं जन्म ले रहीं थी, लेकिन शुक्रवार को दिन चढ़ने के साथ ही बाजार ने सभी आशंकाओं को निर्मूल साबित कर दिया। धीरे-धीरे बाजार अपनी रंगत में आता गया और खरीदारी के लिए सामान्य दिनों की तरह ही महिलाएं भी पहुंचीं और जमकर खरीदारी हुई। इस दौरान बाजार में पहुंच चौराहों पर भारी सुरक्षा बल मौजूद रहा।

बवाल के बाद जुमे की नमाज को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए गुरुवार शाम से 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवाओं को शासन ने निलंबित कर दिया था। इसके साथ ही सुरक्षा घेरा कड़े करते हुए 9000 से अधिक पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। बरेलीवासियों ने शुक्रवार को दिन चढ़ने के साथ ही सारी आशंकाओं को निर्मूल साबित कर दिया। बाजार अपने नियत समय पर खुलना शुरू हुआ और धीरे-धीरे चहल-पहल बढ़ती गई। जुमे की नमाज अदा किए जाने के बाद तनाव पूरी तरह से समाप्त हो गया और दिन ढलने के साथ ही बाजार में चहल-पहल बढ़ती गई। शाम को महिलाओं ने भी बाजार पहुंच कर जमकर खरीदारी की। उधर, शहर के बाजारों और प्रमुखों चौराहों पर पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद रही।

श्यामगंज मार्केट समय सुबह 11: 50 बजे - श्यामगंज मार्केट में सुबह 11:50 बजे बाजार रोज की तरह खुलते ही जाम की स्थिति बनी, यहां मार्केट खुलने के साथ ही लोग खरीदारी करने पहुंच गए। मार्केट में लोग अपने रोजमर्रा की जरूरतों का सामान खरीदते दिखे। वहीं, शाम को 5:25 बजे भी श्यामगंज मार्केट में ग्राहकों की भीड़ बनी रही। यहां पर शाम को महिलाएं भी अधिक संख्या में खरीदारी करती दिखीं।

आलमगिरी गंज मार्केट समय दोपहर 12:30 बजे - आलमगिरीगंज में दोपहर 12:30 बजे रोज की तरह सराफा की सभी दुकानें खुलीं, लेकिन बाजार में ग्राहकों की आवाजाही नहीं थी। बाजार में केवल कुछ वाहन और ई-रिक्शा आते-जाते दिखाई दिए। वहीं, शाम 5:40 बजे दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ दिखी। मार्केट में भी दिन के मुकाबले अधिक चहल-पहल रही। दुकानों पर खरीदारी करने वालों में महिलाओं की अधिकता रही।

बड़ा बाजार समय दोपहर 12: 45 बजे - बड़ा बाजार दोपहर 12:45 बजे बाजार की सभी दुकानें खुलीं हुई थीं और लोग खरीदारी करते भी दिखे। बाजार में लोगों की आवाजाही से आम दिनों की तरह जाम की भी स्थिति भी बनी। चौराहे पर खड़ी पुलिस टीम भीड़ को एक जगह एकत्र नहीं होने दे रही थी। यहां शाम 5:50 बजे भी स्थिति सामान्य दिनों के तरह रही। मार्केट में दोपहर से लेकर शाम तक ग्राहकों की आवाजाही बनी रही।

रैंकिंग प्रभावित न होने देने को जुटे कई विभागों के कर्मचारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- इंटरसेवा और ब्रॉडबैंड सेवा प्रभावित होने से ज्यादातर विभागों में ऑनलाइन कार्य हुआ प्रभावित
- कलेक्ट्रेट के कंप्यूटर रूम में आईजीआरएस पर शिकायतों के निस्तारण को कर रहे कार्य

अमृत विचार: बवाल के बाद सुरक्षा कारणों से इंटरनेट सेवा बंद करने का असर ज्यादातर सरकारी विभागों के ऑनलाइन कामकाज पर पड़ा है। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में शामिल आईजीआरएस पर रोज आने वाली शिकायतों के निस्तारण के संबंध में किए जाने वाले कार्य प्रभावित न हों इसलिए ज्यादातर विभागों के आईजीआरएस का कार्य करने वाले कर्मचारी कलेक्ट्रेट में डेरा जमाए हैं, ताकि समय से पहले काम कर रैंकिंग को प्रभावित होने से बचाया जा सके।

शुक्रवार को सुबह करीब 11 बजे तक कलेक्ट्रेट के कंप्यूटर रूम में ज्यादातर विभागों के एक-एक कर्मचारी अपनी फाइल लेकर पहुंच गए। लीज लाइन होने से कलेक्ट्रेट के एनआईसी और कंप्यूटर रूम के साथ सभी अनुभागों के पटलों के कंप्यूटर पर ऑनलाइन सेवाएं जारी हैं। यही वजह है कि कलेक्ट्रेट में ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित नहीं हैं। कलेक्ट्रेट के बगल में कोषागार में भी कार्य हो रहे हैं।

ज्यादातर सरकारी विभागों में इंटरनेट बंद होने की वजह से कामकाज प्रभावित हुआ है। कर्मचारियों ने बताया कि अन्य कार्य एक दिन बाद कर लेंगे मगर आईजीआरएस का कार्य रूटीन में एक दिन भी प्रभावित हुआ तो शिकायत लंबित होने का असर रैंकिंग पर पड़ सकता है। रैंकिंग पर कोई असर न पड़े इसलिए कलेक्ट्रेट के कंप्यूटर रूम में बैठकर आईजीआरएस का कार्य कर रहे हैं। वहीं तहसील सदर में भी कार्य प्रभावित रहा। कर्मचारी ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित होने से कलेक्ट्रेट में घूमते नजर आए। तहसील गेट और कलेक्ट्रेट गेट के बाहर ज्यादातर फोटो शॉप में ऑनलाइन कार्य प्रभावित होने से भीड़ भी कम नजर आई।

उत्तराखंड सांस्कृतिक समिति ने कलाकारों को दिया पारितोषिक

बरेली, अमृत विचार: उत्तराखंड सांस्कृतिक समाज की ओर से शुकवार रात में राजतिलक लीला का मंचन किया गया, जिसमें दिखाया कि रावण की मृत्यु के बाद लंका में निराशा के बादल छा जाते हैं। श्रीराम विभीषण को लंका का राजा घोषित कर देते हैं। इसके बाद सीता की अग्नि परीक्षा होती है, जिसमें दिखाया जाता है सीता अपने असली स्वरूप में वापस आ जाती हैं। श्रीराम हनुमान को नंदीग्राम में तपस्या कर रहे भरत को आने का संदेश देने के लिए भेजते हैं। श्रीराम के वापस आते ही अयोध्या में चारों ओर दिए जलाए जाते हैं। इसके बाद गुरु वशिष्ठ शुभ मुहूर्त देखकर श्रीराम का राज्यभिषेक करते हैं। श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के स्वरूपों की मुख्य अतिथि अमर एलम एंड एलायट के निदेशक करन गर्ग ने आरती की। मुख्य अतिथि ने कलाकारों और कार्यकर्ताओं को पारितोषिक वितरित किया। प्रसाद वितरण कर रामलीला का समापन किया गया। रामलीला के सफल आयोजन में समिति के अध्यक्ष गणेश दत्त अमोला, प्रकाश पाठक, राजेन्द्र पाठक, घनश्याम पांडेय, उमेश तिवारी आदि रहे।

इस बार नहीं निकलेगा जुलूस-ए-गौसिया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- दरगाह आला हजरत के सज्जादानशीन ने अंजुमनों के साथ बैठक के बाद लिया निर्णय

अमृत विचार: शहर के अमन-चैन को कायम रखने के लिए दरगाह आला हजरत और अंजुमन गौस-ए-रजा की ओर से 24 साल से लगातार निकाले जा रहे जुलूस-ए-गौसिया को इस बार न निकालने का निर्णय लिया गया है। कमेटी और दरगाह की ओर से दिए गए संयुक्त बयान के अनुसार जुलूस-ए-गौसिया को अगले साल पूरी शान-ए-शौकत से निकाला जाएगा।

शनिवार को 11वां शरीफ मनाया जाएगा। इसे जश्ने-गौस-ए-आजम या जुलूस-ए-गौसिया भी कहा जाता है। पहली बार बरेली में यह वर्ष 2001 में निकाला गया था। उसके बाद से हर साल इसे शहर के विभिन्न इलाकों से निकाला जाता रहा है। शहर के वर्तमान हालात को देखते हुए दरगाह आला हजरत के सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां और अंजुमन गौस-ए-रजा, टीटीएस के अध्यक्ष हाजी शारिक नूरी के नायब सदर परवेज नूरी और सचिव अजमल नूरी समेत अन्य सदस्यों की शुक्रवार को दरगाह आला हजरत में बैठक हुई। बैठक में संयुक्त रूप से अपील की गई कि कि इस बार लोग अपने घरों पर फातिहा और लंगर करें। दोपहर 2 बजे सज्जादानशीन की मौजूदगी में रजा चौक पर एक रस्मी यानी संक्षिप्त कार्यक्रम किया जाएगा। हाजी शारिक नूरी ने बताया कि जुलूस-ए-गौसिया करीब 80 अंजुमनों के साथ पुराना शहर के सैलानी रजा चौक से शेख अब्दुल कादिर बगदादी, गौस पाक की शान में हर साल निकाला जाता रहा है।

डीएम के आदेश पर शुरू हुआ नाली सफाई कार्य

संपूर्णानगर। डीएम के आदेश पर शुक्रवार से कस्बे के मुख्य मार्ग से लगी बजबजाती नालियों की सफाई शुरू कराई गई। जन समस्याओं को लेकर डीएम के साथ हुई बैठक में संपूर्णानगर व्यापार मंडल अध्यक्ष इश्तियाक अहमद खान ने नालियों की सफाई की समस्या रखी। डीएम ने निर्देश दिए थे, जिसके बाद सफाई अभियान शुरू किया।

सम्मन वास्ते करारदाद उमूर तनकीह (आर्डर 5, काया 1 व 5)
न्यायालय श्रीमान् MACT महोदय, कोर्ट नं. जिला बाराबंकी
वाद संख्या: 345 सन् 2020 ई.
विमलेश कुमारी आदि **बनाम** दि न्यू इण्डिया इंश्योरेंस कम्पनी लि. आदि
हरगाह श्रीमती तारा बी पत्नी मोहम्मद रफीक निवासी:- मोहल्ला शेर मोहम्मद जनपद पीलीभीत ने आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर की है लिहाजा हुक्म होता है कि कि आप बतारीख 02.12.2025 ई. बवक्त 10:00 बजे दिन के असालतन मार्फत वकील के जो मुकदमा हालात से करार वाकई वाकिफ किया हो और कुछ उमूरात अहम मुतालिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके पास कोई और शख्स हो कि ऐसे सवालात के जवाब दे सकते, हाजिर हो और जवाब देही इस्तदलाल दावा को करें और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश करें, जिस पर आपको जवाब देही के इस्सेदलाल करना चाहते हैं। आपको इत्तिलका दी जाती है कि अगर बरोज़ मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा और हाजिरी आपके महमुअ फैसला होगा। बदस्त दस्तखत और मुहर अदालत के बतारीख 02.10.2025 को जारी किया गयां।

प्रतियोगिताओं में चार हजार बच्चे करेंगे प्रतिभाग

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- इंडिपेंडट स्कूल एसोसिएशन 11 स्कूलों में 6 अक्टूबर से कराएगा प्रतियोगिताएं

अमृत विचार: इंडिपेंडट स्कूल एसोसिएशन की ओर से 6 अक्टूबर से आयोजित की जाने वाली इंटर स्कूल प्रतियोगिताओं में 50 स्कूलों के चार हजार से अधिक बच्चे शामिल होंगे। ये प्रतियोगिताएं 17 अक्टूबर तक चलेंगे होंगी। 12 दिवसीय प्रतियोगिता में एसोसिएशन से जुड़े शहर के 11 स्कूलों में बास्केटबॉल, चेस समेत सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं होंगी। यह जानकारी शुक्रवार को प्रेमनगर स्थित सेक्रेड हार्ट्स स्कूल में प्रेसवार्ता के दौरान एसोसिशन के अध्यक्ष निर्भर बेनीवाल ने दी।

एसोसिएशन के सचिव डॉ. अंकित बग्गा ने बताया कि खेल व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में 6 और 7 अक्टूबर को दिल्ली पब्लिक स्कूल में एथलेटिक्स, 8 अक्टूबर को जीडी गोइंका स्कूल में डांस, 8 और 9 अक्टूबर को चिक्कर इंटरनेशनल स्कूल में टेबल टेनिस, 10 और 11 अक्टूबर को नैनीताल रोड स्थित जीआरएम में चेस, 11 अक्टूबर को जिंगल बेल्स में एक्सटेम्पोर, अल्मा मातेर में क्विज, 13 से 14 अक्टूबर को बिशप कानरॉड में बास्केटबॉल, 14 अक्टूबर को विद्या वर्ल्ड स्कूल में डामेटिक्स, 15 और 16 अक्टूबर को सेक्रेड हार्ट्स सीनियर सेकेंड्री स्कूल में बैडमिंटन, 16 अक्टूबर को द गुरु स्कूल में सिंगिंग और 17 अक्टूबर को सोबती पब्लिक स्कूल में आर्केस्ट्रा इंवेट होगा। प्रेसवार्ता में एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष पारुष अरोरा, ट्रेजरार सौभाग्य चौधरी ने संयुक्त रूप से बताया कि चार साल से एसोसिएशन प्रतियोगिता कराता आ रहा है। इस बार होने वाली प्रतियोगिताओं को लेकर भी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

मीनाक्षी ने पूजा अर्चना कर किया दुर्गा जागरण का शुभारंभ

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: नगर में रेलवे माल गोदाम के निकट गली में आयोजित मां दुर्गा जागरण का मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद की पूर्व अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल ने पूजा अर्चना करके ज्योति प्रज्जवलित कर जागरण का शुभारंभ कराया। उन्होंने सभी के लिए लोकमंगल कामना की प्रार्थना की। मां के चरणों में भजन प्रस्तुत कर भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जागरण के कलाकारों ने झांकियां पेश कर मां के सुंदर भजन सुनाकर दर्शकों को सारी रात बांधे रखा।

इंटरनेट बंदी से प्रधान डाकघर का काम ठप

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: शहर में दोबारा 48 घंटे के लिए इंटरनेट बंद होने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। छुट्टियों के बाद शुक्रवार को डाकखाने खुले। प्रधान डाकघर समेत अन्य जगह इंटरनेट बंद होने से कामकाज पूरी तरह से ठप रहा। डाकखाना परिसर में सन्नाटा पसरा रहा।

डाकखाना पहुंचे लोग मायूस होकर लौट गए। डिप्टी पोस्टमास्टर दिनेश चंद्र आर्या ने बताया कि इंटरनेट बंद होने से कर्मचारियों की आईडी तक लॉगिन नहीं हो पाई। उन्होंने बताया कि ज्यादातर काम इंटरनेट से होते हैं, ऐसे में बंदी होने की वजह से काम नहीं हो सके। प्रधान डाकघर पहुंचे सेवा राम राठौर ने बताया कि उन्हें रुपयों की जरुरत थी इसलिए तीन डाकखानों के चक्कर काटने के बाद प्रधान डाकघर आए थे लेकिन यहां भी इंटरनेट बंद होने की वजह से रुपये नहीं निकल पाए। डाकघर में आधार कार्ड केंद्र पर भी सामान्य दिनों में सैकड़ों लोगों की लाइन लगी रहती है लेकिन नेट बंद होने कारण शुक्रवार को वहां पर एक दो लोग ही पहुंचे थे। ऑपरेटर ने बताया कि बायोमेट्रिक अपडेट और मोबाइल नंबर बदले गए लेकिन इंटरनेट बंद होने से दस्तावेज स्कैन नहीं होने से नए आधार कार्ड नहीं बन सके।

मैं अपना एटीएम कार्ड लेने के लिए आया था, लेकिन इंटरनेट चालू होने के बाद आने के लिए बोला गया है।
–दक्ष

तीन डाकखानों के चक्कर काटने के बाद प्रधान डाकघर में रुपये निकालने के लिए आया था, लेकिन यहां भी कर्मचारियों ने इंटरनेट बंद होने की बात कह दी है जिससे रुपये नहीं निकल पाए।
–सेवाराम राठौर

पैसों की जरूरत थी इसलिए निकालने के लिए आया था। लेकिन इंटरनेट बंद होने की वजह से पैसे नहीं निकल पाए, इसलिए वापस घर जा रहा हूं।
–विजय

न्यूज ब्रीफ

दुर्वासा आश्रम के लिए एक करोड़ स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने आजमगढ़ स्थित दुर्वासा ऋषि आश्रम के पर्यटन विकास को स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास योजना अंतर्गत इसके लिए लगभग एक करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जारी बयान में बताया कि दुर्वासा ऋषि आश्रम के आसपास पर्यटक सुविधाओं के विकास से आगंतुकों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पर्यटकों के लिए न केवल आस्थामय वातावरण तैयार होगा, बल्कि पूर्वांचल क्षेत्र में पर्यटन को भी नया आयाम मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह आश्रम मुख्यालय से 40 किमी दूर तमसा एवं मंजूषा नदी के संगम पर स्थित है। महर्षि दुर्वासा 12 वर्ष की आयु में चित्रकूट से आकर यहां कई वर्षों तक साधना की।

एएसजीआई प्रॉपर्टीज पर एफआईआर दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने प्रमोटर एएसजीआई प्रॉपर्टीज प्रा. लि. के खिलाफ गंभीर धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े के मामले में ग्रेटर नोएडा पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में एफआईआर दर्ज कराई है। कार्रवाई रेरा मुख्यालय लखनऊ से प्राप्त अनुमोदन के आधार पर की गई है। प्राधिकरण को शिकायत मिली की संबंधित प्रमोटर ने अपनी परियोजना एप्पल टावर एस-2ए और एस-2बी से जुड़े आवंटियों और वित्तीय बैंकिंग संस्थानों को गुमराह करने के लिए एक कथित फर्जी आदेश प्रस्तुत किया है। यह आदेश 3 मार्च 2025 दर्शाते हुए बैंकों को दिया गया था, ताकि अवैध रूप से ऋण प्राप्त किया जा सके। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आदेश रेरा द्वारा जारी नहीं किया गया था। प्रमोटर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज पूरी तरह कूटरचित और अवैध पाए गए। प्राधिकरण की ओर से मुकदमा अवर अभियंता रमेश कुमार पांडेय ने दर्ज कराया है।

बालिकाओं के लिए ड्राइविंग माय ड्रीम्स शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन शक्ति 5.0 के तहत शुक्रवार को प्रदेश भर में अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह की शुरुआत 'ड्राइविंग माय ड्रीम्स' कार्यक्रम से हुई। महिला एवं बाल विकास विभाग की इस अभिनव पहल ने नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नया आयाम दिया। पहले दिन ही 3 हजार से अधिक बालिकाओं ने पंजीकरण कराया, जबकि लक्ष्य 7,500 बालिकाओं को निशुल्क ड्राइविंग प्रशिक्षण देने का है। यह पहल केवल वाहन चलाना सिखाने तक सीमित नहीं, बल्कि बेटियों को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास देने का मंच है। हर जिले से 100 बालिकाओं का चयन कर उन्हें सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक संकेत, आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने और महिला सुरक्षा से जुड़े विषयों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

21.5 लाख से अधिक मिले सुझाव

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य के साथ चलाए जा रहे समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान को जनता का व्यापक सहयोग मिल रहा है। अब तक इस अभियान को 21.5 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हो चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा 16.5 लाख सुझाव ग्रामीण क्षेत्रों से और लगभग 5 लाख सुझाव शहरी क्षेत्रों से आए हैं। 10 लाख से ज्यादा युवाओं ने दिया अपना सुझाव दिया है। जिलों में नोडल अधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों ने भ्रमण कर छात्रों, शिक्षकों, व्यवसायियों, उद्यमियों, कृषकों, स्वयंसेवी संगठनों, श्रमिक संघों, मीडिया और आम जनता से संवाद स्थापित किया है।

पंचायत चुनाव में भी फंसेगा आरक्षण का पेच

निकाय चुनाव में फंसा था ओबीसी आरक्षण का मामला, फिर हाईकोर्ट पहुंची थी प्रदेश सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव की तरह पंचायत चुनाव में भी ओबीसी आरक्षण का पेंच फंस सकता है। पिछड़ा वर्ग के आरक्षण संबंधी संस्तुति के लिए समर्पित आयोग का गठन अभी तक न हो पाने के कारण पंचायत चुनाव टलने की स्थिति भी बन सकती है। दरअसल, अगले साल अप्रैल-मई में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराने से पहले ओबीसी आरक्षण फार्मूला जारी करना होगा। याद हो, निकाय चुनाव के समय भी यह आरक्षण वाला पेंच फंसा था, जिसपर सरकार को कोर्ट जाना पड़ा था।

गौरतलब है कि उप्र. विधानसभा चुनाव 2027 से पहले 2026 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने हैं, लेकिन अभी तक पिछड़ा वर्ग के आरक्षण संबंधी संस्तुति के लिए समर्पित आयोग का गठन नहीं हो सका है। ऐसे में निर्धारित समय पर चुनाव न होने के आसार हैं। इस आयोग ने अगर भविष्य में अपनी सिफारिशें देने में छह महीने का समय लगाया तो उप्र. पंचायत चुनाव तय समय पर नहीं हो सकेंगे।

26 मई, 11 जुलाई और 19 जुलाई को ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायतों कार्यकाल खत्म हो रहा है। ऐसे में अगले साल अप्रैल-मई में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होने हैं। उससे पहले नगर निकाय चुनाव की तरह ओबीसी आरक्षण के लिए इस चुनाव में भी फार्मूले को सार्वजनिक करना होगा और इसके लिए समर्पित अन्य पिछड़ा आयोग का गठन करना पड़ेगा। आयोग प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग की आर्थिक, शैक्षिक स्थिति के साथ-साथ राजनीतिक स्थिति पर अपनी रिपोर्ट यूपी सरकार को देगी, जिसमें यह बताया जाएगा कि उनको क्या वास्तव में आरक्षण की जरूरत है।

विकास कार्यों में गड़बड़ी की शिकायतें तेज

हालांकि, ग्राम पंचायतों में प्रधानी के दावेदार अपनी तैयारी में जुट गए हैं। गांव-गांव में वो अपने वोटरों को लुभाने में अभी से जुटे हुए हैं। इसी बीच पंचायत चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे गांवों की शिकायतों ने शहर की ओर रुख करना शुरू कर दिया है। बीडीओ से लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों के पास गांवों के विकास कार्यों में गड़बड़ी की शिकायतें हो रहीं हैं। पंचायत चुनाव के संभावित प्रत्याशी मौजूदा ग्राम प्रधान पर तमाम आरोप लगा रहे हैं। दर्जनों शिकायतें राजधानी में बैठे अफसरों तक पहुंच रही हैं।

क्या हुआ था निकाय चुनाव में

उत्तर प्रदेश की 760 नगर निकायों में नगर निगम के मेयर, नगर पालिका-नगर पंचायत के अध्यक्ष और पार्षद के लिए पिछले साल दिसंबर में ही चुनाव कराए जाने की तैयारी थी। राज्य सरकार ने निकाय चुनाव के लिए सीटों का आरक्षण भी जारी कर दिया था, लेकिन आरक्षण को लेकर मामला हाईकोर्ट में चला गया था। बाद में सरकार ने रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय ओबीसी आयोग का गठन किया था, जिसने अपनी सर्वे रिपोर्ट सरकार को सौंपी और कोर्ट ने भी स्वीकार कर लिया। इसी के बाद चुनाव आयोग ने निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी थी।

1000 एकड़ भूमि पर विकसित किया जा रहा पीएम मित्र पार्क

लोकभवन में समीक्षा बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 730 एकड़ लखनऊ और 270 एकड़ हरदोई में एरिया शामिल
- 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश
- एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार संभव

अमृत विचार : प्रधानमंत्री मित्र मेगा टेक्सटाइल और परिधान पार्क (पीएम मित्र पार्क) उत्तर प्रदेश में 1000 एकड़ भूमि पर विकसित किया जा रहा है। इसमें 730 एकड़ लखनऊ और 270 एकड़ हरदोई शामिल हैं। पार्क के पूरा होने पर 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित होने की संभावना है, जिससे 1 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। पार्क के संचालन एवं प्रबंधन के लिए 'पीएम मित्र पार्क उत्तर प्रदेश लि. नाम से एसपीवी का गठन किया गया है, जिसमें 51 प्रतिशत हिस्सेदारी उत्तर प्रदेश सरकार की तथा 49 प्रतिशत भारत सरकार की होगी।

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में शुक्रवार को लोकभवन में योजना की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में योजना की प्रगति पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के विभिन्न चरणों को तीव्र गति दी जाए। उन्होंने कहा कि पीएम मित्र पार्क उत्तर प्रदेश की आर्थिक विकास यात्रा में एक मील का पत्थर साबित होगा, जो न केवल स्थानीय रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा, बल्कि देश के वस्त्र निर्यात को भी मजबूती देगा।

5,120 करोड़ के मिले निवेश प्रस्ताव

- प्रदेश सरकार के हथकरघा एवं वस्त्र विभाग को पीएम मित्र पार्क, लखनऊ में निवेशकों की ओर से कुल 5,120 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इस परियोजना के अंतर्गत 95 औद्योगिक इकाइयों ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं तथा कुल भूमि की मांग 567 एकड़ तक पहुंच गई है।

अस्पतालों में सेवाओं की हो नियमित निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की उपलब्धता, डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति, साफ-सफाई और आपातकालीन सेवाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए तथा टेली-मेडिसिन, ई-हॉस्पिटल सेवाओं और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स को सुदृढ़ किया जाए ताकि दूरदराज के क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं पहुंच सकें।

राष्ट्रपिता की याद में...

गांधी जयंती पर लखनऊ स्थित गांधी आश्रम खादी ग्रामोद्योग भवन परिसर में चरखा चलाते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

एनसीआरबी रिपोर्ट पर भाजपा ने डाला पर्दा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि झूठे आंकड़े बनाने और अपने काले कारनामों पर पर्दा डालने में भाजपा का कोई जवाब नहीं। अभी राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने अपराध के जो आंकड़े दर्ज किए हैं, उसमें उत्तर प्रदेश हत्या, अपहरण, महिला अपराध में नंबर वन है। दलितों के प्रति अपराध में प्रदेश नंबर एक पर है। लेकिन भाजपा ने सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए आंकड़ों की बाजीगरी दिखा दी। बीते 2012 और 2017 तक पांच-पांच वर्ष के आंकड़ों की समीक्षा करते हुए प्रदेश में अमन शांति होने का ढिंढोरा पीटा है।

सपा प्रमुख ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि महिला अपराध दर मामलों में सबसे ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज हुए हैं। वर्ष 2023 में प्रदेश में 223 बच्चों की हत्या, 19 की बलात्कार के बाद हत्या, 8160 बच्चों का अपहरण हुआ। साथ ही दहेज हत्या के 2141 मामले, महिलाओं के अपहरण और बंधक बनाने के 15074 मामले सामने आए।

बरेली जाएगा सपा का प्रतिनिधिमंडल

अमृत विचार : बरेली में 26 सितंबर 2025 को घटित अप्रिय घटना को लेकर सपा के लोग जिला प्रशासन को ज्ञापन देंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने निर्देश पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय के नेतृत्व में 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 4 अक्टूबर दिन शनिवार को बरेली पहुंचेगा, जहां पुलिस की पिटाई, सीज हो चुके चार बारात घर, ढहाए गए मकानों एवं दुकानों को बुलडोजर द्वारा ढहा दिया गया है। पुलिस द्वारा तीन लोगों का हाफ एनकाउंटर कर दिया गया है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवारों से मिलेगा, उनकी समस्याओं के निदान के लिए बरेली डीआईजी और कमिश्नर से मिलकर, उनकी समस्याओं के निदान की मांग करेगा। प्रतिनिधिमंडल में सांसद हरेन्द्र मलिक, इकरा हसन समेत पांच सांसद व दो पूर्व सांसद आदि शामिल रहेंगे।

विद्यालयों में मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रोजेक्ट प्रवीण के अंतर्गत पूरे प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कौशल प्रशिक्षण शुरू कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने इसके लिए प्रशिक्षण प्रदाताओं को लक्ष्य आवंटित किए हैं। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने शुक्रवार को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्रदाता नियमानुसार प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करें और 20 अक्टूबर 2025 तक प्रशिक्षण बैच प्रारंभ करें।

प्रशिक्षित होंगे आईएएस अफसर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 27 अक्टूबर से 8 नवंबर तक होगा नई दिल्ली के राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय में तीसरा 'इन-स्टेप'
- डिफेंस कॉरिडोर, औद्योगिक विकास व विकसित यूपी की योजना में मिलेगी मदद

अमृत विचार : देशभर के वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय और रणनीतिक सोच से प्रशिक्षित करने के लिए भारत सरकार का कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग तीसरा इंटरनेशनल स्ट्रैटेजिक एंगेजमेंट प्रोग्राम आयोजित कर रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 अक्टूबर से 8 नवम्बर 2025 तक राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली में होगा। इसे लेकर कार्मिक विभाग के प्रमुख सचिव एम देवराज ने यूपी से प्रशिक्षण के लिए शीर्ष अधिकारियों के नामों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू की है। प्रदेश से दो से तीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के नाम केंद्र को भेजे जाएंगे।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों को वैश्विक सुरक्षा, कूटनीतिक नीतियों और रणनीतिक नीति-निर्माण की गहरी समझ प्रदान करना है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने 'विकसित यूपी @2047' के विज़न को लेकर जिन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है, उनमें डिफेंस कॉरिडोर, औद्योगिक निवेश, आपदा प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रमुख हैं। ऐसे में यूपी कैडर के अधिकारी इस प्रशिक्षण से सीधे लाभान्वित होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह अनुभव राज्य की योजनाओं में वैश्विक दृष्टिकोण जोड़कर नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

रणनीतिक सोच से विकास को गति

यूपी में तेजी से बढ़ते विदेशी निवेश और औद्योगिक परियोजनाओं की सफलता के लिए प्रशिक्षित अधिकारी नई नीतियों में रणनीतिक सोच और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समावेश करेंगे। साथ ही, डिफेंस कॉरिडोर जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना को नई ऊर्जा मिलेगी।

देवीपाटन मंडल में महिलाओं की होगी विशेष जनसुनवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद से बेटियों के सर्वांगीण विकास की अनूठी पहल

अमृत विचार : प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत देवीपाटन मंडल में महिलाओं और बेटियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनूठी पहल मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद शुरू की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में मंडल मुख्यालय पर हर सोमवार दोपहर 12 से 2 बजे तक महिलाओं और बेटियों की विशेष जनसुनवाई होगी।

इस कार्यक्रम को तीन हिस्सों में बांटा गया है- जनसुनवाई, सम्मान और सशक्तिकरण। महिला अधिकारी और कर्मचारी प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का निस्तारण करेंगी। इसके साथ ही महिला हेल्प डेस्क भी बनाई गई है, जहां मोबाइल कॉल और व्हाट्सएप के जरिये शिकायतें दर्ज होंगी। कार्यक्रम का दूसरा हिस्सा सम्मान है, जिसमें विकसित उत्तर प्रदेश-2047 अभियान में सर्वश्रेष्ठ फीडबैक देने वाली महिलाओं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बेटियों को मंडल स्तर पर सम्मानित कर ब्रांड एंबेसडर बनाया जाएगा। तीसरे हिस्से सशक्तिकरण में इन महिलाओं को कौशल विकास, स्वयं सहायता समूह और विभिन्न योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत रामनवमी पर हुई। देवीपाटन मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने कहा कि यह पहल महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उनके सपनों को पंख देने का माध्यम बनेगी।

'संगठन गढ़े चलो सुपंथ पर बढ़े चलो' के साथ की कदमताल

शताब्दी वर्ष के उद्घाटन अवसर पर लखनऊ समेत प्रदेशभर में स्वयंसेवकों ने निकाला पथ संचलन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में लखनऊ विभाग में 72 स्थानों पर संघ के गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने पथ संचलन किया। शताब्दी वर्ष के प्रथम कार्यक्रम विजयादशमी के दिन पथ संचलन में शामिल स्वयंसेवकों में काफी उत्साह देखने को मिला। संचलन गीत 'संगठन गढ़े चलो सुपंथ पर बढ़े चलो, भला हो जिसमें देश का वह काम सब किये चलो' की पंक्तियां दोहराते हुए स्वयंसेवकों ने संचलन पूरा किया। कई बस्तियों में घोष दल के साथ स्वयंसेवकों ने पथ संचलन निकाला। स्थानीय नागरिकों ने संचलन में शामिल स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

संघ शताब्दी वर्ष के प्रारंभ होने की पूर्व संध्या पर कार्यकर्ताओं के साथ शोभायात्रा में शामिल सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले।

इस दौरान राष्ट्रीय पर्व एवं उत्सव समिति के कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले का भी सानिध्य मिला। उन्होंने पूर्व संध्या पर आयोजित संघ प्रदर्शनी का उद्घाटन और अवलोकन भी किया। इस अवसर पर मां भारती के उद्घोष के साथ ही सभी कार्यकर्ताओं ने होसबाले की मौजूदगी में जय श्रीराम विजयदशमी शोभायात्रा को सफल करने का प्रण भी लिया।

वहीं, राजधानी की आनंद नगर की पटेल बस्ती के पथ संचलन में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और प्रांत के विशेष संपर्क प्रमुख प्रशांत भाटिया पथ संचलन में शामिल हुए। लक्ष्मण नगर में भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री घनश्याम शाही और विश्वेश्वर बस्ती में पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह ने स्वयंसेवकों के साथ पथ संचलन किया।

रणनीति | भाजपा ने मैदान में उतारी यूपी के दिग्गज नेताओं की फौज

योगी फैक्टर से बदलेगा बिहार का चुनावी माहौल

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

अमृत विचार : बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। उत्तर प्रदेश के मंत्रियों, सांसदों और संगठन के दिग्गज नेताओं की तैनाती के बाद अब भाजपा का सबसे बड़ा दांव है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चुनावी रैलियां। पार्टी को पूरा भरोसा है कि योगी के करिश्माई व्यक्तित्व, उनकी आक्रामक शैली और जनता से सीधे जुड़ाव का असर बिहार की सियासत में गहरा पड़ेगा। विपक्ष की जातीय गोलबंदी पर योगी का हिंदुत्व और विकास का संतुलित संदेश भारी पड़ेगा।

भाजपा के रणनीतिकार मानते हैं कि जिस तरह उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ कानून-व्यवस्था, हिंदुत्व और विकास के मुद्दों पर चुनावी हवा बदलने में माहिर साबित हुए हैं, वही जादू अब बिहार में भी देखने को मिलेगा। योगी की रैलियां युवाओं और पहली बार वोट देने वाली पीढ़ी को विशेष रूप से आकर्षित करती हैं। पार्टी की योजना है कि योगी की सभाओं को बिहार के हर बड़े इलाके में इस तरह फैलाया जाए कि उनका प्रभाव कई विधानसभा सीटों तक पहुंचे। हाल ही में योगी का आई लव मोहम्मद और गजवा-ए-हिंद के खिलाफ आक्रामक रूख बिहार की राजनीति में हिंदू मतों के ध्रुवीकरण का संदेश भी है। भाजपा मानती है कि योगी की सभाएं न केवल हिंदुत्व वोट बैंक को संगठित करेंगी, बल्कि कानून-व्यवस्था और विकास जैसे मुद्दों को केंद्र में रखकर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाएंगी। बिहार में पहली बार वोट देने वाली नई पीढ़ी, छात्र और महिलाएं योगी के संदेशों से खासा प्रभावित हो सकती हैं।

भाजपा की रणनीति : भाजपा का मकसद साफ है कि स्थानीय समीकरणों को साधने के साथ योगी फैक्टर का लाभ उठाना। यूपी के नेताओं की आक्रामक शैली और जमीनी जुड़ाव के साथ जब योगी आदित्यनाथ की रैलियां जुड़ेंगी तो पार्टी को उम्मीद है कि विपक्ष की रणनीति ध्वस्त हो जाएगी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, बिहार की जनता योगी को सिर्फ के तौर पर नहीं देखती, बल्कि एक ऐसे नेता के रूप में देखती है, जो राष्ट्रवाद और विकास दोनों का प्रतीक हैं।

इन नेताओं को मिली जिम्मेदारी

भाजपा ने बिहार चुनाव में यूपी के नेताओं की पूरी फौज उतारी है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को सह प्रभारी बनाया गया है। स्वतंत्र देव सिंह को आरा, महेंद्र सिंह को मिथिला-तिरहुत, सतीश गौतम (सांसद) को बक्सर, मोहित बेनीवाल (एमएलसी) को किशनगंज का जिम्मा मिला है। दयाशंकर सिंह को प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के साथ 48 सीटों का समन्वय सौंपा गया है। इसके अलावा महेश शर्मा, भोला सिंह, राजकुमार चाहर, राघव लखनपाल, सुब्रत पाठक जैसे दिग्गज सांसद बिहार में प्रचार करेंगे।

युवाओं को कर्ज देने में जौनपुर अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में आजमगढ़ को दूसरा व कौशांबी को तीसरा स्थान

अमृत विचार : युवाओं को आत्मनिर्भर और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए शुरू किया गया मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान पूरब के युवाओं की किस्मत बदल रहा है। आवेदन और लोन लेकर कारोबार शुरू करने में जौनपुर अव्वल आया है, जबकि आजमगढ़ को दूसरा व कौशांबी को तीसरा स्थान मिला है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले 6 माह में 2.55 लाख से अधिक युवाओं ने आवेदन किया है। इनमें से 2.08 लाख आवेदनों को बैंकों को भेजा गया, जिनमें से 64,673 को स्वीकृति मिली और अब तक 63,009 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है। योगी सरकार ने इस वित्तीय वर्ष में 1.5 लाख युवाओं को लोन देने का लक्ष्य रखा है, लेकिन आधे साल में ही रिकॉर्ड आवेदन इसका संकेत हैं कि योजना युवाओं को तेजी से आकर्षित कर रही है। जौनपुर में 2,003 युवाओं को लोन वितरित किया गया है।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह के अनुसार, विशेष अभियान चलाकर युवाओं को बैंकर्स से जोड़ा जा रहा है। आजमगढ़ लगातार दूसरे स्थान पर है। यहां जिला प्रशासन ने ब्लॉक स्तर पर वर्कशॉप और बैंक-आवेदक काउंसिलिंग के जरिये युवाओं को योजना का लाभ दिलाया। जिले को 2,250 का लक्ष्य मिला था, जिसके सापेक्ष 6 माह में 5,112 आवेदन आए और 1,859 युवाओं को लोन वितरित हुआ। कौशांबी तीसरे स्थान पर है, जहां 6,984 आवेदन में से 1,185 युवाओं को लोन दिया जा चुका है। इसके अलावा अंबेडकरनगर, झांसी, सिद्धार्थनगर, हरदोई और रायबरेली का प्रदर्शन भी शानदार रहा है। प्रदेश सरकार का यह अभियान प्रदेश के युवाओं को केवल रोजगार उपलब्ध नहीं करा रहा, बल्कि उन्हें मजबूत उद्यमी बनने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित कर रहा है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	80,364.49	24,625.05
बढ़त	554.84	198.20
प्रतिशत में	0.70	0.81

सोना- 1,05,670 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,26,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 4 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एसीसी पर लगाया 23 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने एसीसी लिमिटेड पर कुल 23.07 करोड़ रुपये के दो अलग-अलग जुर्माने लगाए हैं। अडाणी समूह की यह कंपनी अपीलीय प्राधिकारियों के समक्ष इस जुर्माने को चुनौती देगी। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2015-16 के लिए कथित तौर पर आय का गलत विवरण प्रस्तुत करने के लिए 14.22 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं आकलन वर्ष 2018-19 के लिए आय कम बताने के मामले में 8.85 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। एसीसी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी

छह कंपनियों की लघु रिएक्टर में रुचि

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडाणी पावर सहित कम से कम छह निजी क्षेत्र की कंपनियों ने भारत लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (बीएसएमआर) स्थापित करने में रुचि दिखाई है और छह राज्यों में 16 संभावित स्थलों की पहचान की है। जिन छह कंपनियों ने भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के लघु मॉड्यूलर रिएक्टर स्थापित करने के प्रस्ताव का जवाब दिया है, उनमें जिंदल स्टील एंड पावर, टाटा पावर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और जेएसडब्ल्यू एनर्जी भी शामिल हैं। एनपीसीआईएल ने कहा कि उपरोक्त कंपनियों ने बीएसएमआर के लिए संभावित स्थलों की भी पहचान की है और विभिन्न राज्यों में 16 स्थलों की प्रारंभिक स्थल रिपोर्ट भी दी है।

अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक पर 31.8 लाख जुर्माना

मुंबई। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक पर निर्देशों का पालन न करने के कारण 31 लाख 80 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को बताया कि उसने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्पोरेशन को क्रेडिट कार्डधारकों को रिफंड और विफल या रिवर्स ट्रांजेक्शन से प्राप्त बैलेंस उनके खाते में न देने का दोषी पाया है। यह मामला पिछले साल नियमित जांच में सामने आया था। इसके बाद बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा गया था कि निर्देश का पालन न करने के लिए क्यों न उस पर जुर्माना लगाया जाये। नोटिस पर बैंक के जवाब और व्यक्तिगत स्तर पर सुनवाई के दौरान दिये गये मौखिक तर्कों के संतोषजनक नहीं पाए जाने के बाद आरबीआई ने बैंक पर जुर्माना लगाने का आदेश दिया है।

भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिर शक्ति

कौटिल्य आर्थिक शिखर सम्मेलन में बोलीं वित्तमंत्री, स्थिरता के साथ बाहरी झटकों को झेलने में सक्षम

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि विश्व, व्यापार एवं ऊर्जा सुरक्षा में ''गंभीर असंतुलन'' का सामना करने के साथ ही संरचनात्मक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और ऐसे समय में भारत 'स्थिरता कायम करने वाली शक्ति' के रूप में सामने आया है जो बाहरी झटकों को झेलने में सक्षम है। सीतारमण ने यहां कौटिल्य आर्थिक शिखर सम्मेलन 2025 में कहा कि भू-राजनीतिक संघर्ष बढ़ रहे हैं और प्रतिबंध व शुल्क वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को नया रूप दे रहे हैं। ऐसे में भारत को सतर्क रहना होगा और परितोष की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि युद्ध एवं रणनीतिक प्रतिद्वंद्विताएं सहयोग व संघर्ष की सीमाओं को नए सिरे से परिभाषित कर रही हैं। जो गठबंधन कभी मजबूत दिखते थे, उनकी परीक्षा हो रही है और नए गठबंधन सामने आ रहे हैं।

भारत के लिए ये गतिशीलताएं, संवेदनशीलता एवं लचीलेपन दोनों को उजागर करती हैं। झटकों को सहने की हमारी क्षमता मजबूत है। साथ ही हमारी आर्थिक क्षमता भी बढ़ रही है। सीतारमण ने कहा कि विश्व अभूतपूर्व वैश्विक अनिश्चितता एवं अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है और देशों के समक्ष चुनौती केवल अनिश्चितता से निपटने की नहीं बल्कि व्यापार, वित्तीय एवं ऊर्जा असंतुलन से निटपने की भी है। मंत्री ने 'अशांत समय में समृद्धि की तलाश' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि इसलिए, हमारे सामने चुनौती केवल अनिश्चितता से नहीं बल्कि असंतुलन से निपटने की भी है। हमें खुद से सवाल करना होगा कि हम एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था कैसे बना सकते हैं जहां व्यापार निष्पक्ष हो, ऊर्जा सस्ती एवं टिकाऊ हो और जलवायु परिवर्तन से निपटने की कार्रवाई विकास की अनिवार्यताओं के अनुरूप हो...?

कल के बजाय आज के लिए करें काम

सीतारमण ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को ऐसे विचारों पर काम करने की जरूरत है, जो कल के पदानुक्रमों के बजाय आज की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करें। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि विकासशील देशों की आवाज नियम-निर्माण में हाशिए पर न रहे, बल्कि भविष्य को आकार देने में उनकी आवाज को बल मिले। सीतारमण ने कहा कि अव्यवस्थाएं इस नए वैश्विक युग को परिभाषित करती हैं, जिसमें व्यापार प्रवाह को नया रूप दिया जा रहा है। गठबंधनों की परीक्षा ली जा रही है, भू-राजनीतिक सीमाओं के साथ निवेश को फिर से शुरू किया जा रहा है और साझा प्रतिबद्धताओं पर फिर से गौर किया जा रहा है। सीतारमण ने कहा कि हम जिस परिस्थिति का सामना कर रहे हैं वह कोई अस्थायी व्यवधान नहीं बल्कि एक संरचनात्मक बदलाव है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यवस्था की नींव बदल रही है, क्योंकि शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी दुनिया, जिसने वैश्वीकरण, खुले बाजारों और बहुपक्षीय सहयोग के विस्तार को जन्म दिया था, यह अब अतीत की बातें प्रतीत होती हैं।

तनाव का सामना कर रही वैश्विक अर्थव्यवस्था

वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्तमान में बढ़ते व्यापार तनाव, उच्च शुल्क, बढ़ती वैश्विक नीति अनिश्चितता और जारी रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना कर रही है। सीतारमण ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था कम निवेश, उच्च पूंजी लागत, अस्थिर ऊर्जा कीमतों और वृद्धि, स्थिरता एवं सततता के बीच तनाव का सामना कर रही है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि स्थिरता कायम करने वाली शक्ति के रूप में भारत का उदय न तो आकस्मिक और न ही क्षणिक है...बल्कि, यह कारकों के एक शक्तिशाली संयोजन का परिणाम है। सीतारमण ने कहा कि पिछले एक दशक में सरकार ने राजकोषीय समेकन, पूंजीगत व्यय की गुणवत्ता में सुधार और मुद्रास्फीति के दबावों पर लगाम लगाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

टीसीएस में नियुक्ति की प्रक्रिया की मांगी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- अमेरिकी सांसदों ने एच-1बी वीजा पर भी किए सवाल

अमेरिकी सांसदों ने भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस से अमेरिका में नियुक्ति प्रक्रियाओं के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है। इन सांसदों ने पूछा कि क्या कंपनी ने किसी अमेरिकी कर्मचारी को हटाकर उसकी जगह एच-1बी कर्मचारी को नियुक्त किया है। साथ ही एच-1बी कर्मचारियों और उनके समकक्ष अमेरिकी कर्मचारियों के बीच वेतन असमानता के बारे में भी पूछा है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सीईओ के कृतिवासन को लिखे एक पत्र में सीनेट न्यायपालिका समिति के चेयरमैन चार्ल्स ग्रासली और रैंकिंग सदस्य रिचर्ड डर्बिन ने कहा कि कंपनी दुनिया भर में 12,000 से अधिक कर्मचारियों, जिनमें अमेरिकी कर्मचारी भी शामिल हैं, की छंटनी कर रही है। पत्र के अनुसार, टीसीएस ने अकेले अपने जैक्सनविले कार्यालय में लगभग पांच दर्जन कर्मचारियों की छंटनी की।

इसमें आगे कहा गया कि एक तरफ आप अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ आप हजारों विदेशी कर्मचारियों के लिए एच-1बी वीजा आवेदन भी दे रहे हैं। पत्र में वित्त वर्ष 2024-25 के आंकड़ों का हवाला दिया गया, जब टीसीएस को 5,505 एच-1बी कर्मचारियों की नियुक्ति की मंजूरी मिली थी। इस पत्र में कहा गया कि इससे कंपनी अमेरिका में नए स्वीकृत एच-1बी लाभार्थियों की दूसरी सबसे बड़ी नियोक्ता बन गई है।

इन सांसदों ने कहा कि हमारे लिए यह विश्वास करना मुश्किल लगता है कि टीसीएस इन पदों को भरने के लिए योग्य अमेरिकी तकनीकी कर्मचारी नहीं ढूंढ पा रही है। इस संबंध में प्रतिक्रिया के लिए टीसीएस को ईमेल भेजा, लेकिन खबर लिखे जाने तक उसका कोई जवाब नहीं मिला।

पाकिस्तानी कंपनियों को करानी होगा पंजीकरण

मुंबई, एजेंसी

- भारत में शाखा खोलने के लिए पुलिस पंजीकरण होगा जरूरी

अब पाकिस्तान की कंपनियों को भी भारत में शाखा खोलने और बैंकिंग सुविधा लेने के लिए स्थानीय पुलिस के पास पंजीकरण कराना होगा और बैंक उनके द्वारा खाता खोले जाने की सूचना केंद्रीय गृह मंत्रालय को देंगे। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस संबंध में नियमों में परिवर्तन का प्रस्ताव किया है जिसका प्रारूप हितधारकों के सुझावों के लिए केंद्रीय बैंक की वेबसाइट पर रखा गया है।

नियमों के तहत पहले बंगलादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ईरान, चीन, हांगकांग और मकाऊ की कंपनियों या इकाइयों को भारत में शाखा कार्यालय, लाइजन कार्यालय, प्रोजेक्ट कार्यालय या किसी भी तरह का कारोबारी कार्यालय शुरू करने के लिए स्थानीय पुलिस के पास पंजीकरण जरूरी था। साथ ही उनका खाता खोलने वाले भारतीय बैंक कंपनियों के अपने देश से जारी स्वीकृति पत्र की एक प्रति केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आंतरिक सुरक्षा विभाग-1 को भी भेजेंगे। प्रारूप संशोधन में इस सूची में पाकिस्तान का नाम भी जोड़ दिया गया है और कहा गया है कि बैंक उनके द्वारा खाता खोले जाने की सूचना केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आंतरिक सुरक्षा विभाग-1 को देंगे। अन्य विदेशी इकाइयों के लिए भारत में शाखा और बैंक खाता खोलने के नियमों को सरल बनाया गया है। जो कंपनी जिस नियामक एजेंसी के तहत आती है उसके शाखा खोलने के लिए उस एजेंसी की मंजूरी ही पर्याप्त होगी। आरबीआई की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नियमों में संशोधन के जरिये नियमों का उल्लंघन करने वाले और निष्क्रिय पड़ी शाखा, कार्यालय को बंद करने के नियमों को भी सरल करने का प्रस्ताव है।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 700.24 अरब डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 2.33 अरब डॉलर घटकर 700.24 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 39.6 करोड़ डॉलर घटकर 702.57 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 26 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.39 अरब डॉलर घटकर 581.76 अरब डॉलर रहीं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। केन्द्रीय बैंक के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में देश का स्वर्ण भंडार 2.24 अरब बढ़कर 95.02 अरब डॉलर हो गया।

महाराष्ट्र में 24 घंटे खुलेंगी दुकान और रेस्तरां

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने आवासीय होटल, रेस्तरां, भोजनालय, थिएटर, सार्वजनिक मनोरंजन के स्थानों सहित दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को पूरे राज्य में 24 घंटे खुले रहने की अनुमति दे दी है। इस संबंध में एक अक्टूबर को जारी सरकारी आदेश (जीआर) में हालांकि यह स्पष्ट कर दिया गया है कि शराब की बिक्री एवं आपूर्ति से जुड़े प्रतिष्ठान 24 घंटे नहीं खुलेंगे। इनमें वाइन शॉप, बीयर बार, डांस बार, हुक्का पार्लर, डिस्कोथेक और परमिट रूम शामिल हैं। इसमें कहा गया कि दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान सप्ताह के सभी दिन खुले रह सकते हैं, बशर्ते कि प्रत्येक कर्मचारी को सप्ताह में कम से कम 24 घंटे का निरंतर विश्राम दिया जाए।

- शराब की दुकानों को नहीं मिली अनुमति

उपर्युक्त प्रतिष्ठानों के कामकाजी घंटे सीमित ही रहेंगे। इससे पहले 19 दिसंबर 2017 को जारी अधिसूचना में राज्य सरकार ने परमिट रूम, बीयर बार, डांस बार, हुक्का पार्लर, डिस्कोथेक और शराब बेचने वाले सभी प्रतिष्ठानों के साथ-साथ वाइन शॉप, थिएटर और सिनेमा हॉल के खुलने और बंद होने का समय तय कर दिया था। इसके बाद 31 जनवरी 2020 की अधिसूचना में सरकार ने थिएटर और सिनेमा हॉल को पहले की अधिसूचना से बाहर कर दिया और केवल शराब बेचने या परोसने वाले प्रतिष्ठानों को समय सीमा के अधीन रखा।

अब सोने की कीमत वैश्विक अनिश्चितता का नया बैरोमीटर

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरबीआई गर्वनर मल्होत्रा बोले- लगभग हर देश में वित्तीय स्थिति तनावग्रस्त

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि शायद सोने की कीमत वैश्विक अनिश्चितताओं को दर्शाने वाले एक नए बैरोमीटर के रूप में काम कर रही है जबकि पहले कच्चा तेल ऐसा करता था। मल्होत्रा ने वर्तमान में लगभग हर देश के वित्तीय रूप से 'काफी तनावग्रस्त' होने का जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा व्यापार नीति का माहौल कुछ अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि को नुकसान पहुंचा सकता है।

उन्होंने निवेशकों को सजग करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में गिरावट देखी जा सकती है। आरबीआई ने बुधवार को तटस्थ मौद्रिक नीति रुख के साथ रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने की घोषणा की। इसके साथ ही रिजर्व बैंक ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अनुमान से कहीं अधिक जुझारू रही है, लेकिन भविष्य अब भी धुंधला नजर आ रहा है। आरबीआई गवर्नर ने कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन 2025 में कहा कि भू-राजनीतिक तनावों की वजह से पिछले दशक में तेल की कीमतें आसमान छू सकती थीं। लेकिन इन तनावों के बावजूद वर्तमान में तेल की कीमतें बहुत सीमित दायरे में रही हैं। यह न केवल भारत बल्कि दुनिया भर में, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तेल की अहमियत कम होने के कारण हो सकता है।" उन्होंने कहा, "शायद अब सोने की कीमतें उसी तरह की चाल दिखा रही हैं जैसा पहले तेल दिखाया करता था। और यह वैश्विक अनिश्चितताओं का संकेतक बन रही हैं।" मल्होत्रा ने वैश्विक आर्थिक संभावनाओं को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि शेयर बाजार में निवेशक भी कुछ ज्यादा उत्साह में लग रहे हैं। वैश्विक शेयर बाजारों में अधिकांश तेजी का नेतृत्व प्रौद्योगिकी शेयरों द्वारा किए जाने की पृष्ठभूमि में निकट भविष्य में एक सुधार हो सकता है।

राष्ट्रीय

भारत का डेयरी क्षेत्र 11 साल में 70% बढ़ा : शाह

केंद्रीय सहकारिता मंत्री बोले-यह सर्वाधिक तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र

रोहतक, एजेंसी

रोहतक में सभा के दौरान लोगों को अभिवादन देते अमित शाह।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने पिछले 11 वर्ष में डेयरी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए 70 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है और अब यह दुनिया में सर्वाधिक तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के डेयरी क्षेत्र में क्षमता के मामले में 70 प्रतिशत का विस्तार हुआ है। शाह ने सहकारी क्षेत्र को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत यहां 'इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप' में नवनिर्मित 'साबर डेयरी' संयंत्र का उद्घाटन करने के बाद कहा कि दुनिया में भारत का डेयरी क्षेत्र सबसे तेजी से बढ़ रहा है।

कुल 325 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस संयंत्र में अत्याधुनिक मशीन लगेंगी और इससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। 'साबर डेयरी' संयंत्र दही, छाछ और 'योगर्ट' के लिए देश का सबसे बड़ा उत्पादन संयंत्र है जिसकी दैनिक क्षमता 150 मीट्रिक टन दही, तीन लाख लीटर छाछ, 10 लाख लीटर 'योगर्ट' और 10 मीट्रिक टन मिठाइयां बनाने की है।

गुजरात स्थित साबरकांठा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ को 'साबर डेयरी' के नाम से जाना जाता है। सहकारिता मंत्रालय का भी प्रभार संभाल रहे शाह ने कहा कि पिछले चार वर्ष में इस मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों के साथ मिलकर सहकारिता व्यवस्था की मजबूत नींव रखी है। शाह ने कहा कि मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि 2029 तक देश में एक भी पंचायत ऐसी नहीं होगी जहां सहकारी समिति न हो। उन्होंने कहा कि दुधारू पशुओं की संख्या 2014-2015 के आठ करोड़ 60 लाख से बढ़कर अब 11 करोड़ 20 लाख हो गई है। उन्होंने कहा कि दूध उत्पादन 14 करोड़ 60 लाख टन से बढ़कर 23 करोड़ 90 लाख टन हो गया है।

डेयरी क्षेत्र से जुड़े 8 करोड़ किसान

शाह ने कहा कि डेयरी क्षेत्र से लगभग आठ करोड़ किसान जुड़े हुए हैं और प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता पहले 124 ग्राम थी जो अब 471 ग्राम हो गई है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 साल में डेयरी क्षेत्र में कई बदलाव आए हैं जिससे किसान समृद्ध हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत दुनिया में शीर्ष दूध उत्पादक देश के रूप में उभरा है। शाह ने श्वेत क्रांति 2.0 पहल का भी उल्लेख करते हुए कहा कि 2028-29 तक डेयरी सहकारी समितियों द्वारा दूध की खरीद वर्तमान स्तर से बढ़कर 1,007 लाख किलोग्राम प्रतिदिन तक पहुंचने की उम्मीद है।

एक वर्ष में बनीं 33,000 सहकारी समितियां : केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि जब सहकारी क्षेत्र के तहत दूध की खरीद में वृद्धि होती है, तो इसका लाभ सीधे डेयरी क्षेत्र के किसानों को मिलता है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि पिछले एक वर्ष में लगभग 33,000 सहकारी समितियां पंजीकृत की गई हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के लिए लाभदायक देशी नस्ल के मवेशियों का दूध 3.9 करोड़ टन से बढ़कर पांच करोड़ टन हो गया है।

सबसे आधुनिक डेयरी संयंत्र स्थापित करेंगे : शाह ने कहा कि एक ऐसी प्रणाली भी विकसित की जाएगी जिससे देश में दुनिया के सबसे आधुनिक संयंत्र स्थापित हो सकें। शाह ने 'साबर डेयरी' के यहां स्थापित नए संयंत्र के बारे में कहा कि यह पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उत्तरी राज्यों की जरूरतों को पूरा करेगा। साबर डेयरी राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों को सेवाएं प्रदान करती है।

चैतन्यानंद को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने स्वयंभू बाबा चैतन्यानंद सरस्वती को शुक्रवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दिल्ली पुलिस ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत अवधि पूरी होने के बाद पटियाला हाउस अदालत में न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिमेष कुमार के समक्ष पेश किया। यहां एक निजी प्रबंधन संस्थान में 17 छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपी चैतन्यानंद के लिए पुलिस ने न्यायिक हिरासत की मांग की थी। उनके वकील ने जब्ती मेमो और केस डायरी दिए जाने की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। अदालत ने पुलिस से अन्य आवेदनों पर जवाब मांगा, जिनमें भिक्षुओं के वस्त्र पहनने, दवाइयां और "संन्यासी" भोजन उपलब्ध कराने की मांग की गई थी।

मोदी आज करेंगे 62 हजार करोड़ की युवा-केंद्रित योजनाओं की शुरूआत

नई दिल्ली, एजेंसी

- एक हजार सरकारी आईटीआई का हब-एंड-स्पोक मॉडल में होगा उन्नयन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां युवा विकास की एक ऐतिहासिक पहल के अंतर्गत 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित योजनाओं की शुरूआत करेंगे जिसके माध्यम से देश भर में शिक्षा, कौशल और उद्यमिता को एक निर्णायक बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री 60,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ केंद्र प्रायोजित योजना पीएम-सेतु (अपग्रेडेड आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार परिवर्तन) का शुभारंभ करेंगे।

इस योजना में देश भर में एक हजार सरकारी आईटीआई का हब-एंड-स्पोक मॉडल में उन्नयन करने की परिकल्पना की गई है, जिसमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई शामिल हैं। प्रत्येक हब औसतन चार स्पोक से जुड़ा होगा, जिससे उन्नत बुनियादी ढांचे, आधुनिक ट्रेडों, डिजिटल शिक्षण प्रणाली और इनक्यूबेशन सुविधाओं से युक्त समूह तैयार किए जाएंगे। उद्योग जगत के प्रमुख साझेदार बाजार की मांग के अनुरूप परिणाम-आधारित कौशल विकास को सुनिश्चित करते हुए इन समूहों का प्रबंधन करेंगे। योजना के कार्यान्वयन के प्रथम चरण में पटना और दरभंगा के आईटीआई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मोदी 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 400 नवोदय विद्यालयों और 200 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में स्थापित 1,200 व्यावसायिक कौशल प्रयोगशालाओं का उद्घाटन करेंगे। ये प्रयोगशालाएं दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों के छात्रों सहित, सूचना-प्रौद्योगिकी, ऑटोमोटिव, कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स, रसद और पर्यटन जैसे 12 उच्च-मांग वाले क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेंगी।

एनसीईआरटी ने शुरू किया स्वदेशी पर केंद्रित मॉड्यूल

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने 'स्वदेशी' पर विशेष मॉड्यूल जारी किया है, जिसमें 1905 से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भरता के आह्वान तक इस आंदोलन की यात्रा को दर्शाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वर्ष लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस भाषण में आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत का आधार बताया था।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों के साथ बातचीत में, प्रधानमंत्री ने पिछले महीने कहा था कि शिक्षक आमतौर पर अपने छात्रों को होमवर्क देते हैं, लेकिन वह बदलाव के लिए शिक्षकों को एक होमवर्क देना चाहते हैं - वह है स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल।

गायक जुबिन गर्ग मौत मामला : सीबीआई-एनआईए जांच को सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी

बैंड के दो सदस्यों को पुलिस रिमांड पर भेजा

गुवाहाटी। असम की एक अदालत ने गायक-संगीतकार जुबिन गर्ग की मौत के मामले में शुक्रवार को उनके बैंड के सदस्यों शेखरज्योति गोस्वामी और अमृतप्रभा महंत को 14 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के विशेष पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि स्थानीय अदालत ने दोनों को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों से पूछताछ जारी है। मैं इस समय इससे ज़्यादा कुछ नहीं बता सकता।

पूर्वोत्तर भारत महोत्सव के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत ने उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर असम के गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले की जांच राज्य पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) से लेकर सीबीआई या एनआईए जैसी केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का अनुरोध किया है।

असम के सबसे प्रसिद्ध गायकों में से एक गर्ग की महोत्सव में प्रस्तुति से एक दिन पहले 19 सितंबर को सिंगापुर में मौत हो गई थी। खबरों के अनुसार, 52 वर्षीय कलाकार एक यॉट पर यात्रा के दौरान एक द्वीप के पास तैरते समय डूब गए थे। गर्ग की मौत के सिलसिले में उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा और श्यामकानु महंत को बुधवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने शर्मा और महंत के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। वे 14 दिनों की सीआईडी हिरासत में हैं। याचिका के अनुसार, सिंगापुर प्राधिकारियों ने अपनी जांच शुरू कर दी है लेकिन उन्हें महंत द्वारा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी किए जाने या कोई साजिश रचे जाने का कोई तत्व नहीं मिला है।

वांगचुक की रिहाई के लिए पत्नी पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- लद्दाख हिंसा : रासुका के तहत जोधपुर जेल में बंद हैं वांगचुक

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत पति की हिरासत को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और उन्हें तत्काल रिहा करने का अनुरोध किया है।

वांगचुक को लद्दाख में प्रदर्शनों के दो दिन बाद 26 सितंबर को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया था। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर उस केंद्र शासित प्रदेश में हुए विरोध प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हो गए थे। वांगचुक राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं। वरिष्ठ वकील विवेक तन्खा और वकील सर्वम रितम खरे के माध्यम से दायर अपनी याचिका में अंगमो ने वांगचुक के खिलाफ रासुका लगाने के फैसले पर भी सवाल उठाया है। अंगमो ने अदालत में दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में इसे तत्काल सूचीबद्ध करने और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन को न्यायालय के समक्ष सोनम वांगचुक को तुरंत पेश करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

इटली में सड़क दुर्घटना में दो भारतीयों की मौत

लंदन। इटली के ग्रोसेटो में शुक्रवार सुबह हुई एक सड़क दुर्घटना में दो भारतीय नागरिकों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इतालवी समाचार एजेंसी एएनएसए की खबर के अनुसार, यह दुर्घटना ग्रोसेटो में ऑरेलिया राजमार्ग पर उस समय हुई जब एशियाई पर्यटकों को ले जा रही एक वैन और एक मिनी बस के बीच टक्कर हो गई। खबर में बताया गया है कि इस घटना में बच्चों सहित पांच लोग घायल भी हुए हैं। अग्निशमन दल और इमरजेंसी पर तैनात अधिकारियों ने घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया। इटली स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि वह पीड़ितों के परिवारों और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। दूतावास ने बताया कि परिवार को सहायता दी जा रही है।

इंडोनेशिया: ध्वस्त स्कूल इमारत से 3 शव निकाले

सिदोअर्जो। इंडोनेशिया में ध्वस्त स्कूल इमारत के मलबे से शुक्रवार तड़के तीन छात्रों के शवों को निकाला गया और 50 से अधिक छात्र अब भी लापता हैं जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को हुए हादसे के बाद बचाव दल मलबे में छात्रों के जीवित होने की संभावना के मद्देनजर हाथ से मलबे को हटा रहे थे, लेकिन बृहस्पतिवार को किसी के जिंदा होने का कोई संकेत नहीं मिलने पर उन्होंने मलबे को तेजी से हटाने के लिए भारी उत्खनन मशीनों का इस्तेमाल शुरू किया। उन्होंने बताया कि जावा द्वीप के पूर्वी हिस्से में सिदोअर्जो में एक सदी पुराने अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल के प्रार्थना कक्ष की इमारत उस समय ढह गई जब सैकड़ों की संख्या में छात्र वहां मौजूद थे।

वियतनाम में चक्रवाती तूफान से 51 की मौत

हनोई। वियतनाम में चक्रवाती तूफान बुआलोई और उसके बाद आई बाढ़ और भूस्खलन से उत्तरी और मध्य वियतनाम में 51 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य लापता हो गए तथा 164 घायल हुए हैं। वियतनाम आपदा एवं डाइक प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक शुरूआती तौर पर आर्थिक नुकसान लगभग 15 .9 ट्रिलियन वियतनामी डोंग (लगभग 60 .8 करोड़ अमेरिकी डॉलर) होने का अनुमान है। तूफान के कारण 238,000 से अधिक घर क्षतिग्रस्त या जलमग्न हुए हैं, लगभग 89,000 हेक्टेयर में फैसरा धान और अन्य फसलें जलमग्न हो गयी हैं और 17,000 हेक्टेयर से अधिक जलीय कृषि और लगभग 50,300 हेक्टेयर जंगलों को नुकसान पहुंचाया।

समझौता कुबूल करे हमास या और ज्यादा हमलों के लिए तैयार रहे: ट्रंप

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमास को दिया रविवार शाम तक का वक्त

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दो टूक कहा कि अगर हमास गाजा पट्टी के लिए प्रस्तावित शांति समझौते पर रविवार शाम छह बजे तक सहमत नहीं होता है, तो चरमपंथी समूह को और अधिक हमलों का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हमास के साथ रविवार शाम छह बजे (वाशिंगटन डीसी के समयानुसार) तक समझौता हो जाना चाहिए। उन्होंने लिखा, हर देश ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं! अगर समझौते के इस आखिरी मौके में सफलता नहीं मिलती है, तो हमास पर ऐसा कहर टूटेगा, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। पश्चिम एशिया में किसी न किसी तरह से शांति कायम की जाएगी।

ट्रंप ने इस हफ्ते की शुरुआत में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हुई बातचीत के बाद गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के लिए एक 20 सूत्री योजना पेश की थी। इसमें तत्काल युद्धविराम के साथ दोनों ओर से बंधकों की रिहाई प्रमुख बिंदु हैं। दुनिया के कई देशों ने इस योजना की सराहना की थी और शांति कायम करने के लिए हमास से इसे स्वीकार करने का आग्रह किया था।

मतभेदों को दूर करने के लिए गांधी के रास्ते पर चले दुनिया

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने जारी किया संदेश, कहा- अहिंसा कमजोरों का हथियार नहीं, साहसी लोगों की ताकत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

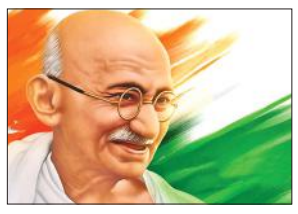

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने वैश्विक समुदाय से आपसी मतभेदों को दूर करने और कूटनीति को आगे बढ़ाने के लिए महात्मा गांधी के दिखाए मार्ग का अनुसरण करने का आह्वान करते हुए कहा कि दुनिया में इस समय बढ़ते तनाव के बीच गांधी का शांति का संदेश नए सिरे से प्रासंगिक हो गया है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख का संदेश यहां संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन द्वारा आयोजित विशेष स्मृति कार्यक्रम के दौरान दिया गया जो महात्मा गांधी की जयंती पर आयोजित किया गया था। गांधी जयंती को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने विशेष संदेश में कहा कि आज दुनिया हमारी साझा मानवता के चिंताजनक क्षरण का गवाह बन रही है। इस अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर हम महात्मा गांधी के जीवन एवं उनकी विरासत और सभी के लिए शांति, सत्य एवं सम्मान के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का सम्मान करते हैं। गांधीजी ने न केवल इन आदर्शों की बात की बल्कि उन्हें जीया भी। बढ़ते तनाव और गहराते विभाजन के इस दौर में उनका संदेश नए सिरे से प्रासंगिक है।

उन्होंने कहा, हिंसा संवाद की जगह ले रही है, आम नागरिक खामियाजा भुगत रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो रहा है और शांति की नींव खतरे में है। गुतारेस ने कहा कि गांधी जी का मानना था कि अहिंसा कमजोरों का हथियार नहीं, बल्कि साहसी लोगों की ताकत है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि विभाजन एवं संघर्ष के इ, युग में गांधीजी का संदेश स्पष्ट है कि दुनिया में स्थाई शांति हासिल करने के लिए मानव जाति के पास अहिंसा सबसे बड़ी शक्ति है।

गांधी के समानता और गरिमा के आदर्श गेट्स फाउंडेशन की नींव : बिल गेट्स

सिएटल/न्यूयॉर्क। अरबपति परोपकारी बिल गेट्स ने कहा कि महात्मा गांधी के समानता और गरिमा के आदर्श गेट्स फाउंडेशन के कार्यों की नींव हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत ने ऐसी अनेक पहल और समाधान विकसित किए हैं, जो 'ग्लोबल साउथ' में लाखों लोगों की जान बचा सकते हैं और उनके जीवन को बेहतर बना सकते हैं। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। गेट्स सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास और गेट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक विशेष समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के अवसर पर भारतीय संस्कृति, कला और खानपान को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया गया था।

जिसका सबसे खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड, वह दूसरों को दे रहा उपदेश

भारत ने यूएनएचआरसी में पाकिस्तान को फिर धोया, दुष्प्रचार को किया उजागर

संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि मानवाधिकार के मामले में दुनिया में सबसे खराब रिकॉर्ड वाले देशों में से एक को अपने ही समाज में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ राज्य प्रायोजित उत्पीड़न और व्यवस्थागत भेदभाव पर गौर करना चाहिए।

भारत के स्थाई मिशन के काउंसलर केएस मोहम्मद हुसैन ने जिनेवा में मानवाधिकार परिषद के 60वें सत्र के दौरान एक आम चर्चा के दौरान कहा, हमें यह बेहद विडंबनापूर्ण लगता है कि दुनिया में सबसे खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड वाले देशों में से एक दूसरों को उपदेश देना चाहता है। हुसैन ने मंगलवार को कहा, भारत के खिलाफ मनगढ़ंत आरोपों के साथ इस प्रतिष्ठित मंच का दुरुपयोग करने की उनकी कोशिशें उनके पाखंड को ही उजागर करती हैं। निराधार दुष्प्रचार करने के बजाय, उन्हें अपने समाज में धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों का राज्य-प्रायोजित उत्पीड़न और व्यवस्थागत भेदभाव पर गौर करना चाहिए।

पीओजेके में गुस्साई भीड़ ने पुलिस की गाड़ियां फूंकी

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में सुरक्षा बलों की कार्रवाई से गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ियों और बुलडोज़र को आग के हवाले कर दिया है। इलाके में तनाव घटाने को लेकर पाकिस्तान सरकार और जम्मू-कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी (जेकेएएसी) के बीच बातचीत के कल शुरू होने के बावजूद, पीओजेके में भारी अशांति देखी गई। यह तनाव सुरक्षा बलों की गोलीबारी में स्थानीय नागरिकों के मारे जाने के बाद और बढ़ गया था। पीओजेके के सेहंसा इलाके में प्रदर्शनकारियों ने हाल ही में हुई नागरिकों की मौतों के प्रतिशोध में सरकारी संपत्ति को निशाना बनाया और पुलिस वाहनों और बुलडोज़रों में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने अरजा पुल पर नाकाबंदी कर दी है, जिससे आवाजाही में खासी परेशानी हुई है। इसके अलावा कोटली शहर में पूर्ण बंद रहा और राज्य सरकार की कार्रवाई के कड़े विरोध में व्यवसाय और परिवहन ठप रहे। बातचीत की पहल होने के बाद भी आज़ाद पट्टन और पलंदरी सहित प्रमुख क्षेत्रों में प्रदर्शनों का सिलसिला नहीं रुका।

इस्लामाबाद प्रेस क्लब में पत्रकारों की पिटाई की जांच का आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पत्रकारों ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित एक प्रेस क्लब में पुलिस की कार्रवाई और पत्रकारों के साथ मारपीट के लिए संघीय सरकार की आलोचना की है, वहीं गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। इस्लामाबाद पुलिस ने बृहस्पतिवार को जम्मू-कश्मीर संयुक्त आवामी एक्शन कमेटी के विरोध प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करते हुए नेशनल प्रेस क्लब पर हमला किया। टीवी फुटेज में पुलिसकर्मियों को प्रेस क्लब परिसर में पत्रकारों पर लाठियां बरसाते हुए देखा जा सकता है। समाचार पत्र 'डॉन' की एक खबर के अनुसार नकवी ने कहा है कि उन्होंने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का संज्ञान लिया है और इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक से इस संबंध में एक रिपोर्ट मांगी है। उनके हवाले से कहा गया है, पत्रकार समुदाय के खिलाफ हिंसा किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

इस्तांबुल में सैकड़ों में लोगों ने इजराइली वाणिज्य दूतावास के सामने प्रदर्शन किया।

इजराइल ने कब्जे में लिया फ्लोटिला, ग्रेटा थनबर्ग और यूरोपीय सांसदों के निर्वासन की तैयारी

दीर अल बलाह। गाजा के इजराइली घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे फिलिस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता ले जा रहे जहाजों के समूह (फ्लोटिला) को इजराइली सैनिकों ने अपने कब्जे में ले लिया है और उसमें सवार जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग तथा कई यूरोपीय सांसदों के निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए उन्हें इजराइल ले जाया जा रहा है। 'द ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला' नामक इस काफिले में लगभग 50 छोटे जहाज शामिल हैं, जिन पर करीब 500 लोग सवार हैं। यह काफिला गाजा के घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे फिलिस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता ले जा रहा था, जिसमें मुख्य रूप से खाद्य सामग्री और दवाइयां शामिल हैं।

गाजा पट्टी में गोलीबारी 57 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा पट्टी में इजराइली हमले में 57 फिलिस्तीनी मारे गए। इजराइल ने यह हमला ऐसे वक्त किया है जब हमास ने युद्ध को समाप्त कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रस्ताव पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया है। ट्रंप की योजना के तहत हमास को सभी बंधकों को वापस करना होगा और लड़ाई समाप्त करने के बदले में सत्ता छोड़नी होगी।

लॉस एंजिलिस के पास शेवरॉन रिफाइनरी में लगी भीषण आग

एल सेगुंडो। अमेरिका के लॉस एंजिलिस के पास स्थित शेवरॉन तेल रिफाइनरी में बृहस्पतिवार की रात भीषण आग लग गई, जिससे ऊंची लपटें उठीं जो मीलों दूर से भी दिखायी दे रही थीं। कैलिफोर्निया के एल सेगुंडो में अधिकारियों ने लोगों से घर के अंदर रहने का आग्रह किया।

कंपनी ने देर रात एक बयान में कहा था कि शेवरॉन एल सेगुंडो रिफाइनरी में लगी आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। उसने बताया कि निगरानी प्रणाली से पता चला है कि आग रिफाइनरी परिसर से बाहर नहीं फैली। हालांकि, बयान में आग लगने की वजह नहीं बतायी गयी। एल सेगुंडो पुलिस और दमकल विभागों ने भी तुरंत इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

पुतिन की ट्रंप को चेतावनी यूक्रेन को क्रूज मिसाइलें दीं तो बिगड़ जाएंगे रूस से संबंध

मॉस्को, एजेंसी

- कहा- मिसाइलें देकर भी नहीं बदल पाएंगे शक्ति संतुलन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलें उपलब्ध कराने से युद्धक्षेत्र की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आएगा लेकिन इससे मॉस्को और वाशिंगटन के बीच संबंधों को गंभीर नुकसान पहुंचेगा।

पुतिन ने सोची में काला सागर रिसॉर्ट में विदेश नीति के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के एक मंच पर कहा कि कीव को अमेरिकी टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों की संभावित आपूर्ति नए स्तर के टकराव का संकेत होगी, जिसमें रूस और अमेरिका के बीच के संबंध भी शामिल हैं। रूसी नेता ने कहा कि अगर टॉमहॉक मिसाइलें यूक्रेन को दी जाती हैं तो भले ही वे रूस को नुकसान पहुंचाएंगी, लेकिन रूसी हवाई रक्षा प्रणाली नए खतरे का जल्द ही मुकाबला कर लेगी। उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से युद्धक्षेत्र में शक्ति संतुलन को नहीं बदलेगा।

उन्होंने कहा कि रूसी सेना लगातार यूक्रेन के खिलाफ बढ़त बना रही है। जब उनसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस को 'कागजी शेर' कहे जाने के बारे में पूछा गया क्योंकि वह तीन साल से ज्यादा वक्त से जारी युद्ध के बाद भी यूक्रेन को पराजित नहीं कर सकता तो पुतिन ने तर्क दिया कि रूस का सामना केवल यूक्रेन से नहीं, बल्कि पूरे नाटो गठबंधन से है। इसके साथ ही पुतिन ने अलास्का में ट्रंप के साथ हुई शिखर बैठक की सराहना की और परमाणु संधि के विस्तार का प्रस्ताव दोहराया। उन्होंने कहा, यह अच्छा था कि हमने यूक्रेनी संकट को सुलझाने के संभावित रास्ते खोजने और तलाशने का प्रयास किया।

सारा 105 पुरुषों के बाद कैंटरबरी की पहली महिला आर्कबिशप

लंदन, एजेंसी

- दुनिया के 8.5 करोड़ एंग्लिकनों का करेंगी नेतृत्व, कई चुनौती भी

लंदन की बिशप सारा मौलली को शुक्रवार को कैंटरबरी का आर्कबिशप नियुक्त किया गया। यह पहली बार है जब किसी महिला को 'चर्च ऑफ इंग्लैंड' का आध्यात्मिक नेता चुना गया है।

मौलली को महिलाओं और एलजीबीटीक्यू लोगों के साथ व्यवहार को लेकर चर्च के भीतर मौजूद मतभेदों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही, उन्हें इस चिंता का भी समाधान करना होगा कि चर्च के नेता पिछले एक दशक से चर्च की परेशानी का सबब बने यौन शोषण घोटालों को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा पाए हैं। वह 105 पुरुषों के बाद दुनिया भर में 8.5 करोड़ एंग्लिकनों का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बन गई हैं। वह पूर्व आर्कबिशप जस्टिन वेल्बी का स्थान लेंगी, जिन्होंने पिछले वर्ष नवंबर में इस्तीफे की घोषणा की थी, क्योंकि एक स्वतंत्र जांच में पाया गया था कि ईसाई ग्रीष्मकालीन शिविरों में एक स्वयंसेवक द्वारा शारीरिक और यौन दुर्व्यवहार के बारे में पता चलने पर भी उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी थी।

संदिग्ध ड्रोन मंडराने के बाद अस्थाई रूप से बंद किया गया म्यूनिख का हवाई अड्डा

म्यूनिख, एजेंसी

- यूरोपीय अधिकारियों ने रूस का हाथ होने की जताई आशंका

म्यूनिख हवाई अड्डे के आसपास संदिग्ध ड्रोन मंडराने के बाद उसे बृहस्पतिवार देर रात अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के हवाई क्षेत्र में यह नवीनतम रहस्यमय ड्रोन उड़ान है। हालांकि इस बारे में अभी कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिल सका है। अधिकारियों ने रूस का हाथ होने की आशंका जताई है।

हवाई अड्डा संचालकों ने एक बयान में कहा कि जर्मनी के हवाई यातायात नियंत्रण ने रात 10 बजे के बाद हवाई अड्डे पर उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया और फिर उन्हें पूरी तरह से रोक दिया। 17 उड़ानें रवाना नहीं हो सकीं, जिससे लगभग 3,000 यात्री प्रभावित हुए, जबकि 15 आने वाली उड़ानों को जर्मनी के तीन अन्य हवाई अड्डों तथा ऑस्ट्रिया के वियना के एक हवाई अड्डे पर भेज दिया गया।

म्यूनिख हवाई अड्डे पर जर्मनी की संघीय पुलिस के प्रवक्ता स्टीफन बायर ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह पांच बजे हवाई अड्डे से उड़ानों का परिचालन फिर शुरू हो गया। अधिकारी तत्काल इस बारे में कोई जानकारी नहीं दे पाए कि इस तरह की घटनाओं के पीछे किसका हाथ है। बायर ने बताया कि हवाईपट्टी बंद होने के बाद संघीय पुलिस ने ड्रोन का पता लगाने के लिए हेलीकॉप्टर और अन्य साधन तैनात किए, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। जर्मन समाचार एजेंसी 'डीपीए' की खबर के अनुसार, फंसे हुए सैकड़ों यात्रियों ने टर्मिनल में रखी गई कुर्सियों पर रात बिताई या उन्हें होटलों में ले जाया गया और उन्हें कंबल तथा खाने-पीने के सामान वितरित किए गए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 4 अक्टूबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

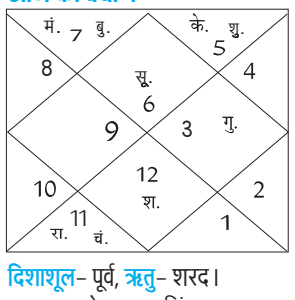

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा तत्पश्चात शतभिषा।

मेष — आज घर का वातावरण बहुत ही शांत रहेगा। छात्र अपनी पढ़ाई पर अत्यधिक ध्यान देंगे। बच्चों से शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। समय पर सारे कार्य पूर्ण हो जायेंगे। व्यापार में बड़े अनुबंध और ऑर्डर मिलने की प्रबल संभावना है।

वृष — आज भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वभाव में चंचलता का भाव रहेगा। कारोबार में बढ़ोत्तरी होने के योग बन रहे हैं। शुभ कार्यों में अत्यधिक धन खर्च कर सकते हैं। कला की ओर आप आकर्षित रहेंगे। रुके हुए कार्य पुन: प्रारम्भ होंगे।

मिथुन — आज जीवनसाथी के साथ बेहतरीन पलों का आनंद उठायेंगे। बॉस आपके प्रमोशन को लेकर चर्चा कर सकते हैं। जॉब में अचानक स्थानांतरण होने की संभावना बन रही है। ऑफिस के माहौल में थोड़ी कड़वाहट हो सकती है।

कर्क — आज सहकर्मियों के साथ व्यवहार खराब न करें। किसी पारिवारिक सदस्य से झगड़ा हो सकता है। अनैतिक कार्यों से धन कमाने का प्रयास न करें। बातचीत के दौरान सही शब्दों का चयन करें। धार्मिक यात्रा में कठिनाई हो सकती है।

सिंह — आज जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बितायेंगे। मेहनत का लाभ मिलने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अधिकारियों के साथ संबंध अच्छे रखें। येन-केन प्रकारेण अपना काम बना ही लेंगे। शाम के समय कुछ परेशान रहेंगे। पूरी एकाग्रता से साथ सभी काम करें।

कन्या — आज कारोबार में बड़े समझौते कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। एकांत में आपको समय अवश्य बिताना चाहिए। पिता के कार्यों में आप सहयोग देंगे। पिछले काफी समय से जिस कार्य में फंसे थे, वह आज पूर्ण हो सकता है।

तुला — आज ऑफिस का वातावरण बहुत ही शांत और सहयोगात्मक रहेगा। किसी दूसरे व्यक्ति की सलाह को अधिक महत्व न दें। लेकिन लोग आपकी सलाह से लाभान्वित होंगे। व्यवसाय में आपको मैनेजमेंट दुरुस्त करना होगा। ऑनलाइन शॉपिंग में छूट मिल सकती है।

वृश्चिक — आज वैवाहिक संबंधों में अनबन हो सकती है। काम को लेकर यात्रा करनी पड़ सकती है। मन में उलझनों का अंबार रहेगा। क्रोध में आकर प्रतिक्रिया देने से बचें। परिजनों के साथ डिनर पर जा सकते हैं। तकनीक शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को पढ़ाई में परेशानी होगी।

धनु — आज आप नए कार्यों में अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। सरकारी अधिकारियों को प्रमोशन मिल सकता है। बेरोजगार लोग यदि प्रयास करें तो जॉब मिल सकती है। वैवाहिक जीवन में आपसी सामंजस्य बढ़ेगा। परिवार में एकता का वातावरण रहेगा।

मकर — आज सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को थोड़ी परेशानी होगी। गैस और कब्जियत की शिकायत हो सकती है। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उपलब्धियों पर अधिक अहंकार न करें। महिलाओं को शॉपिंग करते समय सावधानी रखनी चाहिए।

कुंभ — आज आपके काम की सर्वत्र प्रशंसा होगी। व्यवहार में नरमी और सौम्यता का भाव रखें। व्यापार की परेशानियों का निवारण होगा। अनुभवी लोगों से आपको मार्गदर्शन मिलेगा। प्रियजनों के साथ मौज-मस्ती भरा समय बितायेंगे।

मीन — आज आपको किसी से झूठ नहीं बोलना चाहिए। पैरों में सूजन और दर्द की शिकायत हो सकती है। छोटी-मोटी बातों को नजरअंदाज न करें। अपनी गलतियों पर पर्दा न डालें। कोर्ट-कचहरी के मामलों में थोड़ी परेशानी होगी। घरेलू सामान की खरीदारी कर सकते हैं।

सुडोकू-119

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8		2			4		
	7			1	6			5
			5					3
		5				9		
	3	7				2	4	
1		4				6		
7			3		5		9	
2			1	4			7	
		6			9		8	

सुडोकू - 118 का हल

3	8	4	7	2	5	6	9	1
6	5	2	1	3	9	4	7	8
9	7	1	4	6	8	5	3	2
4	6	7	3	5	1	8	2	9
8	3	9	2	4	7	1	6	5
1	2	5	9	8	6	7	4	3
5	4	8	6	9	2	3	1	7
7	9	3	8	1	4	2	5	6
2	1	6	5	7	3	9	8	4

अब हर प्रतियोगिता वर्ष 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की मेरी तैयारी का हिस्सा है। आगामी राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल उस यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव होंगे।

–मीराबाई चानू

स्टेडियम

बरेली, शनिवार, 4 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पुरुष एकल खिताब के लिए भिड़ेंगे मनीष व कीर्तिवासन

नई दिल्ली : मनीष सुरेशकुमार और कीर्तिवासन सुरेश शुक्रवार को फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल जीतने के बाद पुरुष एकल फाइनल में आमने-सामने होंगे जबकि महिला वर्ग का फाइनल वैष्णवी अडकर और आकांक्षा निटुरे के बीच होगा। तमिलनाडु के मनीष ने सेमीफाइनल में चौथे वरीय इशाक इकबाल को 1-6, 6-1, 6-1 से मात दी जबकि कीर्तिवासन ने चार घंटे 10 मिनट तक चले मैराथन सेमीफाइनल में मैडविन कामथ को 7-6(3), 3-6, 6-4 से हराया। महिला एकल में महाराष्ट्र की शीर्ष वरीय वैष्णवी ने अंतिम चार मुकाबले में कर्नाटक की चौथी वरीयता प्राप्त सोहा सादिक को 6-1, 6-0 से पराजित किया। दूसरे सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त आकांक्षा ने मणिपुर की जेनिफर लुईखम पर 3-6, 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की।

रेलवे और इंडियन ऑयल के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

नई दिल्ली : सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय हाकी चैंपियनशिप के फाइनल में रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच खिताबी भिड़ंत होगी आज यहां शिवाजी स्टेडियम में पांचवीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के पहले सेमीफाइनल मैच में, रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड ने भारतीय खेल प्राधिकरण को 3-1 से हराया। रेलवे के लिए लालरेम्सियामी ने (सातवें), नवनीत कौर ने (39वें) मिनट और वंदना कटारिया ने (50वें) मिनट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक-एक गोल दागकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया।

फीफा ने विश्व कप आधिकारिक मैच बॉल का किया अनावरण

मास्को : अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) ने विश्वकप 2026 के लिए 'अगले साल के मेजबान देशों की एकता और जुनून' दर्शाने वाले मैच बॉल का आधिकारिक अनावरण किया। इस अवसर फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि फीफा विश्व कप 2026 के लिए आधिकारिक मैच बॉल आ गई है और यह बेहद खूबसूरत है। मुझे ट्रायोंडा को प्रस्तुत करते हुए खुशी और गर्व हो रहा है। एडिडास ने एक और प्रतिष्ठित फीफा विश्व कप बॉल बनाई है, जिसका डिजाइन अगले साल के मेजबान देशों कनाडा, मेक्सिको और अमेरिका की एकता और जुनून को दर्शाता है। इन्फेंटिनो ने कहा कि आगामी टूर्नामेंट 'अब तक का सबसे शानदार फीफा विश्व कप' होगा।

कीनिया व जापान के कोच को आवारा कुत्तों ने काटा

नई दिल्ली : विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान शुक्रवार को अलग अलग घटनाओं में कीनियाई कोच डेनिस माराजिया व जापान की कोच मेइको ओकुमत्स को आवारा कुत्तों ने काट लिया। हालांकि करीबी अस्पताल में इलाज के बाद दोनों कोच खतरे से बाहर हैं। बताया गया कि दोनों कोच जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में प्रतिस्पर्धा परिसर में खिलाड़ियों के साथ थे। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में दो कॉल रूम हैं और मुख्य प्रतिस्पर्धा परिसर से कुछ मीटर की दूरी पर हैं। आयोजकों ने बताया कि दोनों प्रशिक्षकों को तुरंत चिकित्सा सहायता दी गई और उन्हें सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया।

नार्वे : विश्व वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली स्टार भारतीय वेटलिफ्टर मीराबाई चानू।

मीराबाई चानू ने विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता

फोर्डे (नॉर्वे), एजेंसी।

स्टार भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने यहां विश्व चैंपियनशिप में 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता। इसके साथ ही इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में उनका शानदार रिकॉर्ड और मजबूत हो गया, जहां वह पहले भी दो बार पदक जीत चुकी हैं। चानू 2017 की विश्व चैंपियन और 2022 की रजत पदक विजेता हैं, उन्होंने कुल 199 किग्रा (स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा) वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क में पूर्व विश्व रिकॉर्ड धारक चानू ने 109 किग्रा, 112 किग्रा और 115 किग्रा भार आसानी से उठाया। पिछली बार उन्होंने 2021 में तोक्यो ओलंपिक में 115 किग्रा भार उठाया था, जहां उन्होंने रजत पदक जीता था।

चानू ने कहा कि मैं पोडियम पर जगह पाकर खुश हूं। अगस्त में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में मेरे पिछले प्रदर्शन के बाद इससे मुझे आने वाले वर्ष के लिए बहुत आत्मविश्वास मिला है। अब हर प्रतियोगिता 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की मेरी तैयारी का हिस्सा है। आगामी राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल उस यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव होंगे। मेरा ध्यान कड़ी मेहनत करने, हर प्रतियोगिता से सीखने और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर है।

मुख्य कोच विजय शर्मा ने कहा कि विश्व चैंपियनशिप में चानू का पोडियम पर पहुंचना उनकी निरंतरता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह उनके करियर के एक बेहद अहम दौर की शुरुआत है क्योंकि अगले साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल लॉस एंजिलिस ओलंपिक से पहले उनके लिए अहम परीक्षा होंगे। अब ध्यान उनकी तकनीक को निखारने, उनकी ताकत बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने पर है कि वह सही समय पर अपने प्रदर्शन के चरम पर पहुंचें। उत्तर कोरिया की री सोंग गम ने 213 किग्रा वजन (91 किग्रा और 122 किग्रा) ने कुल भार और क्लीन एवं जर्क के अपने आखिरी दो प्रयास में 120 और 122 किग्रा वजन उठाकर विश्व रिकॉर्ड कायम किया। थाईलैंड की थान्याथॉन सुकचारोन ने 198 किग्रा वजन (88 किग्रा और 110 किग्रा) उठाकर कांस्य पदक जीता।

जुरेल, जडेजा व राहुल ने जड़ा शतक भारत ने वेस्टइंडीज पर कसा शिकंजा

टीम इंडिया ने पहली पारी में पांच विकेट पर 448 रन का खड़ा किया स्कोर

अहमदाबाद, एजेंसी।

विकेटकीपर ध्रुव जुरेल (125), हरफनमौला रविंद्र जडेजा (नाबाद 104) और सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल (100) की शतकीय पारियों से भारत ने दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 448 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 रन पर सिमटी थी। भारत ने पांच विकेट शेष रहते 286 रन की बढ़त के साथ मैच पर अपना शिकंजा कस दिया। पिच पर गेंदबाजों के पैर वाले निशान से स्पिनरों को मिल रहे असामान्य उछाल को देखते हुए वेस्टइंडीज के लिए अब पारी की हार को टालना भी मुश्किल होगा।

दिन का खेल खत्म होते समय जडेजा के साथ वाशिंगटन सुंदर (नौ रन) क्रीज पर मौजूद थे। जुरेल ने भारतीय पारी के 116वें ओवर में वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज के खिलाफ चौके के साथ 190 गेंद में टेस्ट करियर का अपना पहला शतक पूरा किया तो वहीं शानदार लय में चल रहे जडेजा ने इसके 10 ओवर बाद वारिकन के खिलाफ एक रन चुरा कर 168 गेंद में अपना छठा टेस्ट शतक पूरा किया। इस मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ प्रथम श्रेणी मुकाबले में 140 रन बनाने वाले जुरेल ने 210 गेंद की पारी में 15 चौके और तीन छक्के जड़े। जडेजा ने थोड़ी तेजी से बल्लेबाजी करते हुए अब तक 176 गेंद की पारी छह चौके और पांच बड़े छक्के लगा चुके हैं। दोनों ने दिन के दूसरे और तीसरे सत्र में पूरी तरह से हावी होते हुए

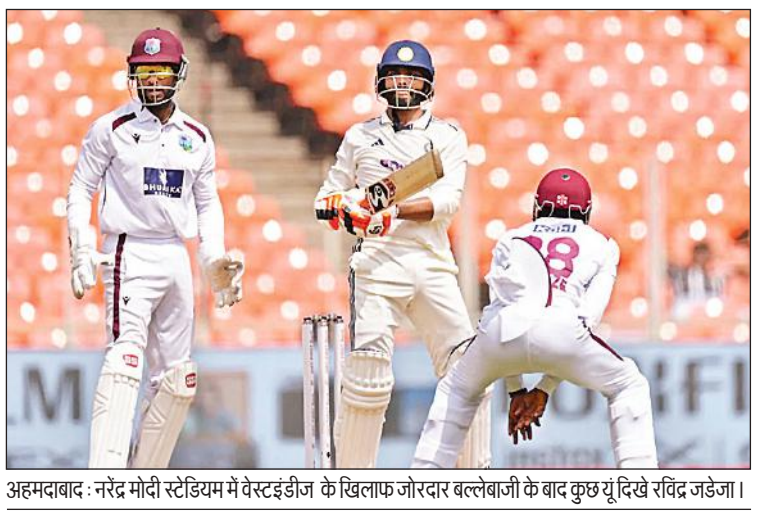

अहमदाबाद : नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ जोरदार बल्लेबाजी के बाद कुछ यूं दिखे रविंद्र जडेजा।

पांचवें विकेट के लिए 206 रन की साझेदारी कर मैच में वेस्टइंडीज के लिए वापसी के रास्ते को लगभग बंद कर दिया। जुरेल ने शतक पूरा करने के बाद आक्रामक रूख अपनाया। वह खारे पियरे की गेंद पर विकेटकीपर शाई होप को कैच देकर आउट हुए। पियरे के टेस्ट करियर का यह पहला विकेट है। इससे पहले कप्तान शुभमन गिल (100 गेंदों पर 50 रन) और लोकेश राहुल (197 गेंदों पर 100 रन) व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल करने के तुरंत बाद आउट हो गए।

राहुल ने घरेलू सरजमीं पर नौ साल के सूखे को खत्म करते हुए अपना दूसरा और करियर का 11वां टेस्ट शतक जड़ा। राहुल ने 197 गेंद की पारी में 12 चौके जड़े है। घरेलू सरजमीं पर राहुल ने इससे पहले 2016 अपना पहला शतक जड़ा था। उन्होंने तब इंग्लैंड के खिलाफ 199 रन की पारी खेली थी। दूसरे सत्र के शुरुआती ओवर में ही राहुल के आउट होने के बाद जुरेल ने भारतीय पारी का पहला छक्का लगाया। इसके कुछ देर के बाद जडेजा ने जोमेल वारिकन के खिलाफ दो छक्के जड़े अपने तेवर दिखाये। वारिकन ने गेंदबाजों के पैर से बने पिच के खुरदुरे हिस्से पर गेंद को टप्पा खिलाकर बल्लेबाजों को परेशान करने की रणनीति अपनाई लेकिन इस जोड़ी ने कदमों के इस्तेमाल के साथ उनकी योजना को कारगर नहीं होने दिया। दोनों ने बड़ा शॉट खेलने का कोई भी मौका जाया नहीं किया। इस दौरान गेंद को क्षेत्ररक्षकों से दूर रख कर रन भी चुराते रहे। भारतीय टीम ने दिन की शुरुआत दो विकेट 121 रन से की। राहुल ने कप्तान गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 98 रन की साझेदारी कर भारत को बढ़त दिला दी। शानदार लय में चल रहे गिल अर्धशतक पूरा करने के बा चेज की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। राहुल ने एकाग्रता के साथ बल्लेबाजी की और दिन की शुरुआत में उन्हें भाग्य का भी साथ मिला जब सील्स की गेंद विकेटकीपर और पहली स्लिप के बीच से निकल गयी।

राहुल और गिल ने इसके बाद कोई गलती किये बिना आसानी से रन बनाये। दोनों ने अच्छी गेंदों को रक्षात्मक खेल के साथ सम्मान दिया तो वहीं लचर गेंदों के खिलाफ रन बनाये। भारतीय पारी के 46वें ओवर में जस्टिन ग्रीव्स के खिलाफ दोनों ने चौके जड़ टीम के स्कोर को 150 रन के पार पहुंचा दिया।

वेस्टइंडीज

पहली पारी : 162 रन

भारत

पहली पारी

यशस्वी जायसवाल का होप बो सील्स	36
लोकेश राहुल का ग्रीव्स बो वारिकन	100
साई सुदर्शन पगबाधा चेज	07
शुभमन गिल का ग्रीव्स बो चेज	50
ध्रुव जुरेल का होप बो पियरे	125
रविंद्र जडेजा खेल रहे हैं	104
वाशिंगटन सुंदर खेल रहे हैं	09
अतिरिक्त :	17

- **कुल योग :** 128 ओवर में पांच विकेट पर : 448 रन विकेट पतन : 1-68, 2-90, 3-188, 4-218, 5-424।
- **गेंदबाजी :** सील्स 19-2-53-1, लायने 15-0-38-0, ग्रीव्स 12-4-59-0, वारिकन 29-5-102-1, पियरे 29-1-91-1, चेज 24-3-90-2।

गुवाहाटी के एसीए, बरसपारा स्टेडियम में इंग्लैंड की बल्लेबाज एमी जोंस को जीत की बधाई देती दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेटर।

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से रौंदा

गुवाहाटी, एजेंसी।

लिंसे स्मिथ की अगुआई में अपने स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड ने शुक्रवार को यहां आईसीसी महिला वनडे विश्व कप मैच में दक्षिण अफ्रीका को दस विकेट से हराकर अपने अभियान की जबर्दस्त शुरूआत की। इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 69 रन पर आउट करके ही परिणाम लगभग तय कर दिया था। स्मिथ ने सात रन देकर तीन विकेट लिये। यह दक्षिण अफ्रीका का महिला विश्व कप इतिहास में दूसरा न्यूनतम स्कोर था। जवाब में इंग्लैंड ने 14.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज एमी जोंस ने 40 और टैमी ब्यूमोंट ने 21 रन का योगदान दिया। इससे पहले इंग्लैंड के लिए स्मिथ के अलावा कप्तान नेट स्किवर ब्रंट (पांच रन देकर दो विकेट), सोफी एक्लेस्टोन (19 रन देकर दो विकेट) और चार्ली डीन (14 रन देकर दो विकेट) ने दो दो विकेट झटके। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 20.4 ओवर में ढेर हो गई, उसके लिए विकेटकीपर बल्लेबाज सिनाओ जाफ्टा (22 रन) ही दोहरे अंक के स्कोर तक पहुंच सकीं।

पिच से गेंदबाजों को मदद मिल रही थी और टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला करने वाली इंग्लैंड ने दूसरे ओवर में ही स्मिथ को गेंद थमा दी जिसका फल उसे तुरंत ही मिल गया। स्मिथ ने दूसरे ओवर की दूसरी ही गेंद पर एक आसान रिटर्न कैच लपककर दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट को आउट कर दिया। फिर स्मिथ ने चौथे ओवर में टैजमिन ब्रिट्स को और छठे ओवर में अनुभवी मारिजाने काप को बोल्ड कर दिया। तेज गेंदबाज लॉरेन बेल ने सुने लुस का विकेट झटका जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम छह ओवरों में 19 रन पर चार विकेट गंवाकर मुश्किल में थी और इन झटकों से टीम उबर ही नहीं सकी। मजबूत बल्लेबाजों के लगातार आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका के मध्यक्रम पर काफी दबाव आ गया था।

तिलक के 94 रन, भारत 246 पर सिमटा मिडलटन ने याओ जुआन को हरा जीता स्वर्ण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच ग्रीनपार्क में दूसरे एक दिवसीय डे-नाइट मैच में शुक्रवार को एशिया कप के फाइनल मैच में जीत दिलाने वाले तिलक वर्मा का जादू चला। खराब शुरुआत के बाद तिलक वर्मा ने न सिर्फ टीम को संभाला बल्कि एक सम्मानजनक स्कोर ऑस्ट्रेलिया के सामने रखा। रियान पराग के साथ मिलकर तिलक वर्मा ने स्टेडियम के चारों और चौके-छक्के लगाए जिससे मैदान में रोमांच आ गया। तिलक वर्मा महज 6 रन से अपने शतक से चूक गए। तिलक वर्मा ने 94 तो रियान पराग ने 58 रनों की पारी खेली। भारत ए की पूरी टीम 45.5 ओवरों में 246 रनों पर आलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की पारी में तेज बारिश ने खलल डाला।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत की शुरुआत खराब रही। टीम के तीन बड़े विकेट महज 17 रनों पर गिर गए। पहले एशिया कप के शानदार परफॉर्मर अभिषेक शर्मा, फिर प्रभसिमरन उसके कप्तान श्रेयश अय्यर एक के बाद एक आउट होकर पवेलियन लौट गए। अभिषेक शर्मा बिना खाता खोते पवेलियन लौट गए। जैक एडवर्ड ने उन्हें कैच आउट कराया। इसके बाद प्रभसिमरन सिंह (1) भी तीसरे ओवर की दूसरे गेंद पर कैच आउट हो गए। विल सदरलैंड ने उन्हें चलता किया। महज 6 रन पर दो विकेट भारत के गिर गए। क्रीज पर आते ही तिलक वर्मा ने एक चौका लगाया, साथ ही श्रेयस अय्यर ने भी दो बाउंड्री लगाकर टीम के ऊपर बने प्रेशर को कम करने का प्रयास किया।

नई दिल्ली, एजेंसी।

अमेरिका की किशोरी एरेल मिडलटन ने शुक्रवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी इंडियनऑयल नई दिल्ली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की शॉटपुट एफ64 स्पर्धा में अनुभवी चीनी स्टार याओ जुआन को हराकर स्वर्ण पदक जीता। एरेल मिडलटन की जीत ने अमेरिका को अधिक रजत पदकों के साथ तालिका में भारत से आगे निकलने में मदद की। वह चार स्वर्ण, छह रजत और छह कांस्य पदकों के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गया, जबकि भारत के चार स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य पदक हैं और वह आठवें स्थान पर खिसक गया है। भारत की पांचवें स्वर्ण पदक की उम्मीदें सिमरन पर टिकी हैं, जिन्होंने सेमीफ़ाइनल में 12.08 सेकंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ महिलाओं की 100 मीटर टी12 फाइनल में आसानी से

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

नई दिल्ली : जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शाटपुट इवेंट की स्वर्ण विजेता पोलैंड की फ़ॉस्टीना, रजत विजेता फ्रांस की अलेक्जेंड्रा व कांस्य पदक विजेता अमेरिका की एलिसिया।

प्रवेश किया। उमर सैफी को अपना मार्गदर्शक बनाकर दौड़ते हुए, उन्होंने अपनी ऊर्जा को सही दिशा में निर्देशित किया।

इस वर्ष की उपलब्धि | भारत के बल्लेबाज केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा ने एक ही पारी में जड़े शतक

तीसरी बार तीन बल्लेबाजों ने एक ही पारी में बनाए शतक

अहमदाबाद, एजेंसी।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुक्रवार को भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारत ने एक नई उपलब्धि उस समय हासिल की जब उसके तीन बल्लेबाजों 'केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा ने एक ही पारी में शतक जड़े। इस वर्ष में तीसरी बार है जब भारतीय बल्लेबाजों ने यह कारनाम किया है।

घरेलू धरती पर वर्षों की निराशा के बाद राहुल को आखिरकार राहत मिली। 64.5वें ओवर में जब उन्होंने रोस्टन चेज की गेंद पर झुककर उसे मिड-विकेट के ऊपर से खेला और राहत और खुशी के मिश्रण के साथ अपना बल्ला उठाया। यह उनका 11वां टेस्ट शतक था, लेकिन घरेलू मैदान पर उनका केवल दूसरा शतक था - पिछला शतक 2016 में लगा था। हेलमेट उतारकर, बैज चूमकर, राहुल के जश्न ने लगभग एक दशक के इंतजार के बाद बोझ हल्का होने का संकेत दिया। उसके बाद ध्रुव जुरेल का शतक के शतक ने भारत को दूसरी खुशी दी।

इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में चूकने के बाद, इस युवा विकेटकीपर को आखिरकार अपना पल मिल ही गया। भारत के लिए, यह इस साल किसी नामित विकेटकीपर द्वारा लगाया गया तीसरा शतक भी था।

वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक बनाने के बाद कुछ इस अंदाज में दिखे ध्रुव जुरेल, केएल राहुल, और रवींद्र जडेजा।

पाटीदार की कोशिश बेकार, विदर्भ ने 224 रन की बढ़त से शिकंजा कसा

नागपुर, एजेंसी।

ईरानी ट्रॉफी

रणजी ट्रॉफी चैंपियन विदर्भ ने शुक्रवार को यहां शेष भारत के खिलाफ ईरानी ट्रॉफी मुकाबले के तीसरे दिन मजबूत बल्लेबाजी की बदौलत अपनी कुल बढ़त 224 रन की करके मैच पर शिकंजा कस दिया। पहली पारी में 342 रन बनाने के बाद विदर्भ ने शेष भारत को पहली पारी में 69.5 ओवर में महज 214 रन पर ढेर कर 128 रन की अहम बढ़त हासिल की।

विदर्भ ने तीसरे दिन स्टंप तक दूसरी पारी में दो विकेट पर 96 रन बना लिए हैं जिससे उसकी कुल बढ़त 224 रन की हो गई और मैच में अभी पूरे दो दिन बाकी हैं। तेज गेंदबाज यश ठाकुर ने विदर्भ की गेंदबाजी की अगुआई करते हुए 66 रन देकर चार विकेट चटकाए। बाएं हाथ के स्पिनर पार्थ रेखाड़े (14 रन देकर दो विकेट) और ऑलराउंडर हर्ष दुबे (58 रन देकर दो विकेट) ने उनका अच्छा साथ दिया जबकि आदित्य ठाकरे और दर्शन नालकांडे को एक-एक विकेट मिला।

शेष भारत ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 142 रन से की और तब वह 200 रन से पीछे था। कप्तान रजत पाटीदार पर उम्मीदें टिकीं थीं। लेकिन विदर्भ ने पहली ही गेंद पर मानव सुतार को पगबाधा आउट कर दिया। रात के 42 रन से आगे खेल रहे पाटीदार हालांकि डटे रहे और अर्धशतक पूरा किया जबकि दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे। ठाकुर ने सारांश जैन (10) को आउट किया। ठाकुर ने पुरानी गेंद बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 16.5 ओवर में 66 रन देकर चार विकेट लिए। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने 10 गेंद में तीन चौके लगाकर तेजी से खेलने की कोशिश की। लेकिन ठाकुर की शॉर्ट पिच गेंद ने उनकी पारी समाप्त की। दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे और पाटीदार अंत में 66 रन (125 गेंद, 10 चौके) बनाकर आउट हो गए। तब टीम का स्कोर नौ विकेट पर 191 रन हो गया। गुरनूर बरार (13) का आखिरी विकेट भी ठाकुर ने झटका जो उनका चौथा शिकार बने। पाटीदार के अलावा सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन ने 52 रन की पारी खेली। यश ढुल (11), रुतुराज गायकवाड़ (नौ रन), ईशान किशन (एक रन) ने सबसे ज्यादा निराश किया।